{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 13 मार्च 2026
चैत्र कृष्ण 10 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 167
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	76,034.42
निफ्टी	-	23,639.15
सोना	-	1,62,220
चांदी	-	2,80,000
डॉलर	-	92.48

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

राहुल गांधी को राहत

मुंबई। कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद राहुल गांधी के खिलाफ सावरकर पर 2022 में की गई टिप्पणी को लेकर दर्ज मानहानि मामले को नासिक की एक आपराधिक अदालत ने बंद कर दिया है। यह टिप्पणी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हुई थी। मामला देवेंद्र भूटाडा, नासिक स्थित निर्भया फाउंडेशन के अध्यक्ष, ने दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि गांधी ने 15 और 16 जून 2022 को हिंगोली और अकोले में रैलियों में की गई टिप्पणियां मानानि और अपमानजनक थे। शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 499 (मानहानि) और धारा 504 (जानबूझकर अपमान) के तहत अपराध दर्ज किया गया था। इसके बाद नासिक कोर्ट ने सितंबर 2024 में गांधी को समन जारी किया। राहुल गांधी को बाद में जमानत मिल गई और उन्हें वर्चुअल माध्यम से सुनवाई में शामिल होने की अनुमति दी गई, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया। अदालत ने सितंबर 2024 में सीआरपीसी की धारा 202 के तहत जांच भी आदेशित की थी।

किसानों के खाते में आज आएंगे 2000

नई दिल्ली। केंद्र सरकार 13 मार्च को देशभर के करोड़ों किसानों को सौगात देने जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम की राजधानी गुवाहाटी से किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त जारी करेगी। देशभर के 9 करोड़ 23 लाख से अधिक किसानों के खाते में डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के जरिए 2-2 हजार रुपये भेजे जाएंगे। पीएम किसान योजना की 22वीं किस्त में कुल 18640 करोड़ रुपये किसानों के खातों में भेजे जाएंगे। पीएम किसान योजना की 22वीं किस्त का लाभ सिर्फ उन्हीं किसानों को मिलेगा जिनकी जानकारी आधिकारिक पोर्टल पर सही और अपडेटेड है। जिसमें ई-केवायसी, बैंक डिटेल्स एवं जमीन के कागज अपडेट होने जरूरी हैं।

अनिल अम्बानी की 581.65 करोड़ रुपये की 31 अचल संपत्ति को अटैच

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 581.65 करोड़ रुपये की 31 अचल संपत्ति को अटैच किया है. यह कार्रवाई 11 मार्च को की गई. ईडी के अनुसार संपत्तियां देश के कई राज्यों में स्थित हैं, जिनमें गोवा, केरल, कर्नाटक, पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में स्थित जमीनें शामिल हैं। ईडी ने बताया कि इससे पहले भी आरएचएफएल, आरसीएफएल और रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) से जुड़े बैंक धोखाधड़ी के मामलों में 15,729 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्तियां शामिल की गई हैं।

कुछ ना कहना

एलपीजी संकट पर पीएम मोदी ने लोगों से की अपील...

शांति बनाए रखें और पैनिक न करें

कोरोना महामारी के दौर का उदाहरण देकर कहा कि इस संकट से उबर जाएंगे

नई दिल्ली। देश में एलपीजी सप्लाई को लेकर फैली अफवाहों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता से शांति बनाए रखने और पैनिक न करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण ऊर्जा की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, लेकिन हमारी सरकार संकट से निपटने में सक्षम है। पीएम मोदी ने तमिलनाडु में एनडीए की मीटिंग के दौरान सभी से सही जानकारी साझा करने और बिना पुष्टि के अफवाहें न फैलाने का आग्रह किया।

वहीं केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एलपीजी सप्लाई पर नजर रखने के लिए कंट्रोल रूम बनाए हैं। मंत्रालय का कहना है कि घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पहले की तरह जारी है और पैनिक खरीद से स्थिति प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों में जिला प्रशासन लोगों को अफवाहों से बचने की सलाह दे रहा है। केंद्र सरकार ने पहले ही एस्मा लागू किया है, इसके तहत घरेलू गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जाती है और बीते छह महीनों के औसत के अनुसार सप्लाई बनाए रखने का निर्देश है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय के साथ मिलकर फैक्ट चेक करने और सही सूचना देने का काम शुरु कर दिया है। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और पुलिस प्रमुखों के साथ बैठक कर कानून व्यवस्था और अफवाहों से उत्पन्न हालात को संभालने के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं।

वहीं पीएम मोदी ने कोरोना महामारी के दौर का उदाहरण देकर कहा कि तब 140 करोड़ भारतीयों ने देश की मजबूती दिखाई थी और अब भी हम इस संकट से जल्द ही उबर जाने वाले है। उन्होंने दोहराया कि सरकार की प्राथमिकता सभी नागरिकों के हितों की रक्षा करना है और किसी भी तरह के पैनिक की जरूरत नहीं है। जनता से अपील की गई है कि केवल सत्यापित सूचना को साझा करें और अफवाहों को आगे न बढ़ाएं। इस तरह, प्रशासन और केंद्र सरकार मिलकर एलपीजी संकट को नियंत्रित करने और लोगों को सही जानकारी देने में सक्रिय हैं।

"सरकार हर प्रयास कर रही है ताकि वैश्विक संकट का असर आम नागरिकों पर कम से कम पड़े और देश की ऊर्जा जरूरतें पूरी होती रहें।

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

एलपीजी और ईंधन संकट पर संसद के बाहर विपक्ष का प्रदर्शन, राहुल गांधी ने सदन में केंद्र सरकार से पूछे तीखे सवाल

संसद से नरेंदर गायब, देश से सिलेंडर गायब

नई दिल्ली। देश में एलपीजी सिलेंडर की कथित किल्लत को लेकर संसद में गुरुवार को विपक्ष ने सरकार को घेरा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए नोटिस दिया, जबकि संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने सिलेंडर संकट को लेकर प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ऊर्जा सुरक्षा मामले में केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने संकट से निपटने के लिए अग्रिम तैयारी किए जाने का आह्वान करते हुए कहा, अगर ऐसा नहीं किया गया, तो भविष्य में करोड़ों लोगों को नुकसान उठाना पड़ेगा। राहुल का ये बयान एलपीजी की कमी को लेकर आई हालिया मीडिया रिपोर्ट्स के बीच आया है। उन्होंने संसद परिसर में पत्रकारों से बात करने के अलावा सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा करते हुए भी सरकार को घेरा। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की संसद में अनुपस्थिति को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने अपने फेसबुक पर संसद परिसर में विरोध-प्रदर्शन की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, संसद से नरेंदर गायब, देश से सिलेंडर गायब! इस मामले में फेसबुक पोस्ट के अलावा राहुल ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि पीएम मोदी भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करने में असमर्थ हैं क्योंकि वह फंसे हुए हैं। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत के लोग सुरक्षित रहें और देश की ऊर्जा सुरक्षा का प्रबंधन हम स्वयं करें।

राहुल गांधी ने ईरान युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद है। देश में एलपीजी को लेकर संकट है। स्ट्रीट वेंडर्स पर ज्यादा प्रभाव पड़ा है। अमेरिका कौन होता है हमें यह बताने वाला कि हम किससे तेल खरीदेंगे, किससे गैस खरीदेंगे? छोटे व्यापारी परेशान हो रहे हैं। राहुल गांधी में सदन में कहा कि हर कोई जानता है कि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू हो गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध चल रहा है। इस युद्ध के दूरगामी परिणाम होने वाले हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल गुजरता है, उस मुख्य समुद्री रास्ते को बंद कर दिया गया है। इसका बहुत बड़ा असर पड़ेगा, खासकर हमारे देश पर, क्योंकि हमारे तेल और प्राकृतिक गैस का बहुत बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है।

हमें अपनी मानसिकता बदलनी होगी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जोर देकर कहा, गैस और ईंधन एक बड़ी समस्या बनने वाले हैं क्योंकि हमारी ऊर्जा सुरक्षा से समझौता हुआ है। उन्होंने कहा कि यह ईरान के होर्मुज क्षेत्र से तेल के जहाजों को आने की अनुमति देने या न देने से भी बड़ा मुद्दा है। बकौल राहुल गांधी, पश्चिम एशिया में हो रहा युद्ध मूल रूप से वर्तमान विश्व व्यवस्था के बारे में है। अस्थिर समय को देखते हुए हमें अपनी मानसिकता बदलनी होगी। उन्होंने सरकार को सुझाव दिया कि संभावनाओं पर गहराई से विचार करे, जिससे देश के लोगों को नुकसान न उठाना पड़े।

ट्रंप के बयान पर केंद्र पर भड़के राहुल गांधी

राहुल गांधी ने आगे कहा कि मुश्किलें अभी बस शुरू हुई हैं। रेस्तरां बंद हो रहे हैं। एलपीजी को लेकर लोगों में घबराहट फैल रही है। सड़क पर सामान बेचने वाले लोग प्रभावित हो रहे हैं और जैसा मैंने कहा, यह सिर्फ शुरुआत है। किसी भी देश की बुनियाद उसकी ऊर्जा सुरक्षा होती है और मैं यह बात हल्के में नहीं कह रहा हूं, लेकिन अमेरिका को यह तय करने देना कि हम तेल किससे खरीदेंगे, गैस किससे खरीदेंगे, क्या हम रूस से तेल खरीद सकते हैं या नहीं और अलग-अलग तेल आपूर्तिकर्ता देशों के साथ हमारे संबंध कैसे होंगे, यह सब मानो सौदे में दे दिया गया है। ट्रंप के बयान को लेकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मेरे लिए यह हमेशा एक बहुत उलझाने वाली बात रही है कि भारत जैसा बड़ा देश किसी दूसरे देश को यह तय करने क्यों देगा कि हम किससे तेल खरीदें। क्यों किसी दूसरे देश के राष्ट्रपति हमें अनुमति दें कि हम रूस से तेल खरीद सकते हैं या नहीं और हमारे अंतरराष्ट्रीय संबंध कैसे होंगे। यह मेरे लिए एक पहेली रही है और मैं इस पहेली को समझने की कोशिश कर रहा हूं।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगा विपक्ष...

कुल 120 सांसदों ने किया हस्ताक्षर

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए विपक्ष बड़ी तैयारी में लगा हुआ है। दोनों सदनों के विपक्षी सांसद इस मामले में एकजुट हैं। महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए लोकसभा के करीब 120 सांसद और राज्यसभा के 60 सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। बताया जा रहा है कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्षी अभियान की अगुवाई तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक सांसद कर रहे हैं।

दरअसल पश्चिम बंगाल में आने वाले दिनों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके पहले राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर सीएम ममता बनर्जी चुनाव आयुक्त कुमार के खिलाफ मुखर भी है। विपक्ष एक के नेता ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि नोटिस की दो अलग-अलग कॉपी शुक्रवार तक लोकसभा और राज्यसभा में जमा होगी। विपक्षी पार्टियां कुमार के खिलाफ सात खास आरोप लिस्ट तैयार करेंगी, जिसमें फ्रभेदभावपूर्ण व्यवहारफ्र, फ्रइलेक्शन फ्रॉड की जांच में जानबूझकर रुकावट डालनाफ्र और फ्रएसआईआर के जरिए बड़े पैमाने पर लोगों को वोट डालने के अधिकार से वंचित करनाफ्र शामिल है।

बता दें कि मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाना संविधान के आर्टिकल 324 के तहत आता है, जिसमें कहा गया है, फ्र...मुख्य चुनाव आयुक्त को सुप्रीम कोर्ट के जज की तरह ही और उन्हीं वजहों से हटाया जाएगाज। कानून के मुताबिक, फ्रजिस सदन में नोटिस दिया जाता है, उस सदन के कम से कम सौ सदस्यों का समर्थन होना चाहिए, वहीं अगर राज्यसभा में नोटिस दिया जाता है, तब राज्यसभा के करीब 50 मेंबर्स का समर्थन होना चाहिए। इसके बाद स्पीकर इस पर विचार करते हैं। यह उनका विवेकाधिकार है कि वे प्रस्ताव को मान सकते हैं या मानने से मना कर सकते हैं।

अगर इस हफ्ते नोटिस दे भी दिया जाता है और मान भी लिया जाता है, तब इस मामले में बहस होने में महीनों लग सकते हैं। उस समय तक पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में चुनाव खत्म हो जाएंगे, जिनके इस गर्मी की शुरुआत में होने की उम्मीद है। इस कदम पर तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा नेता डेरेक ओब्रायन ने कहा, हमारी राजनीतिक और कानूनी लड़ाई संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह जारी रहेगी।

ग्रामीण इलाकों में अब 45 दिन के बाद ही एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग हो सकेगी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को संसद में बताया कि ग्रामीण इलाकों में अब 45 दिन के बाद ही एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग हो सकेगी। इसके अलावा वन टाइम कोड के बिना सिलेंडर की डिलीवरी और कमर्शल एलपीजी के नियम भी बदले गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि रसोई गैस की डिमांड को संतुलित रखने के लिए शहरी इलाकों में गैस सिलेंडर की बुकिंग के बीच कम से कम 25 दिन का अंतर रखना होगा, जबकि ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों के लिए 45 दिन का अंतराल निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ जगहों पर डिस्ट्रीब्यूटर और रिटेल स्तर पर गैस सिलेंडर जमा करने और घबराहट में ज्यादा बुकिंग करने की प्रवृत्ति देखी जा रही है। हालांकि यह स्थिति सप्लाई की कमी के कारण नहीं बल्कि लोगों की चिंता के कारण पैदा हुई है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग से लेकर डिलीवरी तक का औसत समय अभी भी ढाई दिन है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने बताया आगे कहा कि सरकार डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) प्रणाली का विस्तार कर रही है। अभी यह करीब 50 प्रतिशत उपभोक्ताओं के लिए लागू है, जिसे बढ़ाकर 90 प्रतिशत तक किया जा रहा है। इस सिस्टम में सिलेंडर की डिलीवरी तभी दर्ज होगी, जब उपभोक्ता अपने मोबाइल पर आए वन-टाइम कोड से इसकी पुष्टि करेगा।

अमेरिका कितना भी कोशिश कर ले, रूसी तेल को दुनिया से नहीं हटा पाएगा

रुसी राजदूत बोले- रुस से तेल खरीदने भारत को किसी से इजाजत लेने की जरुरत नहीं

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में युद्ध के बाद शुरू होने के बाद अमेरिका ने दावा किया कि उसने भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की छूट दी है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि वैश्विक तेल आपूर्ति में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए ये कदम उठाया गया है। ट्रंप प्रशासन की ओर से आए इस बयान पर रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने दो टूक कहा कि भारत को किसी से इजाजत लेने की जरूरत नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रूसी राजदूत ने एक इंटरव्यू में विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान की तारीफ करते हुए कहा कि अमेरिका कितना भी कोशिश कर ले, वह रूसी तेल को दुनिया से नहीं हटा पाएगा। उन्होंने कहा कि भारत को किसी से कोई इजाजत नहीं चाहिए, लेकिन अमेरिका का ऐसा रवैया उसकी सोच और अपने पार्टनर्स के प्रति उसके नजरिए को दिखाता है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि अमेरिका किसी को पार्टनर के तौर पर चाहता है या देखता है। जूनियर पार्टनर ज्यादा से ज्यादा जरूरतों को पूरा करते हैं और यह बात सभी को समझनी होगी। अमेरिका के सभी अच्छे इरादों, इन्वेस्टमेंट, अच्छे कामों के साथ राजनीतिक हालात और दबाव भी आते हैं। आप रूसी तेल को ग्लोबल बास्केट से बाहर नहीं कर सकते।

डेनिस ने आगे कहा कि अगर ऐसा होता है तो सप्लाई और ऑफर में बहुत कमी होगी और इसलिए मिडिल ईस्ट में हो रहे डेवलपमेंट से पता चलता है कि भारत चाहे रूसी तेल खरीदे या कोई और, वह तेल तो वहीं रहेगा, रूसी तेल तो वहीं रहेगा। इसलिए भारत को हमसे खरीदने से सिर्फ फायदा होगा। रूसी राजदूत ने ईरान पर हुए अमेरिका-इजराइल हमले को लेकर कहा कि मिडिल ईस्ट में ईरान के खिलाफ जो कुछ हुआ, उससे इंटरनेशनल नियमों और कानूनों का खुला उल्लंघन है। यह एक आजाद देश के खिलाफ हिंसक और बेबुनियाद हमला है, इससे पहले कि आधी रात को वेनेजुएला में एक आजाद देश के प्रेसिडेंट को अगवा कर लिया गया।

नेताजी की अस्थियों को लाने की मांग वाली याचिका खारिज...सुप्रीम कोर्ट ने कहा, वारिस खुद आए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जापान की राजधानी टोक्यो के रेनको-जी मंदिर से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की अस्थियों को भारत लाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इंकार किया है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस मामले पर सुनवाई होगी, लेकिन नेताजी के वारिस खुद सुप्रीम कोर्ट में आकर याचिका दायर करें। सीजेआई ने कहा कि नेताजी देश के सबसे महान नेताओं में से एक थे, लेकिन कोर्ट इन याचिकाओं के पीछे के मकसद और उसके समय को अच्छी तरह समझता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना वारिस के कोर्ट आने पर इस तरह का फैसला नहीं होगा। उन्होंने कहा कि वारिस को याचिका दायर करने दीजिए, हम उस पर सुनवाई करने को तैयार है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील ए.एम.सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नेताजी का केवल एक ही जीवित वारिस है, उनकी बेटी अनीता बोस फाफ। फिलहाल याचिका को सुप्रीम कोर्ट से वापस ले लिया गया है। इस याचिका में आरोप लगाया गया था कि केंद्र टोक्यो के रेनको-जी मंदिर से नेताजी की अस्थियां वापस लाने में नाकाम रही है, इसकारण उनकी बेटी अनीता बोस भारत में उनका सम्मानजनक अंतिम संस्कार नहीं कर पा रही हैं। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि सुप्रीम कोर्ट मामले में हस्तक्षेप कर मोदी सरकार को निर्देश दे कि अस्थियों को भारत लाया जाए। रेनको-जी मंदिर में रखी अस्थियां 18 सितंबर 1945 से सुरक्षित हैं, जो नेताजी की मृत्यु के बाद वहां रखी गई थीं।

फारूक अब्दुल्ला पर फायरिंग

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला पर बुधवार रात एक व्यक्ति ने फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली उन्हें नहीं लगी। अधिकारियों के मुताबिक फारूक जम्मू में एक शादी समारोह में पहुंचे थे। उनके साथ राज्य के डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी भी थे। घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि 70 साल के हमलावर कमल सिंह जामवाल ने पीछे से आकर फारूक के सिर पर रिवॉल्वर तान दी। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हमलावर का हाथ हटाया जिससे फायर हवा में हो गया। आरोपी को पकड़ लिया गया है और हमले के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

हमलावर कमल ने पुलिस को बताया- 'मैं पिछले 20 सालों से फारूक अब्दुल्ला को मारना चाहता था। यही मेरा मकसद था।' पुलिस के मुताबिक, हमलावर पिछले कई सालों से लाइसेंसी हथियार इस्तेमाल कर रहा है। फारूक अब्दुल्ला, सुरिंदर चौधरी और दूसरे बड़े नेता नेशनल कॉन्फ्रेंस के कार्यकर्ता सुरजीत सिंह के बेटे की शादी में शामिल हुए थे।

भारत पर फिर से टैरिफ लगाने की तैयारी में अमेरिका

-सेक्शन 301 के तहत जांच शुरू की, अनुचित व्यापार के सबूत मिले तो भारी टैक्स लगेगा

वॉशिंगटन। अमेरिका के डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन ने भारत और चीन समेत अपने 16 प्रमुख ट्रेडिंग पार्टनर्स के खिलाफ सेक्शन 301 के तहत नई जांच शुरू कर दी है। सेक्शन 301 अमेरिका को उन देशों पर एकतरफा टैक्स बढ़ाने की शक्ति देता है, जो उसकी कंपनियों को नुकसान पहुंच रहे हो। पिछले महीने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति ट्रम्प के टैरिफ को अवैध बताने के बाद, प्रशासन अब नए कानूनी रास्तों से टैरिफ का दबाव वापस बनाने की तैयारी में है।

अमेरिका उन देशों की जांच कर रहा है जो अपनी जरूरत से कहीं ज्यादा सामान बना रहे हैं और खपत न होने पर उस माल को सस्ते दामों पर अमेरिकी बाजारों में डंप कर रहे हैं। अमेरिका यह देखना चाहता है कि क्या ये देश जानबूझकर अपनी एक्सेस कैपेसिटी का इस्तेमाल करके अमेरिकी कंपनियों और वहां के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को चोट तो नहीं पहुंचा रहे हैं। यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जेमिसन ग्रीर के मुताबिक, इस जांच के कारण इस साल गर्मियों तक भारत, चीन, यूरोपीय संघ और मैक्सिको जैसे देशों पर नए टैरिफ लगाए जा सकते हैं। ट्रम्प प्रशासन ने कुल 16 ट्रेडिंग पार्टनर्स के खिलाफ जांच शुरू की है। इनमें भारत, चीन, यूरोपीय संघ, जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको, वियतनाम, ताइवान, थाईलैंड, मलेशिया, कंबोडिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, स्विट्जरलैंड और नॉर्वे शामिल हैं।

ट्रम्प टैरिफ लगाने के लिए प्रतिबद्ध

जेमिसन ग्रीर ने साफ कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प टैरिफ लगाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे व्यापार घाटे को कम करने और अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग को बचाने के लिए हर संभव रास्ता और टूल अपनाएंगे। उन्होंने ट्रेडिंग पार्टनर्स को मौजूदा समझौतों का पालन करने की चेतावनी दी। 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प द्वारा लगाए गए ग्लोबल टैरिफ को अवैध करार दिया था। इसके बाद ट्रम्प ने 150 दिनों के लिए 10 प्रतिशत का अस्थाई टैरिफ लगाया था। अब प्रशासन सेक्शन 301 का इस्तेमाल कर रहा है ताकि ट्रेडिंग पार्टनर्स पर टैरिफ का खतरा बरकरार रहे और उन्हें बातचीत की मेज पर लाया जा सके।

उत्थान के लिए बनाई गई कार्ययोजना पर अब तक शुरू नही किया गया काम

महान दानवीर के नाम से बनाया गया मुलना गार्डन बदहाल

वाहन पार्किंग के लिए हो रहा गार्डन का उपयोग, फुटकर विक्रेताओं ने गार्डन की भूमि पर किया अवैध कब्जा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

एक ओर नगर पालिका नगर का सौंदर्यीकरण करने और उजड़ चुके गार्डन को पुनः सवार कर नगर की सुंदरता में चार चांद लगाने का दावा कर रही है तो वहीं दूसरी ओर नगरपालिका का नगर के सौंदर्यीकरण पर कोई ध्यान नहीं है।जहां नपा की उदासीनता के चलते महान दानवीर मुलना जी की स्मृति में बनाया गया मुलना गार्डन अपनी बदहाली पर आंसू बहाता नज़र आ रहा है।जहां वर्षों से उजड़े इस गार्डन पर ध्यान न देने के चलते अब इस गार्डन की भूमि को लोग व्यवसायिक गतिविधि के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।जहां फल ,चाय, पान ठेला व्यवसायियों ने अब इस गार्डन पर धीरे-धीरे अपना कब्जा जमाना शुरू कर दिया है।तो वहीं कुछ चाय नाश्ता की दुकान वालों ने बकायदा गार्डन के भीतर बांस बल्ली गाढ़कर अस्थाई काम चलाऊ दुकान बना ली है।जहां वे दुकान में आने वाले ग्राहकों को बैठा कर चाय नाश्ता परोस रहे हैं। इसके अलावा नगरपालिका की बेरुखी के चलते फल ,पान ठेला ,चाय दुकान व अन्य फुटकर व्यापारी बस स्टैंड स्थित मुलना गार्डन को वाहन पार्किंग के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।जिस पर नगर पालिका का कोई ध्यान नहीं है।

महान दानवीर मुलना जी के नाम से बनाए गए गार्डन का संरक्षण नहीं कर पा रही नपा

इस गार्डन को सवारने या उसका सौंदर्यकरण करना तो दूर की बात नपा अब तक गार्डन की जगह पर किए गए अवैध निर्माण और जगह-जगह किए गए अतिक्रमण को तक नहीं हटा पाई है। वही इस गार्डन का जहां-तहां पड़ी गंदगी से बुरा हाल है जिसपर नाराजगी जताते हुए स्थानीय लोगों ने गार्डन का पुनः निर्माण किए जाने की मांग की है।मुलना गार्डन की इस बदहाल सूरत को देख सवाल उठता है कि जो नगरपालिका महान दानवीर मुलना जी के नाम से बनाए गए गार्डन का संरक्षण नहीं कर पा रही है या उस गार्डन को सवार नहीं पा रही है तो फिर विकास कार्यों का दावा करने वाली नगरपलिका आखिरकार नगर का सौंदर्यीकरण कैसे करेगी।यही सवाल नगरपालिका की कार्यप्रणाली और उनके गैर जिम्मेदाराना रवैया पर प्रश्न चिन्ह लगाता है।

मुलना जी की धरोहर है बालाघाट नगर

आपको बताए कि 25 अक्टूबर 1868 को जन्में मुलना जी एक उच्च शिक्षित खनिज व्यापारी थे।बहुमुखी प्रतिभा के चलते वे प्रसिद्ध वकील, सीपी लेजिस्लेटिव कॉसिंल के सदस्य, जिला पंचायत बालाघाट अध्यक्ष, नपा परिषद बालाघाट में 1914 से 1919 तक अध्यक्ष जैसे कई महत्वूपर्ण पदों पर रहे। नगर वास्तव में दीवान बहादुर मुलना की धरोहर है।उन्होंने न केवल नगर की सबसे बड़ी पेयजल सेवा नगरपालिका के माध्यम से नगरवासियो को सौंपी, बल्कि नगर का पुराना फिल्टर प्लांट, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, मुलना स्टेडियम सहित कई भवन व भूमि आज मुलना जी की ही देन हैं। उनके सार्वजनिक सेवाओं एवं निष्ठा के चलते उन्हें खान बहादुर का सम्मान प्राप्त हुआ, जो बाद में परिवर्तित होकर दीवान बहादुर हो गया। यही नहीं उन्होंने अपनी समस्त सम्पत्ति शेयर सर्टिफिकेट ट्रस्ट के रूप में बालाघाट नगर के जलप्रदाय, स्वास्थ्य, शिक्षा, एवं खेल आदि के विकास के लिए सौंपे है।ऐसे महादानी की जयंती पर उन्हें 25 अक्टूबर को प्रतिवर्ष याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।लेकिन ऐसे महान दानदाता की याद में बनाया गया मुलना गार्डन पिछले कई वर्षों से उजड़ा पड़ा है जहां महान दानदाता मुलना जी की स्मृति को सजोना तो दूर की बात नगर पालिका इस गार्डन का अस्तित्व तक नही बचा पा रही है।

गंदगी के कारण बैठना पसंद नहीं करते लोग

आपको बताएं कि बस स्टैंड में गार्डन वाली जगह दानवीर मुलना जी की संपत्ति है। जहा सामने ही मुलना जी की प्रतिमा लगी है जिसके कारण इस स्थान को मुलना गार्डन के नाम से जाना जाता है। पहले गार्डन के चारों ओर बाउंड्रीवाल हुआ करते थी, नगर पालिका द्वारा यहा साफ सफाई की जाती है।वही गार्डन के भीतर तरह तरह के पेड़ पौधे व फूल लगे रहते थे। यहां जगह जगह लोगो के बैठने के लिए कुर्सियां भी लगाई गई थी वहीं पानी का फव्वारा भी सुशोभित होता था जिसके चलते इस स्थान पर कई लोग काफी समय रुका करते थे।वहीं कई बार कई संगठनों को मीटिंग वगैरह करते हुए भी देखा गया था, लेकिन अब लोग इस स्थान पर गंदगी के कारण बैठना भी पसंद नहीं कर रहे हैं। वही गार्डन भूमि पर जगह जगह शराब की बोतलें, पानी पाउच,व खादय सामग्रियों के पैकेट बिखरे नजर आ रहे है। इसके अलावा जगह-जगह गंदगी बिखरी पड़ी है जो पिछले कई दिनों से साफ नहीं हो पाई है इसपर नपा का कोई ध्यान नही है।

स्टीमेट बनाकर भूल गई नपा

आपको बताएं कि पिछली बार इस गार्डन के उत्थान के लिए एस्टीमेट बनाया गया था,जहा जल्द से जल्द गार्डन की भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने। गार्डन को पुनः सवारने, उसके पुनः निर्माण के लिए एस्टीमेट बनाकर तैयार कर लिया गया था। कहा गया था कि जल्द ही इसके टेंडर जारी कर दिए जाएंगे। और गार्डन का पुनः निर्माण कर उसका सौन्दर्यकरण किया जाएगा।लेकिन जिम्मेदार स्टीमेट बनाने बाद इसका उत्थान करना ही भूल गए।

अधिकारी से नही हो सका सम्पर्क

इस पूरे मामले को लेकर हमने मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीडी कतरोलिया से सम्पर्क करने का प्रयास किया।लेकिन कार्यालय में उनसे संपर्क नही हो सका।वही हमने दूरभाष पर संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने फोन कॉल रिसीव नही किया।

पिता की हत्या के आरोप में बेटा गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सलघट में पिता की हत्या करके फरार बेटे को गिरफ्तार कर लिये।। 9 मार्च की रात्रि में यह घटना पारिवारिक विवाद के चलती हुई थी।बिरसा पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी हुमनसिह पिता मन्नूसिह मरावी 32 वर्ष को बैहर जेल भिजवा दिया गया है। ज्ञात हो कि मन्नू सिंह मरावी के तीन बेटे हैं और सभी खेती किसानी करते हैं। 9 मार्च की रात्रि 8:00 बजे मन्नूसिंह मरावी और उसके बड़े बेटे हुमनसिह मरावी के बीच काम धंधे और घरेलू बातों को लेकर विवाद हुआ था और तभी हुमनसिह मरावी ने आवेश में आकर अपने पिता मन्नुसिह को लाठी से मारपीट कर दिया था। मारपीट में मन्नूसिंह घायल हो गया था ।जिसका इलाज रात्रि में गांव में ही करवाए थे। किंतु 10 मार्च को सुबह 10:00 बजे करीब मन्नूसिंह की घर में ही मौत हो गई। इसकी सूचना मिलते ही बिरसा पुलिस ने ग्राम सलघट पहुंचकर मौके से मन्नूसिंह की लाश बरामद की और पंचनामा कार्यवाहीपश्चात बिरसा अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। घटना के बाद हुमनसिह मरावी फरार हो गया था जिसके विरुद्ध पिता की हत्या के आरोप में अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की गई है। बिरसा पुलिस ने 11 मार्च को ग्राम सलघट में ही हुमनसिह को गिरफ्तार कर लिये और उसे बैहर की अदालत में तेज कर दिए। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में उप जेल बैहर भिजवा दिया गया है।

जिला पंचायत की संचार एवं संकर्म समिति की बैठक 18 मार्च को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंचायत की संचार एवं संकर्म समिति की बैठक 18 मार्च को दोपहर 01 बजे जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में जिले में संचालित निर्माण कार्यों और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से मनरेगा, 5वें एवं 15वें वित्त आयोग के तहत ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, अवसंरचना एवं राज्य आयोजना, राज्य वित्त और अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क योजना के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति पर भी चर्चा होगी। साथ ही प्रधानमंत्री कृषि विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग (पीआईयू), आदिवासी विकास विभाग, जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा वन विभाग के कैम्प मद से स्वीकृत निर्माण कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की जाएगी। बैठक में अन्य विषयों पर भी सभापति की अनुमति से चर्चा की जाएगी। समिति के सदस्यों और संबंधित अधिकारियों से बैठक में समय पर उपस्थित रहने कहा गया है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0032/ड-154/2025-26
मौजा बुट्टा हजारी, रा.नि.मं. कनकी

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अशोक ठाकरे पिता तिलकचंद ठाकरे जाति पंवार, निवासी ग्राम बुट्टा हजारी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बुट्टा हजारी, रा.नि.मं. कनकी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता तिलकचंद पिता ढोन्डूजी का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 11.02.2017 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम बुट्टा हजारी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 18.03.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 12.03.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

शाम के समय बैल ले जाने पर दो लोगों ने की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खरखड़ी में एक व्यक्ति को शाम के समय बैल ले जाना उसे समय महंगा पड़ गया, जब उसे दो लोगों मारपीट कर जान से मार डालने की धमकी दी थी। 11 मार्च की शाम हुई इस घटना की रिपोर्ट पर खैरलांजी पुलिस ने हेमचंद भगत और बोया लिल्हारे के विरुद्ध अपराध दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामदयाल बिसेन खेती किसानी के अलावा मजदूरी करते हैं। 11 मार्च की शाम 7:30 बजे रामदयाल अपने घर के दो बैल पिकअप पर भरकर ग्राम गट्टापायली अपने साडू भाई के यहां रबी की फसल लगाने हेतु ले जा रहा था। ग्राम खरखडी में ही डोंगरिया रोड पर हेमचंद भगत और बोया लिल्हारे आए और रामदयाल को गालियां देते हुए बोले कि इतने समय बैल कहा ले जा रहा है। रामदयाल रामदयाल ने उन्हें बोला कि मैं बैल अपने साडू भाई के यहां ले जा रहा हूं। तभी दोनों, रामदयाल को अश्लील गालियां देते हुए हाथ बुक्के से मारपीट करने लगे ।तभी रामदयाल की पत्नी फुलवंता बिसेन बीच बचाव करने आई तो उसे भी इन लोगों ने मारपीट कर दिए और जान से खत्म करने की धमकी दे दी। इस दौरान रामदयाल ने भी मारपीट कर दिया। बीच बचाव के बाद रामदयाल बिसेन रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचा। खैरलांजी पुलिस में रामदयाल बिसेन 55 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर हेमचंद भगत और बोया लिल्हारे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की आप में अपराध दर्ज किया है। वही हेमचंद भगत द्वारा की गई रिपोर्ट पर रामदयाल बिसेन के विरुद्ध भी मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया गया है।

गैस एजेंसियों के गोदाम का निरीक्षण कर स्टाक सत्यापन करने के निर्देश

लिंगा से 23 सिलेण्डर जब्त किये गए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्तमान भू-राजनैतिक परिस्थितियों के कारण आयात में आयी रूकावटों को देखते हुए केंद्र सरकार ने एलपीजी की आपूर्ति को प्राथमिकता के आधार पर केवल घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। इसी परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर मृणाल मीना ने सभी तहसीलदार एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने क्षेत्र में स्थित गैस एजेंसियों के गोदामों एवं अभिलेखों का सख्ती से निरीक्षण करे और स्टाक का सत्यापन करें।

तहसीलदार बालाघाट मंजूला महोबिया एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पहल सिंह वलाडी द्वारा 12 मार्च को अरिहंत गैस एजेंसी बालाघाट में स्टाक का सत्यापन किया गया। ग्राम लिंगा में सांई सीएससी सेंटर में 13 सिलेण्डर जब्त करने की कार्यवाही की गई। ग्राम लिंगा में ही कर्मा सीएससी सेंटर से 10 सिलेण्डर जब्त किये गए है। खैरलांजी तहसीलदार दुलारेलाल परते द्वारा ग्राम नवेगांव(ख) में सुनील कुमार पिता हीरालाल नेवारे के जलपान गृह में घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग करने पर गैस सिलेण्डर जब्त कर हरीश भारत गैस एजेंसी की सुपूर्ति में दिया गया है। खैरलांजी तहसीलदार द्वारा खैरलांजी के होटलो एवं जलपान गृहों का भी निरीक्षण किया गया और निर्देशित किया गया कि घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग न करें।

किरनापुर में नायब तहसीलदार बबीता सूर्या द्वारा इण्डेन गैस एजेंसी मोहगांवखुर्द के गोदाम का निरीक्षण कर स्टाक का सत्यापन किया गया। लालबर्रा तहसीलदार द्वारा फीजा भारत गैस एजेंसी के स्टाक का सत्यापन किया गया है।

शासन के निर्देशों के तहत अब चिकित्सालयों और शैक्षणिक संस्थानों को छोड़कर अन्य सभी वाणिज्यिक संस्थानों, जैसे होटल, मॉल और औद्योगिक इकाइयों को बल्क तथा पैक्ड कमर्शियल गैस की आपूर्ति नहीं की जाएगी। प्रशासन ने ऐसे संस्थानों को अपनी ईंधन आवश्यकताओं के लिए वैकल्पिक स्रोतों का उपयोग करने की सलाह दी है। घरेलू उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा और गैस का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए अब एलपीजी रिफिल की बुकिंग पिछली डिलीवरी के 25 दिन बाद ही स्वीकार की जाएगी। इससे बाजार में कालाबाजारी और अनावश्यक अफरा-तफरी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। वितरकों के स्तर पर स्टॉक की दैनिक समीक्षा की जा रही है। साथ ही जमाखोरी करने वालों और घरेलू गैस के दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार म.प्र.ग्रामीण बैंक शाखा बुढ़ी की ओर से अधिकृत होकर और उनके निर्देशानुसार आप आम जनता को सूचित करता हूं कि मेरे पक्षकार बैंक से ऋणी श्रीमती सविता सिंह पति लूलकरण बिसेन, टीनासिंह, शशांक पिता लूलकरण बिसेन निवासी ग्राम कुम्हारी तह:व जिला बालाघाट मध्य प्रदेश के द्वारा अपनी भूमि को बंधक कर संपत्ति विरूद्ध ऋण अंतर्गत राशि ७५४००० सात लाख चौवन हजार रूपये का ऋण प्राप्त किया जा रहा है और लिये जा रहे ऋण में संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की मौजा ग्राम कुम्हारी प.ह.नं.१२, रा.नि.मं. व तह:बालाघाट , जिला बालाघाट में स्थित खसरा नं.३५१/७/६ रकबा ०.०१२ हे.परिवर्तित भूमि जिसकी चतुर्सीमा पूर्व में रोड, पश्चिम में अजमील की भूमि, उत्तर में विक्रेता की जमीन व दक्षिण में बलीराम की जमीन स्थित है को मेरी पक्षकार बैंक में साधारण बंधक द्वारा बंधक किया जा रहा है । अत: इस संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था या कार्यालय को आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सात दिनो के अंदर प्रस्तुत करें अन्यथा बाद में प्रस्तुत आपत्ति अमान्य होगी।

वास्ते आम सूचना प्रेषित है।

वारासिवनी -दिनांक-१२/०३/२०२६

प्रेषक-
मुकेश अग्रवाल
अधिवक्ता वारासिवनी

आंगनवाड़ी भर्ती में अनियमितता का आरोप, अभ्यर्थियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मेरिट में नाम आने के बाद रिश्वत मांगने का आरोप, पैसे नहीं देने पर अपात्र घोषित करने का आरोप, विभाग ने जांच की शुरू

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

लांजी क्षेत्र की दो आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद के लिए आवेदन करने वाली अभ्यर्थियों ने भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता का आरोप लगाते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने जिला कलेक्टर बालाघाट से पूरे मामले की जांच कर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है। अभ्यर्थियों का कहना है कि बीते दिनों उनके क्षेत्र में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद के लिए भर्ती प्रक्रिया आयोजित की गई थी। इस दौरान संबंधित अधिकारी द्वारा भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता बरतते हुए पात्र अभ्यर्थियों को अपात्र घोषित कर दिया गया और अपात्र को पात्र बनाकर नियुक्ति दे दी गई। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि इस कारण योग्य उम्मीदवारों को अवसर नहीं मिल पाया है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

हाल ही में लांजी क्षेत्र के आंगनवाड़ी केंद्र देवरबेली, उलटनाला और तलाबटोला में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद के लिए भर्ती निकाली गई थी। इस भर्ती प्रक्रिया में ग्राम देवरबेली वार्ड क्रमांक 5 निवासी अर्चना पिता हेमसिंह धुर्वे ने देवरबेली, उलटनाला और तलाबटोला केंद्रों के लिए आवेदन किया था। ग्राम देवरबेली वार्ड क्रमांक 7 निवासी सुनीता पिता जीवलाल मरावी ने देवरबेली तलाबटोला केंद्र के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। दोनों अभ्यर्थियों का आरोप है कि प्रारंभ में उन्हें मेरिट सूची में चयनित बताया गया था। इसके बाद उन्हें कार्यालय में बुलाया गया, जहां उनसे चयन प्रक्रिया आगे बढ़ाने के नाम पर 1 लाख 50 हजार रुपये की मांग की गई। अभ्यर्थियों के अनुसार बाद में यह रकम 25 हजार रुपये कम कर 1 लाख 25 हजार रुपये करने की बात कही गई। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने इतनी बड़ी रकम देने से इनकार कर दिया। इसके बाद उन्हें भर्ती प्रक्रिया में उन्हें अपात्र घोषित कर दिया गया। इस कथित अनियमितता के विरोध में दोनों अभ्यर्थी 12 मार्च को जिला मुख्यालय पहुंचीं और कलेक्टर कार्यालय में आवेदन देकर पूरे मामले की जांच की मांग की। इस दौरान समाज के प्रतिनिधि के रूप में पहुंचे शुभम उइके ने भी प्रशासन के समक्ष अपनी बात रखते हुए कहा कि एक ओर सरकार बैगा और अन्य आदिवासी समुदायों को सम्मान और संरक्षण देने की बात करती है, दूसरी ओर नौकरी दिलाने के नाम पर उनसे भारी रकम की मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर आदिवासी युवाओं के लिए इस प्रकार की स्थिति बेहद चिंताजनक है। शुभम उइके ने यह भी सवाल उठाया कि यदि अभ्यर्थियों को पहले मेरिट सूची में होने की जानकारी दी गई थी और परियोजना कार्यालय से उन्हें फोन कर बुलाया गया था, तो बाद में उन्हें अपात्र क्यों घोषित किया गया। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी गई है - दीपमाला मंगोतिया

इस मामले को लेकर जब दीपमाला मंगोतिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग से दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि 12 मार्च की शाम उन्हें इस मामले की जानकारी प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों से शिकायत प्राप्त कर ली गई है और ऑनलाइन माध्यम से पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी गई है। जांच पूरी होने के बाद ही इस मामले में आगे की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 16 से

नक्सली हमले में शहीद हुए सब इंस्पेक्टर स्वर्गीय आशीष शर्मा की याद में 30 मार्च तक होगा आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ एवं बालाघाट जिला फुटबाल संघ के तत्वाधान में अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।नक्सली हमले में शहीद हुए सब इंस्पेक्टर स्वर्गीय आशीष शर्मा की याद में 16 से 30 मार्च तक आयोजित इस प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेश की करीब 8 टीमें शामिल होंगी।जो नगर के मुलना स्टेडियम में अपने पैरों का जादू दिखाऐगी। जिसकी तमाम जानकारी गुरुवार को जिला फुटबाल संघ के अध्यक्ष गौरव सिंह पारधी के मार्गदर्शन में

आयोजित एक बैठक में पदाधिकारियों द्वारा दी गई ।आयोजित बेठक के दौरान पदाधिकारियों ने बताया कि 16 मार्च से नगर के मुलना स्टेडियम में आयोजित इस प्रदेश स्तरीय अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता में अंडर 15 बॉयस खिलाड़ी शामिल होंगे।जिनमे मदन महाराज भोपाल, लायंस क्लब जबलपुर, लॉयल वेव्स रायसेन, नर्मदा वैली मंडला, सतना सोल्जर सतना, वॉइस फुटबॉल क्लब उकवा,द डायमंड रॉक फुटबॉल अकैडमी बालाघाट की टीम भाग लेगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष रमेश रंगलानी ने की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में खिलाड़ियों को रुकवाने से लेकर खेल के मैदान तक की व्यवस्थाओं के बारे में सर्वसम्मति से निर्णय पास किया गया।इस अवसर पर आयोजन समिति कोषाध्यक्ष अभय सेठिया, वरिष्ठ सदस्य सुभाष गुप्ता , गोपाल आडवाणी, संदीप नेमा, श्री आडवाणी, सुनील यादव, गणेश अग्रवाल, विशाल मंगलानी, डॉ अक्षय कटरे, दिलीप राजपूत, पूनम अखिलेश,श्री खोबरागड़े, समाजसेवी श्री डोंगरे, दीपक जैन सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य व खेल प्रेमी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पानी टंकी के नीचे मरे हुए जानवर रख रही नपा, क्षेत्र में फैली बदबू

जिला चिकित्सालय और आसपास के इलाकों में रहवासियों का जीना मुश्किल, नपा. की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर की बूढ़ी पानी टंकी और जिला चिकित्सालय के पास रहने वाले लोगों ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। रहवासियों का कहना है कि पानी टंकी के नीचे से मरे हुए जानवरों की तेज बदबू आने के कारण क्षेत्र में रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार नगर पालिका द्वारा कभी पानी टंकी के नीचे कचरा जमा कर दिया जाता है तो कभी मरे हुए जानवरों को ले जाने वाले वाहनों को खड़ा कर दिया जाता है। इसके कारण पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैल जाती है और आसपास रहने वाले लोगों के साथ ही राहगीरों को भी दिक्कत होती है। रहवासियों ने बताया कि इसी पानी टंकी से पूरे इलाके में पेयजल की आपूर्ति की जाती है। पास में जिला चिकित्सालय और ट्रामा सेंटर भी स्थित है, जहां नवजात शिशुओं का जन्म होता है और बड़ी संख्या में मरीजों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे संवेदनशील स्थान के पास कचरा और मरे हुए जानवरों को रखना संक्रमण फैलने की आशंका को बढ़ा सकता है।

नगर के रहवासी क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर एक बार फिर नगर पालिका की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका के कर्मचारी शहर का कचरा और मरे हुए पशुओं को ले जाने वाले वाहन को बूढ़ी पानी टंकी के नीचे खड़ा कर देते हैं, जिससे आसपास के क्षेत्र में दुर्गंध फैलती रहती है। वार्डवासियों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब इस तरह की लापरवाही सामने आई हो।इससे पहले भी नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा बूढ़ी पानी टंकी के नीचे शहर का कचरा लाकर जमा कर दिया गया था। 12 मार्च को एक बार फिर यहां ऐसी स्थिति देखने को मिली, जिसके बाद स्थानीय निवासियों ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह से ही बूढ़ी पानी टंकी के आसपास मरे हुए जानवरों की तेज बदबू फैल रही थी। यह पूरा क्षेत्र घनी आबादी वाला है, जहां पास ही जिला चिकित्सालय, पानी की टंकी, छोटे होटल-दुकानें और कई मकान स्थित हैं। इसी पानी टंकी से शहर के कई हिस्सों में पेयजल की सप्लाई भी की जाती है। ऐसे में इस तरह की दुर्गंध और गंदगी से संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी रहती है।

क्षेत्र में लगातार बदबू फैलती रहती है - चंद्रसिंह

वार्ड निवासी चंद्रसिंह बैस ने बताया कि नगर पालिका के कर्मचारी अक्सर मरे हुए जानवरों को ले जाने वाले वाहन को पानी टंकी के नीचे लाकर खड़ा कर देते हैं। कई बार वाहन में मृत पशु भी पड़े रहते हैं, जिससे आसपास के क्षेत्र में लगातार बदबू फैलती रहती है। उन्होंने कहा कि रहवासी इलाके में इस तरह की गतिविधियां नहीं होनी चाहिए।

सुबह से ही पानी टंकी के नीचे से बदबू आ रही थी - योगेश

एक अन्य वार्डवासी योगेश बाहे ने बताया कि सुबह से ही पानी टंकी के नीचे से बदबू आ रही थी। यहां मरे हुए मवेशियों को ले जाने वाला वाहन खड़ा था और उसके नीचे मृत जानवरों के कुछ अवशेष भी गिरे हुए थे, जिससे स्थिति और खराब हो गई। उनका कहना है कि नगर पालिका को इस तरह की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देना चाहिए, क्योंकि यह पूरा इलाका रहवासी क्षेत्र है और यहां लोगों का आना-जाना लगा रहता है। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि नगर पालिका को शहर के बाहर ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए जहां मरे हुए जानवरों को ले जाने वाले वाहन और कचरा वाहनों को रखा जा सके। लेकिन इसके बावजूद बार-बार वही गलती दोहराई जा रही है। वार्डवासियों ने आशंका जताई कि यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो यहां कभी भी संक्रमण फैलने का खतरा पैदा हो सकता है, क्योंकि पानी की टंकी भी इसी स्थान के पास स्थित है और यहीं से विभिन्न वार्डों में पानी की आपूर्ति की जाती है।

जल्द ही साफ-सफाई कराई जाएगी - अजय पटले

इस मामले में नगर पालिका में स्वच्छता कार्य देख रहे अजय पटले ने कहा कि उन्हें इस संबंध में अभी जानकारी नहीं थी। हालांकि उन्होंने आश्वासन दिया कि पानी टंकी के नीचे जल्द ही साफ-सफाई कराई जाएगी और वहां कीटनाशक पाउडर का छिड़काव भी कराया जाएगा। साथ ही नगर पालिका द्वारा वहां उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

शहर में हिंदू नववर्ष और श्रीराम जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू

संकटमोचन हनुमान मंदिर में हुई बैठक, भव्य आयोजन के लिये बनाई गयी रणनीति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हिंदू नववर्ष के स्वागत और भगवान श्रीराम के जन्म महोत्सव को उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ धार्मिक वातावरण में मनाने के लिए जिले में तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। इस आयोजन को भव्य रूप देने और शहरवाशियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को यातायात थाना के सामने स्थित प्राचीन संकट मोचन हनुमान मंदिर में बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन पुराना श्रीराम मंदिर ट्रस्ट और विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान समाज के विभिन्न वर्गों, संगठनों, राजनीतिक दलों और व्यापारी वर्ग से जुड़े लोगों की उपस्थिति रही।

हिंदू नववर्ष के अवसर पर भगवान श्रीराम जन्म महोत्सव को लेकर जिले में भव्य धार्मिक कार्यक्रमों की तैयारी शुरू हो गई है। इस संबंध में आयोजित बैठक में विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष यज्ञेश लालु चावड़ा ने कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 19 मार्च से श्रीराम जन्म महोत्सव की शुरुआत की जाएगी, जो कई दिनों तक विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 19 मार्च को हिंदू नववर्ष के शुभ अवसर पर एक विशाल मोटरसाइकिल रैली निकाली जाएगी। यह रैली स्थानीय उत्कृष्ट मैदान से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों से गुजरते हुए पूरे शहर का भ्रमण करेगी और पुन: प्रारंभ स्थल पर पहुंचकर समाप्त होगी। इस रैली के माध्यम से शहर में धार्मिक वातावरण का संदेश दिया जाएगा और अधिक से अधिक लोगों को महोत्सव से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। महोत्सव के तहत 21 और 22 मार्च को जिला मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों पर भगवान की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी, जहां श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे और पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद 23 मार्च को शाम 6 बजे से आंबेडकर चौक पर संगीतमय 21 हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम की प्रस्तुति स्वधारा म्यूजिकल ग्रुप द्वारा दी जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर भक्ति में लीन होंगे। इसी क्रम में 24 मार्च को शाम 7 बजे से आंबेडकर चौक पर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। यह प्रस्तुति राजनांदगांव तालछापर के प्रसिद्ध गायक गणेश मिश्रा द्वारा दी जाएगी, जिसमें भक्ति संगीत के माध्यम से भगवान श्रीराम की महिमा का गुणगान किया जाएगा। 25 मार्च को शाम 7 बजे से आंबेडकर चौक पर भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन की प्रस्तुति गणेश उत्सव समिति अयोध्या नगर सिवनी द्वारा की जाएगी। महाआरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर भगवान श्रीराम की आराधना करेंगे और पूरे क्षेत्र में भक्ति का माहौल दिखाई देगा। महोत्सव के अंतिम दिन 26 मार्च को भव्य और दिव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो पुराना श्रीराम मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। इस शोभायात्रा में भगवान श्रीराम, माता सीता और भगवान लक्ष्मण की जीवंत झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके अलावा बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से आने वाले डमरू वादक दल तथा छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव से आने वाली आकर्षक झांकियां भी शोभायात्रा की शोभा बढ़ाएंगी।

अवैध रूप से संचालित भव्या पैथोलॉजी लैब की गई सील

लैब संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बालाघाट जिले की बिरसा तहसील में अवैध रूप से संचालित भव्या पैथोलॉजी लैब एवं एडवांस पैथोलॉजी लैब कलेक्शन सेंटर को बंद करते हुए पैथोलॉजी के संचालक ढालसिंह चौधरी को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिन के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उपलप ने बताया कि जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. रित्विक पटेल के नेतृत्व में गठित जांच दल ने 8 मार्च 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरसा के पास दुर्गा मंदिर कॉम्प्लेक्स, वार्ड क्रमांक 21 में स्थित उक्त पैथोलॉजी लैब का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि लैब का संचालन ढालसिंह चौधरी द्वारा किया जा रहा है, जबकि मौके पर वे स्वयं उपस्थित नहीं थे। लैब में केवल दो प्रशिक्षणार्थी मौजूद मिलीं, जिन्होंने बताया कि संचालक की योग्यता डीएमएलटी है, लेकिन निरीक्षण के दौरान उनकी शैक्षणिक योग्यता या मध्यप्रदेश पैरामेडिकल काउंसिल में पंजीयन से संबंधित कोई प्रमाण-पत्र प्रदर्शित नहीं पाया गया।

जांच के दौरान यह भी पाया गया कि लैब में डॉ. विकास बिसेन की एमबीबीएस एवं अस्थि रोग से संबंधित डिग्री की प्रति प्रदर्शित थी, जबकि उनके द्वारा यहां सेवाएं देने संबंधी कोई अनुबंध या सहमति पत्र उपलब्ध नहीं मिला। साथ ही लैब के बाहर एडवांस पैथोलॉजी लैब के कलेक्शन सेंटर का बोर्ड लगा पाया गया, लेकिन इसके संबंध में भी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। निरीक्षण में लैब के भीतर सीबीसी मशीन, बायोकेमिकल एनालाइजर, सेंट्रीफ्यूज मशीन, कंप्यूटर, प्रिंटर सहित विभिन्न जांच उपकरण तथा कई प्रकार की टेस्ट किट और रिएजेंट भी पाए गए। इसके अलावा लैब से निकलने वाले बायो-मेडिकल वेस्ट को परिसर के पीछे खुले में जलाकर नष्ट किया जाना पाया गया, जो निर्धारित नियमों के विपरीत है।

डॉ. उपलप ने बताया कि नियमों के अनुसार पैथोलॉजी परीक्षण की रिपोर्टिंग केवल वही व्यक्ति कर सकता है, जिसके पास पैथोलॉजी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि या डिप्लोमा हो तथा जो मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान परिषद में विधिवत पंजीकृत हो। निरीक्षण के दौरान इन प्रावधानों का पालन नहीं पाए जाने पर जांच दल ने जनहित में निर्णय लेते हुए भव्या पैथोलॉजी लैब एवं एडवांस पैथोलॉजी लैब कलेक्शन सेंटर को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। प्रशासन द्वारा संचालक को नोटिस जारी कर निर्देशित किया गया है कि वह सात दिवस के भीतर अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करें। निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

विद्यांजली अभियान के तहत गोद ली गई शालाओं का भ्रमण

कनाडा से आए दंपत्ति ने बच्चों के साथ बिताया प्रेरणादायी समय

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल के रूप में चल रहे विद्यांजली अभियान को नई ऊर्जा मिल रही है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा की पहल और अभिनव सोच के तहत जिले में समाज के विभिन्न वर्गों को विद्यालयों से जोड़ते हुए शालाओं के विकास की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिले के व्यापारी, समाजसेवी और जागरूक नागरिक विशेष रूप से पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की शालाओं को स्वेच्छा से गोद लेकर उनके शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने में सहयोग दे रहे हैं। इसी क्रम में आज कनाडा से आए लखविंदर सिंह बाई ने अपने परिवार के साथ लामता क्षेत्र की प्राथमिक शाला हिरमुटोला और प्राथमिक शाला टकाबर्रा का भ्रमण किया। ये दोनों शालाएं विद्यांजली कार्यक्रम के अंतर्गत गोद ली गई हैं। भ्रमण के दौरान उन्होंने विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया और विद्यार्थियों के साथ आत्मीयता से समय बिताया। श्री सिंह ने बच्चों से संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, रुचियों और भविष्य के सपनों के बारे में जाना तथा उन्हें मेहनत और लगन से शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा

ही वह माध्यम है जो बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा सकती है। साथ ही विद्यालयों के शैक्षणिक वातावरण को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर सहयोग देने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।विद्यांजली अभियान के माध्यम से समाज के जागरूक नागरिकों और संस्थाओं को विद्यालयों से जोड़कर विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इस पहल से विशेष रूप से दूरस्थ एवं पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के नए अवसर मिल रहे हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत हो रही है।यह पहल न केवल शिक्षा को सशक्त बना रही है।बल्कि समाज और विद्यालयों के बीच एक सकारात्मक सहभागिता का भी उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

लालबर्रा-टेंगनीकला मार्ग हुआ बेपटरी, उदासीटोला नाले के पास मंडरा रहा मौत का साया

प्रशासनिक अनदेखी, सड़क के किनारे से पटरी गायब, राहगीर जान जोखिम में डालकर आवागमन करने मजबूर

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

ग्रामीण एवं राहगीरों ने पटरी में मुरूम डलवाने, मिट्टी कटाव रोकने रिटर्निंगवॉल का निर्माण करवाने की प्रशासन से की मांग

क्षेत्र के मुख्य मार्गों में शुमार लालबर्रा से टेंगनीकला पहुंच मार्ग इन दिनों राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है। इस मार्ग के उदासीटोला नाले के समीप सड़क की स्थिति इतनी जर्जर हो चुकी है कि सड़क से पटरी पूरी तरह गायब हो गई है। पटरी न होने के कारण यह व्यस्तम मार्ग अब बेपटरी नजर आ रहा है, जिससे यहां हर समय किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है क्योंकि नाले से कुछ दुर खेतों का पानी के लिए बड़ी नाली बनी हुई है जिसके किनारे की पुरी मिट्टी धसक चुकी है। जिसके कारण सड़क किनारे से करीब 5 से 6 फीट गहरा गड्डा बना हुआ है लेकिन दुर से दिखाई नही देता है। अगर कोई बड़ा वाहन गुजरते समय दुपहिया वाहन साइड में लेते है तो उनका वाहन अनियंत्रित होकर सीधे गड्डे एवं झाड़ियों में जा सकती है जिससे बडा हादसा घटित हो सकता है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजनों एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से उदासीटोला नाले के समीप रोड़ किनारे की धसक चुकी पटरी का जल्द मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

बड़ी दुर्घटना होने की बनी संभावना, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि लालबर्रा से टेंगनीकला पहुंच मार्ग का निर्माण के साथ ही उदासीटोला नाले के ऊपर पुल का निर्माण किया गया है और इस मार्ग से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन आवागमन करते है। वहीं उदासीटोला नाले के आगे सड़क की मोड़ाई में सड़क की पटरी किनारे से बरसात के समय में खेतों के पानी निकासी के लिए क'ची नाली बनी हुई है। जिससे पानी बहकर नाले में आता है लेकिन सड़ककिनारे की पटरी धसक चुकी है और गहरा गड्डा किनारे में बन चुका है। लेकिन झाड़ियों के कारण वह दुर से दिखाई नही देता है जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन इस समस्या की ओर जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि यह मार्ग दर्जनों गांवों को आपस में जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण और व्यस्तम मार्ग है। यही मार्ग आगे जाम होते हुए मंडला-नैनपुर मार्ग में जाकर मिलता है, जिसके कारण यहां छोटे-बड़े वाहनों का दबाव निरंतर बना रहता है। समस्या तब विकराल हो जाती है जब नाले के संकरे हिस्से पर सामने से कोई भारी वाहन (बस या ट्रक) आ जाता है तो सड़क के किनारे पटरी (शोल्डर) न होने के कारण छोटे वाहन चालकों के पास किनारे होने की जगह नहीं बचती, ऐसे में संतुलन बिगड़ने पर सीधे नाले में गिरने का डर बना रहता है। वहीं पूर्व में भी यहां कई छोटी-मोटी दुर्घटनाएं घटित हो चुकी हैं, लेकिन प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है। आगे बताया कि बारिश और उचित रखरखाव के अभाव में नाले के समीप की मिट्टी लगातार कट रही है। सुरक्षा घेरा या रिटर्निंग वॉल न होने से सड़क का किनारा पूरी तरह खोखला हो चुका है। समय रहते इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में सड़क का बड़ा हिस्सा सड़क के नीचे की मिट्टी धसक्सकती है। वहीं वर्तमान में वैवाहिक कार्यक्रमों का दौर जारी है और लोग रात्रि के समय इस मार्ग से परिवार के साथ दुपहिया, चौपहिया वाहन में आवागमन कर रहे। लेकिन उदासीटोला नाले के समीप सड़क किनारे की पटरी गायब हो जाने एवं नीचे करीब 5 से 6 फीट कर गहरा गड्डा बन जाने से हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। वहीं मोड़ाई होने के कारण भी आवागमन में परेशानी होती है। इसलिए सड़क विभाग से मांग है कि नाले के समीप मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए पक्की रिटर्निंगवॉल निर्माण, सड़क के दोनों ओर गायब हो चुकी पटरी (शोल्डर्स) को मुरम डालकर दुरूस्त करने और मोड़ व नाले के पास दुर्घटना संभावित क्षेत्र के समीप चेतावनी बोर्ड लगाये जाने एवं झाडियों की सफाई करवाने की मांग की है।

कभी भी घटित हो सकती है बड़ी दुर्घटना - चावके

राहगीर चतरूलाल चावके ने बताया कि लालबर्रा से टेंगनीकला पहुंच मार्ग स्थित उदासीटोला नाले के समीप सड़क की स्थिति बेहद खतरनाक हो चुकी है। सड़क के किनारे की पूरी मिट्टी धसक कर नाले में जा चुकी है। यदि कोई वाहन चालक थोड़ा भी किनारे से निकलने की कोशिश करता है, वह अनियंत्रित होकर वाहन सहित बड़ी नाली में गिर सकता है। साथ ही यह भी बताया कि आवागमन के दौरान दूर से देखने पर इस कटाव का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं होता। जबकि वर्तमान में वैवाहिक कार्यक्रमों का दौर चल रहा है जिससे बड़ी संख्या में राहगीर इस मार्ग से आवागमन करते है और रात्रि के समय आवागमन बढने से यहां कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। प्रशासन से मांग है कि वे इस पटरी को व्यवस्थित करे जिससे आवागमन में सुविधा हो सके।

संबंधित विभाग नहीं दे रहा है ध्यान - अरूण

जनपद सदस्य प्रतिनिधि अरूणकुमार गौतम ने बताया कि खेतों से आने वाले पानी के बहाव के कारण उदासीटोला नाले के समीप सड़क के किनारे नाली नुमा गहरी खाई बन गई है, जिससे राहगीरों को आवागमन में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और यह कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित होने का डर बना रहता है। जबकि इस समस्या से संबंधित विभाग को अनेक बार अवगत करवा दिया गया है परंतु उनके द्वारा भी इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। श्री गौतम ने बताया कि जबकि इस मार्ग से दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन आवागमन करते है, अगर उक्त स्थान से चौपहिया वाहन गुजरता है और दुसरे साइड में आने-जाने वाले पटरी समझकर वाहन किनारे में लेते है तो वे सीधे नीचे गड्डे में गिर सकते है। इसलिए सड़क विभाग से मांग है कि इस समस्या को संज्ञान में ले और तत्काल मरम्मत कार्य करवाये ताकि आवागमन में परेशानी न हो।

अज्ञात वाहन की टक्कर से विद्युत पोल क्षतिग्रस्त, टला बड़ा हादसा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित थाने के पीछे, राममंदिर के पास शासकीय कन्या माध्यमिक शाला के समीप बीती रात्रि एकअज्ञात चौपहिया वाहन ने सड़क किनारे लगे विद्युत पोल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि विद्युत पोल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और उससे जुड़े हाई वोल्टेज तार टूटकर गिर गये। वहीं घटना देर रात की थी और सड़क पर आवाजाही नहीं थी जिसके कारण किसी प्रकार की बडी जनहानि नही हुई। अगर दिन में विद्युत पोल क्षतिग्रस्त एवं तार टुटते तो बहुत बडा हादसा घटित हो सकता था। बताया जा रहा है कि यह घटना रात करीब 3 से 4 बजे के बीच की है, जिस समय निवासरत गहरी नींद में थे, जैसे ही कुछ टकराने एवं विद्युत गुल हुई तो लोग उठकर देखे तो विद्युत पोल क्षतिग्रस्त दिखाई दिया और तार टुट हुए थे। जिसके बाद स्थानीय नागरिकों ने तत्काल विद्युत विभाग को सूचित किया। वहीं विभाग ने बिना देरी किये क्षेत्र की बिजली सप्लाई बंद करवाई, जिससे करंट फैलने का खतरा टल गया। यदि समय रहते सप्लाई बंद नहीं होती, तो क्षेत्र में कोई गंभीर दुर्घटना घटित हो सकती थी। साथ ही विद्युत पोल क्षतिग्रस्त और तार टुट जाने के कारण राम मंदिर एवं स्कूल के समीप निवासरत परिवारों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सुबह से लेकर दोपहर करीब 3 बजे तक क्षेत्र की बिजली गुल रही, जिससे लोगों के दैनिक कार्य प्रभावित हुए। दोपहर में विद्युत विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त पोल को हटाया और उसके स्थान पर नया पोल स्थापित कर तारों को दुरूस्त किया। जिसके बाद बिजली सप्लाई प्रदान की गई तब जाकर स्थानीय रहवासियों ने राहत की सांस ली।

सीसीटीवी के अभाव में वाहन का पता नहीं

स्थानीय लोगों के अनुसार राम मंदिर, स्कूल के समीप विद्युत पोल को अज्ञात चौपहिया वाहन ने रात्रि में टक्कर मार दी थी। जिससे विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हो चुका था। साथ ही यह घटना रात के अंधेरे में हुई और घटना स्थल के समीप निवासरत लोगों के घरों के बाहर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे होने के कारण टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान नहीं हो सकी है। फिलहाल विद्युत विभाग ने अपनी व्यवस्थाएं सुचारू कर दी हैं, लेकिन अज्ञात वाहन चालक की लापरवाही को लेकर क्षेत्र में चर्चा बनी हुई है।

नेवरगांव ला. में एक दिवसीय क्षमता वृध्दि प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 9 किमी. दूर ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. में गुरूवार को जन अभियान परिषद के सेक्टर स्तरीय ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय क्षमता वृध्दि प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नेवरगांव ला. सरपंच संतोष पंचेश्वर के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ हुआ, जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस दौरान देश भक्ति गीत एवं स्वागत गीत नवांकुर सखियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस एक दिवसीय क्षमता वृध्दि प्रशिक्षण कार्यक्रम में टेकाड़ी, देवगांव ,धारावासी, कंजई और खुरपुड़ी ग्राम के प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी व सदस्यगणों को आवश्यक जानकारियां दी गई। इस प्रशिक्षण में कुल चार सत्र हुए जिसमें प्रथम सत्र में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उद्देश्य, अवधारणा एवं परिषद की योजनाएं विषय पर जानकारी प्रदान की गई। दूसरे सत्र में सामुदायिक नेतृत्व विकास (मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम) पर जानकारी प्रदान की। तीसरे सत्र में स्वयंसेवी संस्थाओं का गठन एवं प्रबंधन विषय पर सत्र लिया। वहीं अंतिम सत्र में प्रस्फुटन समितियों का दस्तावेजीकरण विषय पर जानकारी दी गई। वहीं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरपंच संतोष पंचेश्वर ने कहा कि यह प्रशिक्षण ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के लिए क्षमता वृध्दि का कार्य करेगा और इससे ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियां अपने ग्राम में स्वें छा के भाव से अच्छे से कार्य कर पायेगी। वहीं कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों के अतिथि के हस्ते प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम जिला समन्वयक सुशील बर्मन एवं ब्लॉक समन्वयक श्रीमती बैजंती कटरे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से चैनलाल चौधरी, दामेन्द्रप्रसाद हरिनखेड़े, संतोष शांडिल्य, महेश कावरे, जीवन गाड़ेश्वर, सेवकराम तुरकर, शारदा हनवत, सावित्री बाहेश्वर, त्रिवेणी चौधरी, अनीता बिसेन, गायत्री पंचेश्वर, रूपलता रहांगडाले, खुशबू उईके, राखी कंगाली, कल्पना पंचेश्वर, महिमा बिसेन, जय कटरे, कैलाश मात्ते, गुलाब तुरकर, खगलाल हरदे, अनुशील कुराहा, राजेंद्र कुराहा, प्रेमवती इनवाती, सलभ सराठे, राजेंद्र कोकोटे, विनीता इनवाती, अनीता टेंभरे, नेतलाल मरठे, हरिराम बावनकर सहित अन्य उपस्थित रहे।

नगर में जगह जगह हुआ रोजा इफ्तार कार्यक्रम

साबरी मस्जिद में बड़ी संख्या में रोजेदारों ने की इफ्तारी, नमाज अदा कर मांगी अमन-चैन की दुवाए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रमजान के पवित्र महीने में उपनगरी क्षेत्र बूढ़ी में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रोजा इफ्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कौमी एकता और भाईचारे का संदेश देते हुए यह आयोजन साबरी मस्जिद में संपन्न हुआ, जहां बड़ी संख्या में रोजेदारों और स्थानीय लोगों ने पहुंचकर इफ्तारी में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष अनिल सोनी द्वारा किया गया। रमजान के इस पवित्र अवसर पर सबसे पहले रोजेदारों को इफ्तारी कराई गई, जिसके बाद सामूहिक रूप से नमाज अदा की गई और शहर की सुख-समृद्धि, खुशहाली तथा सभी की सलामती के लिए दुआएं मांगी गईं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी देखने को मिली। आयोजक अनिल सोनी ने बताया कि वे प्रतिवर्ष रमजान के महीने में बूढ़ी स्थित साबरी मस्जिद में रोजा इफ्तार कार्यक्रम आयोजित करते हैं और इसी परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी रोजेदार भाइयों के लिए इफ्तारी की व्यवस्था की गई। उनका कहना है कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी भाईचारा और सौहार्द को मजबूत करने का कार्य करते हैं।साबरी मस्जिद में आयोजित इस रोजा ईफ्तार कार्यक्रम में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, श्रीमती गीता शर्मा, अर्चना सोनी, अनिल सोनी,रहीम ख़ान राजेश ठाकुर, अशुतोष डहेरवाल, जीतू बर्वे, शमीम सिद्दीकी, सब्बीर ख़ान ,निर्मला ताक्सांडे, उर्मिला सरवरे,और विजय अग्रवाल सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कौशल ट्रेवल्स में भी हुआ रोजा इफ्तार

इसी क्रम में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर के बस स्टैंड स्थित स्थानीय कौशल ट्रेवल्स में भी रोजा इफ्तार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोजेदारो के अलावा अन्य लोग भी शामिल हुए। इफ्तारी के बाद रोजेदारों ने नमाज अदा की और जिले सहित पूरे देश में अमन-शांति और भाईचारे के लिए दुआएं मांगीं। इस संबंध में श्याम कौशल ने बताया कि वे कई वर्षों से रमजान के पवित्र महीने में रोजेदार भाइयों के लिए इफ्तारी का आयोजन करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से रोजा रखने वाले भाइयों को इफ्तारी कराई जाती है और ट्रेवल्स परिसर में ही नमाज अदा करने की व्यवस्था भी की जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सौहार्द और एकता का संदेश जाता है।

बसपा का जयंती समारोह एवं विचार संगोष्टी15 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के सरस्वती मैदान में बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में आगामी 15 मार्च को प्रात: 11 बजे से सामाजिक परिवर्तन के महानायक बामसेफ, डीएस 4 बसपा के संस्थापक बहुजन नायक साहब कांशीराम जी के 92 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जोन स्तरीय जयंती समारोह एवं विचार संगोष्टी का आयोजन किया गया है। चर्चा में विधानसभा प्रभारी खेमराज हरिनखेड़े ने बताया कि सामाजिक परिवर्तन के महानायक बामसेफ, डीएस 4 बसपा के संस्थापक बहुजन नायक साहब कांशीराम जी के 92 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जोन स्तरीय जयंती समारोह एवं विचार संगोष्टी का आयोजन 15 मार्च को प्रात: 11 बजे से लालबर्रा के माँ सरस्वती मैदान में आयोजित किया गया है। उक्त कार्यक्रम बसपा के मुख्य जोन प्रभारी कमलेश बौध्द जी के मुख्य आतिथ्य, बसपा जिलाध्यक्ष इंजी महेन्द्र जी की अध्यक्षता एवं मुख्य जोन प्रभारी सचिन फूलचंद जी के विशिष्ट आतिथ्य, बसपा के पूर्व प्रदेश प्रभारी बालकिशन चौधरी, बालाघाट जोन प्रभारी उमाकांत बंदेवार, ज्ञानेश्वर गजभिये, अजाब शास्त्री, जबलपुर जोन प्रभारी रामजी सतनामी, शिवकुमार वर्मा के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर विचार संगोष्टी के माध्यम से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील पूर्व जिला प्रभारी दुर्गेश बिसेन, दीपक मेश्राम, मंडला पूर्व जिला प्रभारी इंदरसिंह उइके, उत्तम जाटव, डोमनलाल अहिरवार, तामसिंह परते, अंसर अहमद, रमेश नागले, राकेश चौकीदार, राकेश चौधरी, मानकलाल गोंटिया, लालसिंह गौतम, प्रेमनारायण जाटव, मानिक वानखेड़े, श्रीमती पमिता दिलावर, सीताराम कटारे, राजेन्द्र साहू, लालसिंह नंदोरे, लखन अहिरवार, आरके चौधरी, प्रतापसिंह आर्मो, ठाकुर त्रिविक्रम इड़पाची, गिरवर टेटवाल, जीआर पटेल, अशोक गजभिये, विधानसभा प्रभारी खेमलाल हरिनखेड़े सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

महाराजपुर पुलिया पर निकली सरियां रेलिंग क्षतिग्रस्त

राहगीरो ने भविष्य में बडी दुर्घटना की संभावना पर मरम्मत करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरगांव के ग्राम महाराजपुर के पुलियां की जर्जर स्थिति बनी हुई है। मार्ग पर आवागमन कर रहे राहगीर एवं ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है तो वहीं भारी वाहनों की आवाजाही से समस्या बनी हुई है। जहां पर सड़क की सरियां निकालने और रेलिंग बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने से भविष्य में बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जहां मरम्मत को लेकर अनेकों बार ग्रामीणों के द्वारा मांग की जा चुकी है किंतु जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा वर्तमान तक उक्त समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। जिससे स्थिति यथावत बनी हुई है समस्याओं के मध्य लोग परेशानी का सामना करते हुए आवागमन कर रहे हैं। विदित हो कि यह मार्ग वारासिवनी से सीधा डोंगरमाली और आगे महाराष्ट्र राज्य के गोंदिया जिले के लिए निकलता है। डांगोरली पुल निर्माण के बाद मार्ग पर यातायात की स्थिति दोगुनी हो चुकी है। इसी मार्ग पर ग्राम कोस्ते के अंत और ग्राम डोंगरगांव के प्रारंभ में महाराजपुर पुलियां बना हुआ है। जहां से छोटे बड़े सभी प्रकार के माल वाहक यात्री वाहन मोटरसाइकिल निजी वाहन सहित साइकिल से लोग आना जाना करते हैं। इस दौरान सर्वाधिक किसान एवं ग्रामीणों का आना जाना बना रहता है, जहां भारी वाहन आने की स्थिति में उन्हें पुलियां के पहले ही रोकना पड़ता है। क्योंकि पुलियां की रैली टूट चुकी है सड़क पर सरियां बाहर निकला हुआ है और रेलिंग के दोनों तरफ भारी मात्रा में मिट्टी जमा है। जहां छोटे वाहन स्लिप होने के आशंका होती है ऐसे में मोटरसाइकिल साइकिल और पैदल आवागमन करने वालों के लिए दुर्घटना की संभावना बनी हुई है। वहीं पुलियां के दोनों तरफ टर्निंग होने से अचानक ही भारी वाहन सामने आते हैं। जहाँ राहगीरो के द्वारा सड़क के मरम्मत एवं सुरक्षा के लिए लगी रेलिंग की मरम्मत और उसे मजबूत बनाने की मांग की जा रही है।

पुलियां की मरम्मत नहीं होनें से सरियां निकला हुआ है- त्रिवेंद्र राणा

राहगीर त्रिवेंद्र राणा ने बताया कि मैं रामपायली बकोड़ी का रहने वाला है अपने व्यापार संबंधी कार्यों से इस मार्ग से आना जाना करता हूँ। यह सीधा महाराष्ट्र गोंदिया के लिए मार्ग निकलता है ,डांगोरली पुल बनने से यातायात बढ़ गया यह जो रोड़ बना था तो पुलियां की मरम्मत नहीं की गई जहां सरियां निकला हुआ है। यदि डामर सड़क पर चढा दिया जाता तो सरिया दब जाता किंतु यह अभी बाहर दिख रहा है जो कुछ दिनों में लोगों की मोटरसाइकिल या गाडियों के टायर में घुसकर बड़ी दुर्घटना करेगा। यहां रेलिंग भी टूट चुकी है दुर्घटना कब हो जाए इसकी कोई गारंटी तो नहीं है परंतु बड़ा हादसा भी हो सकता है। इस पर अधिकारियों ने ध्यान देकर मरम्मत करना चाहिए।

रेलिंग टूटी हुई है सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है-पोतनलाल मरकाम

किसान पोतनलाल मरकाम ने बताया कि मैं ग्राम कोस्ते का रहने वाला हूं हमारी खेती किसानी यहां पर स्थित है। इसलिए रोजाना मुझे और मेरे परिवार के लोगों को आना जाना करना पड़ता है जहां दिक्कत होती है। क्योंकि गाडियां आती जाती रहती है कई बार परेशानी हो जाती है दुर्घटना का डर बना रहता है। साइकिल तक से आने जाने वाले को यहां पर समस्या है क्योंकि बड़ी गाड़ी आने पर पुलियां के पहले हमें रुकना पड़ता है। रेलिंग के तरफ हम मोटरसाइकिल साइकिल रोक नहीं सकते मिट्टी का अंबार बना हुआ है रेलिंग भी टूटी हुई है सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। जो सड़क है वहां भी ठीक नहीं है इस पुलियां पर रेलिंग को मजबूत कर सुरक्षित बनाना चाहिए। इसके ऊपर की रोड को बनाना चाहिए यहां से छोटी बड़ी सभी प्रकार की गाडियां आती जाती है दिक्कत हमेशा रहती है हिसाब से चलना पड़ता है।

प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ जन्म कल्याणक महोत्सव का हुआ आयोजन

दिगंबर जैन मंदिर में जन्मकल्याणक पर हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के दिगंबर जैन मंदिर में १२ मार्च को दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के तत्वाधान में प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक महोत्सव का आयोजन किया गया। जहां स्वजातीय बंधुओं के द्वारा हर्ष उल्लास के साथ भगवान आदिनाथ का जन्मोत्सव मनाया गया। जिसमें विधि विधान से पूजन अर्चन कर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्री दिगंबर जैन मंदिर में भव्य आदिनाथ जन्म कल्याणक महोत्सव में अनेक मांगलिक धार्मिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व में आचार्य श्री १०८ विद्यासागर महामुनिराज की शिष्य एवं आचार्य श्री १०८ समय सागर के आज्ञानुवर्ती पूज्य मुनि श्री १०८ नीरज सागर एवं मुनि श्री १०८ निर्मद सागर का धर्म नगरी वारासिवनी में आगमन हुआ। उक्त दोनों मुनि की मंगल आगवानी नगर के प्रमुख मार्ग से होते हुए प्रातः ८ बजे नगर के प्रसिद्ध दिगंबर जैन मन्दिर में हुई। सभी सामाजिक जनो ने मार्ग में मुनि संघ के पाद प्रक्षालन किये और आरती उतारी सभी श्रावको के घरों में रँगोली एवं मुख्य चौराहों पर बन्धन द्वार बनाकर बैंड बाजो के के साथ भव्य आगवानी की गयी। मुनि ने जिनालय के दर्शन उपरान्त प्रवचनों में वारासिवनी जिनालय को अतिशय क्षेत्र की संज्ञा देते हुए सभी नगर वासियों को बहुत बहुत आशीर्वाद दिया। वहीं १२ मार्च को आदिम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का मोक्ष कल्याणक एवं तप कल्याणक को भव्य महोत्सव के रूप में मनाया गया। जिसमें प्रातः ७.३० बजे नवीन पाषाण चौबीसी में से प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक किया गया। तत्पश्चात कुण्डलपुर के बडे बाबा आदिनाथ भगवान के विधान का संगीतमय आयोजन हुआ। विधान द्वारा सम्पूर्ण विश्व में शाँति की मङ्गल भवना की गयी। इसमें भगवान जन्म कल्याणक एवं तप कल्याणक के पावन अवसर पर मुनि द्वय के मांगलिक प्रवचन द्वारा सभी धर्म प्रेमी बन्धुओं को आशिष वचन दिये गये। इस अवसर पर सकल समाज के सभी सदस्यों ने इस मांगलिक धार्मिक अनुष्ठान में उपस्थित होकर धर्म लाभ लिया। दिगंबर जैन पँचायत कमेटी के सचिव अंचल जैन ने बताया कि मुनि संघ के पावन सानिध्य में प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का जन्म कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया एवं रात्रि में भक्ति भजन महाआरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। कार्यक्रम में विधानाचार्य एवं संगीतकार पूनमचन्द जैन एवं सन्दीप जैन का सानिध्य प्राप्त हुआ। समाज के नवीन अध्यक्ष आकाश सिंघई ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से विनम्र निवेदन किया है कि सकल जैन समाज के श्रावक जन मुनि संघ के सानिध्य में प्रतिदिन प्रातः ८.३० आचार्य श्री की पूजन एवं मुनि संघ के प्रवचन में अवश्य उपस्थित हो एवं शाम ६ बजे आचार्य भक्ति एवं पाठशाला की कक्षायें लग रही हैं। सभी धार्मिक कार्यक्रमो में सम्मिलित होकर एवं मुनि संघ की चर्या में सहभागी बनकर धर्म लाभ ले।

नेशनल लोक अदालत १४ मार्च को

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रणेश कुमार प्राण व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में १४ मार्च २०२६ दिन शनिवार को जिला न्यायालय बालाघाट एवं अधीनस्थ तहसील न्यायालय वारासिवनी में वर्ष २०२६ की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित प्रकरण जैसे आपराधिक शमनीय प्रकरण, चेक बाउंस प्रकरण, बैंक रिकवरी प्रकरण, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण श्रम प्रकरण, भूमि अधिग्रहण के प्रकरण, विद्युत एवं जलकर, संपत्तिकर संबंधी प्रकरण एवं दीवानी मामले, राजस्व मामले एवं अन्य प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामा के माध्यम से किया जावेगा। नगर पालिका, नगर पंचायतों के प्रकरणों में आपसी राजीनामा के आधार पर एकमुश्त राशि पर अधिभार में नियमानुसार छूट प्रदान की जाती है। इसी प्रकार विद्युत विभाग के प्रकरणों के निराकरण पर भी एकमुश्त भुगतान पर अधिभार की राशि में नियमानुसार छूट प्रदान की जाती है। आपसी राजीनामा से प्रकरणों के निराकरण पर किसी पक्ष की हार नहीं होती, बल्कि दोनों पक्षों में आपसी भाईचारा बढ़ता है, मुकदमेबाजी पर हो रहे समय, श्रम व धन के व्यय की बचत होती है और व्यक्ति तनावमुक्त जीवन का आनंद प्राप्त करता है। ऐसे इच्छुक पक्षकार जो अपने मामले का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से कराना चाहते हैं, वह अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपसी सुलह से संबंधित न्यायालय के प्रकरण का निराकरण करवाकर नेशनल लोक अदालत का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए जिला स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं तहसील स्तर पर तहसील विधिक सेवा समिति, के कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर या मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री नंबर १५१०० पर निःशुल्क कॉल कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

रामपायली पुलिस ने खैर की लकड़ी तस्करी करते एक ट्रक को किया जब्त

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/ रामपायली। क्षेत्र में सक्रिय लकड़ी तस्करों के विरुद्ध पुलिस और वन विभाग ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। रामपायली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर देर शाम घेराबंदी कर बेशकीमती खैर की लकड़ी से लदे एक ट्रक को जब्त किया है। पकड़ी गई लकड़ी वारासिवनी वन परिक्षेत्र के जंगलों से काटकर महाराष्ट्र ले जाई जा रही थी। फिलहाल ट्रक को खैरलांजी वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है जहां आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। बालाघाट जिले की सीमा से लगे महाराष्ट्र के गोंदिया क्षेत्र के लकड़ी तस्करों ने सीमावर्ती गांवों में अपना जाल बिछा रखा है। ये तस्कर रात के अंधेरे में जंगलों से खैर की बेशकीमती लकडियां काटकर तस्करी करते हैं। ११ मार्च की देर शाम करीब ६ बजे रामपायली पुलिस को सूचना मिली कि एक संदिग्ध ट्रक खैर की लकड़ियों के साथ महाराष्ट्र की ओर जा रहा है। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना परिसर के पास ही ट्रक को रोककर तलाशी ली जिसमें बड़ी मात्रा में खैर के लट्ठे पाए गए। खैरलांजी वन परिक्षेत्र की बात करें तो यहां से सबसे अधिक लकड़ी तस्करो का गिरोह चुस्ती और फूर्ति के साथ सक्रिय मिलेगा। लेकिन इसको लेकर जिम्मेदार वन परिक्षेत्र अधिकारी हमेशा सुस्त दिखाई पड़ते है तभी तो इनकी सीमा क्षेत्र पर लगे वन विभाग के जांच नाके में कोई भी रोक टोक और जांच नही होती है।

बिना वैध दस्तावेजों के दौड़ रहा था वाहन

प्राप्त जानकारी के अनुसार पकड़े गए ट्रक क्रमांक एमएच ३५ के १२३९ के बारे में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि यह वाहन सिहोरा महाराष्ट्र का हैं। रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला कि इस ट्रक का इंश्योरेंस और फिटनेस भी समाप्त हो चुका है। बिना वैध दस्तावेजों और बिना रॉयल्टी के इस वाहन का उपयोग तस्करी के लिए किया जा रहा था। पुलिस ने ट्रक को अपनी अभिरक्षा में लेने के बाद खैरलांजी वन विभाग को सूचना दी। वन परिक्षेत्र अधिकारी डी एस वासनिक अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और वाहन को अपने सुपुर्द में लिया। इस कार्रवाई के बाद लकड़ी तस्करों के नेटवर्क में हडकंप मच गया है। जंगलों में अवैध कटाई की शिकायतें लंबे समय से मिल रही थीं। अब वन विभाग इस बात की भी जांच कर रहा है कि इस तस्करी में और कौन कौन से स्थानीय लोग शामिल हैं।

इनका कहना हैं

सूचना मिलते ही हमने रामपायली थाना परिसर पहुंचकर ट्रक को अपनी कस्टडी में ले लिया है। वर्तमान में ट्रक को खैरलांजी वन कार्यालय परिसर में खड़ा कराया गया है। लट्ठो की गिनती और जब्तीनामा तैयार करने के बाद संबंधित आरोपियों पर वन अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डी एस वासनिक
वन परिक्षेत्र अधिकारी खैरलांजी

राष्ट्रीय सेवा योजना अंतर्गत लगा सात दिवसीय विशेष शिविर जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय खैरलांजी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का ७ दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ११ मार्च से १७ मार्च २०२६ तक ग्राम पंचायत घुबड़गोदी में किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ ११ मार्च को घुबड़गोदी ग्राम पंचायत भवन में किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि विश्वेश्वर भगत पूर्व सांसद, वेद प्रकाश कटरे, सुनील राऊत ,सुरेंद्र भगत, विजय सुखदेवे एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य के एल हिवारे की उपस्थिति में शिविर का शुभारंभ कराया गया। शिविर के दुसरे दिन डिजिटल इंडिया राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० विषय पर बौद्धिक चर्चा की गयी । जिसमें मुख्य अतिथि वृन्दावन मीणा एवं राकेश बनोटे ,विशिष्ट अतिथि सत्यवान बघेले, हरवेल सेन्दरे ,विजय सुखदेवे ,देवेन्द्र लिल्हारे तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष डा अब्दुश शमीम उपस्थित रहे। सात दिवसीय विशेष शिविर में प्रतिदिन होने वाले बौद्धिक कार्यक्रमों जैसे डिजिटल इंडिया ,राष्ट्रीय शिक्षा नीति, आत्मनिर्भर भारत एवं योग जागरूकता ,महिला सशक्तिकरण एवं पर्यावरण संरक्षण ,बाल संरक्षण एवं यातायात सुरक्षा, नशा मुक्ति एवं स्वास्थ्य जागरूकता आदि विषयों पर यह विशेष शिविर ७ दिन तक चलेगा। शिविर में कार्यक्रम प्रभारी आर के पांण्डेय, शालिनी मेश्राम, वीरेंद्र पटले, विक्रांत रंधावा, शिखा डहरवाल ,आकाश ,सुनील ,उपेंद्र भगत, सुनील रावत ,जी ए बिसेन, थान सिंह भगत सहित स्वयंसेवक और छात्र.छात्राएं उपस्थित रहे।

शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी की प्राची उइके राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट परीक्षा में हुई चयनित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी विकासखंड अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी की कक्षा ८ वीं की छात्रा कु प्राची उइके ने राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट परीक्षा २०२६ उत्तीर्ण कर छात्रवृत्ति हेतु पात्रता हासिल कर ली है। शाला के शिक्षक धन्नालाल बिसेन ने जानकारी देते हुये बताया कि इस परीक्षा में चयनित होने पर कक्षा ९ से १२ तक प्रतिवर्ष १२००० रुपये वार्षिक छात्रवृति प्रदान की जाती हैं। विगत ३ वर्षों से स्कूल से छात्र छात्राएं इस परीक्षा में चयनित हो रहे हैं। इस हेतु शाला में अतिरिक्त कक्षाएं लगाई जाती हैं। छात्रा की इस उपलब्धि पर शाला प्रमुख सविता रिनायत ,शिक्षक रूपसिंह उईके और धन्नालाल बिसेन से छात्रा की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

गणेश बानेवार पर छेडछाड़ का अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ७ वर्षीय नाबालिक के द्वारा गणेश बानेवार पर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाते हुए पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है जिसे शुक्रवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार ७ वर्षीय नाबालिक बच्चे स्कूल से वापस आ रही थी तभी गणेश बानेवार उम्र ४२ वर्ष के द्वारा नाबालिक को अपने घर लाकर गलत नीयत से छेड़छाड़ करने लगा। घटना की जानकारी नाबालिक के द्वारा अपने परिजनों को दी गई जिन्होंने पुलिस थाने में आकर घटना की शिकायत की है। पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता एवं पक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। तो वहीं घटना की जानकारी पर आरोपी गणेश बानेवार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बदलता नेपाल-बालेन शाह का उभार और भारत के लिए कूटनीतिक संदेश

नेपाल की राजनीति आज एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहाँ पुरानी पीढ़ी का सूर्यास्त और एक नई, तकनीक-प्रेमी युवा पीढ़ी का उदय साफ देखा जा सकता है। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह यानी बालेन शाह का जिस तरह से पूरे नेपाल में प्रभाव बढ़ा है, उसने न केवल वहां के पारंपरिक राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी है, बल्कि दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है। नेपाल की जनता, विशेषकर युवा वर्ग, अब शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और प्रचंड जैसे पुराने चेहरों के सिंडिकेट राज से ऊब चुका है। बालेन शाह की बढ़ती लोकप्रियता केवल एक व्यक्ति की जीत नहीं है, बल्कि यह नेपाल की उस व्यवस्था के खिलाफ एक जनाक्रोश है, जो दशकों से भ्रष्टाचार और अस्थिरता की शिकार रही है। इस बदलाव की पृष्ठभूमि में पिछले कुछ समय से चल रहे जन-आंदोलन और सोशल मीडिया की ताकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नेपाल का युवा अब रोजगार, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पारदर्शी प्रशासन चाहता है। बालेन शाह ने मेयर के रूप में जिस तरह से काठमांडू की सड़कों, कचरा प्रबंधन और अतिक्रमण पर काम किया, उसने उन्हें एक मैजिक मैन की छवि दे दी है। वे पेशे से स्ट्रक्चरल इंजीनियर हैं और उनका गवर्नेंस मॉडल जज्बातों से ज्यादा आंकड़ों और समाधान पर आधारित है। यही कारण है कि आज नेपाल के गांव-गांव में उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का आधार मजबूत हो रहा है। जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में यदि वे देश की कमान संभालते हैं, तो नेपाल की आंतरिक और विदेश नीति में आमूल-चूल परिवर्तन देखने को मिलेंगे। बालेन शाह के विजन का एक बड़ा हिस्सा नेपाल को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और खाड़ी देशों में हो रहे युवाओं के भारी पलायन को रोकना है। वे अक्सर अपनी तकरीरों में नेपाल की जल-विद्युत क्षमता और पर्यटन को भारतीय बाजार से जोड़ने की बात करते हैं, लेकिन एक समान साझेदार की शर्त पर।

भारत के लिए यह एक रणनीतिक चुनौती है कि वह नेपाल की इस नई आर्थिक महत्वाकांक्षा को अपने नेबरहुड फर्स्ट विजन में कैसे फिट करता है। यदि बालेन शाह सत्ता के शीर्ष पर पहुँचते हैं, तो सीमा सुरक्षा और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भारत को एक ऐसा साथी मिल सकता है जो तकनीकी निगरानी और आधुनिक प्रबंधन में विश्वास रखता है। नेपाल का नया नेतृत्व अब केवल सहायता नहीं, बल्कि सार्थक निवेश और तकनीकी हस्तांतरण की मांग कर रहा है, जो भारत के लिए अपनी कूटनीतिक शैली बदलने का संकेत है। भारत के लिए नेपाल का यह नया नेतृत्व एक पहेली जैसा है। बालेन शाह की छवि एक प्रखर और कभी-कभी आक्रामक राष्ट्रवादी की रही है। उन्होंने मेयर रहते हुए काठमांडू में भारतीय फिल्मों पर प्रतिबंध लगाने जैसा कड़ा फैसला लिया था और अपने दफ्तर में ग्रेटर नेपाल का नक्शा लगाकर अपनी राजनीतिक लकीर खींच दी थी। उनकी नीति स्पष्ट रूप से नेपाल फर्स्ट की है, जिसका मतलब है कि वे किसी भी पड़ोसी देश के प्रभाव में दबकर काम नहीं करेंगे। ऐसे में नई दिल्ली को अब एक ऐसे नेतृत्व से संवाद करना होगा जो पुरानी कूटनीतिक मर्यादाओं के बजाय सीधे और बेबाक फैसलों में यकीन रखता है। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह बालेन शाह के राष्ट्रवाद को किस तरह एक रचनात्मक सहयोग में बदलता है, हालांकि, इस सिक्के का एक दूसरा और सकारात्मक पहलू भी है। बालेन शाह ने अपनी उच्च शिक्षा भारत से पूरी की है। वे भारतीय समाज की बारीकियों, यहाँ की लोकतांत्रिक व्यवस्था और दोनों देशों के बीच के रोटी-बेटी के रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझते हैं।

अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

अमेरिका में 20 जनवरी 2025 को श्री डॉनल्ड ट्रम्प ने 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। श्री ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद से ही पूरी दुनिया में, विशेष रूप आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दी है। ट्रम्प ने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन – अमेरिका को पुन: महान बनायें – के नारे के साथ यह राष्ट्रपति चुनाव जीता था। अत: उन्होंने अमेरिका को एक बार पुन: विश्व के विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने का बीड़ा उठाया है। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु उन्होंने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ लगाने का निर्णय लेते हुए, इस निर्णय को शीघ्र ही लागू भी कर दिया। उनका सोचना था कि उनके इस निर्णय से विभिन्न उत्पादों के निर्यातक अमेरिका में इन उत्पादों को निर्यात करने के प्रति निरुत्साहित होकर इन उत्पादों का उत्पादन अमेरिका में ही प्रारम्भ कर देंगे। इस कार्य को यदि धीमे धीमे एवं संरचित रूप से किया जाता तो सम्भव है कि पूरे विश्व में अफरा तफरी जैसा माहौल नहीं बनता। परंतु, ट्रम्प ने कुछ देशों (चीन, आदि) से विभिन्न वस्तुओं के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी एवं अन्य देशों को भी लगातार इस प्रकार की धमकी देना प्रारम्भ कर दिया।

ट्रम्प ने भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न वस्तुओं के निर्यात पर भी 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया एवं 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ यह कहते हुए लगाया कि भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात करता है एवं इसे प्रसंस्कृत करने के उपरांत यूरोपीय देशों को पेट्रोल एवं डीजल के रूप में निर्यात करता है। इस प्रक्रिया में ट्रम्प ने यह निष्कर्ष निकाला भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल को खरीदने से रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले को बल मिलता है और भारत इस युद्ध को अप्रत्यक्ष रूप से फंडिंग कर रहा है। इस प्रकार, भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर दिनांक 27 अगस्त 2025 से 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया है। इससे भारत के पूंजी (शेयर) बाजार में हाहाकर मच गया एवं विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार भारत से अपने निवेश को निकाल रहे हैं।

श्री ट्रम्प अमेरिका में होने वाले विभिन्न वस्तुओं के आयात पर लगाए गए टैरिफ पर ही नहीं रुके बल्कि अपनी साम्राज्यवादी सोच को पुन: लागू करने के उद्देश्य को भी स्पष्ट रूप से झलका दिया। प्रभुतासम्पन्न देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में लाया गया एवं उन पर अमेरिका में मुकदमा चलाया गया। दरअसल, अमरीका की नजर वेनेजुएला के कच्चे तेल के अपार भंडार पर है। जिस पर अमेरिका अपना कब्जा स्थापित करते हुए इसके उपयोग पर अपना नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। साथ ही, डेनमार्क के नियंत्रण में एक द्वीप, ग्रीनलैंड पर अमेरिका अपना आधिपत्य स्थापित करना चाहता है। इसी प्रकार की धमकियां, मेक्सिको, क्यूबा, ईरान आदि देशों को भी दी गई हैं।

श्री ट्रम्प के उक्त प्रकार के निर्णयों के चलते अब तो वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच आपसी सम्बंधो पर प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत भी अछूता नहीं रहा है एवं हाल ही के समय में भारत के अमेरिका के साथ सम्बन्धों में कुछ खटास आई है। अन्यथा, कुछ समय पूर्व तक भारत एवं अमेरिका एक दूसरे के रणनीतिक साझेदार माने जाते रहे हैं। विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार रहा है। भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात के मामले में भी अमेरिका प्रथम स्थान पर हैं। श्री ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लागू किए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के उपरांत भारत का विदेश व्यापार कुछ हद्द तक विपरीत रूप से प्रभावित हुआ है। परंतु, भारत ने इस समस्या का हल निकालने की रणनीति पर तुरंत विचार करना प्रारम्भ किया एवं कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। ताकि, विशेष रूप अमेरिका को होने वाले वस्त्र एवं परिधान, जेम्स एवं ज्वेलरी, समुद्रीय पदार्थ, खिलौना उद्योग एवं चमड़ा उद्योग जैसे श्रम आधारित उद्योगों पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को तुरंत ही रोका जा सके अथवा कम किया जा सके। अन्यथा, की स्थिति में भारत में बेरोजगारी की समस्या एक ज्वलंत समस्या के रूप खड़ी हो सकती थी। भारत ने उक्त उत्पादों के निर्यात हेतु रूस, चीन, जापान, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के रूप में नए बाजार तलाशे एवं इन देशों को उक्त उत्पादों का निर्यात प्रारम्भ किया। वर्ष 2025 में भारत ने विदेशी व्यापार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए प्रमुख वैश्विक साझेदारों के साथ मौजूदा मुक्त व्यापार समझौतों पर गहन वार्ताओं और रणनीतिक अद्यतनों को अंतिम रूप देने का प्रयास किया है। वर्ष के अंत में, भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान एवं न्यूजीलैंड के साथ महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। इसके साथ ही, अफ्रीकी देशों एवं लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भी प्रारम्भिक वार्ताओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। इसका परिणाम यह हुआ है कि नवम्बर एवं दिसम्बर 2025 माह में भारत से विभिन्न वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि दर को बनाए रखने में सफलता मिली है। सितम्बर एवं अक्टोबर 2025 माह में विशेष रूप से अमेरिका को भारत से होने वाले वस्तुओं के निर्यात पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ा था। 27 जनवरी 2026 को तो भारत ने यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देकर इतिहास ही बना डाला है। इस समझौते को मदर आफ ऑल डील्स की संज्ञा दी जा रही है। यह मुक्त व्यापार समझौता 18 वर्षों के उपरांत सम्भव हो सका है। अब तो कनाडा के राष्ट्रपति भी मार्च 2026 माह में भारत आने वाले हैं एवं कुछ क्षेत्रों में मुक्त व्यापार समझौते के अंतिम रूप दिए जाने की प्रबल सम्भावना है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौतों का विश्व के अन्य देशों को सकारात्मक संदेश गया है। भारत वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है। इससे, समझौता करने वाले देशों के नागरिकों की आर्थिक स्थिति में सुधार होने की सम्भावनाएं प्रबल हो रही हैं क्योंकि इन देशों में आर्थिक प्रगति के तेज होने के चलते इन देशों में खुशहाली आने की सम्भावनाएं बन रही हैं। इस दृष्टि से विभिन्न देशों का भारत के प्रति दृष्टिकोण हाल ही के समय में बदला है एवं वे अब भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं। भारत एक युवा देश है एवं विभिन्न उत्पादों के लिए भारत एक विशाल बाजार के रूप में विश्व के सामने उपलब्ध है। विशेष रूप से इस धरा के दक्षिणी भाग के देश तो अब भारत के वैश्विक स्तर पर इन देशों का नेतृत्व करने के लिए श्रद्धा के भाव से उम्मीद भारी नजरों से देख रहे हैं।

उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत के सामने भी कुछ समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं। जैसे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में डालर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत का लगातार गिरते जाना। एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की क़ीमत 92 रुपए के स्तर को भी पार कर गई है एवं वर्ष 2025 में भारतीय रुपए का लगभग 5 से 6 प्रतिशत के बीच अवमूल्यन हुआ है। दरअसल, यह समस्या, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय पूंजी (शेयर) बाजार से लगातार अपने निवेश को निकालने के चलते खड़ी हुई है। इससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर जाने का सिलसिला बढ़ गया है। इस समस्या के हल हेतु भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मात्रा को बढ़ाने का प्रयास लगातार कर रहा है। साथ ही, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात को भी गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि भारत में अमेरिकी डॉलर के आने की मात्रा में वृद्धि हो। यदि भारत को इन प्रयासों में सफलता मिलती है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव कुछ कम होगा।

श्री ट्रम्प द्वारा हाल ही के समय में लिए गए निर्णयों के चलते वैश्विक स्तर पर प्रारम्भ हुई उथल पुथल को कम करने के लिए आज विश्व के कई देश भारत की ओर ही देख रहे हैं क्योंकि भारत अपने आप को विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाकर इस तरह की समस्याओं का हल निकालने का प्रयास कर रहा है एवं इस कार्य में भारत को कुछ सफलता प्राप्त होती हुई भी दिखाई दे रही है। भारत के पास युवा शक्ति की बेजोड़ उपलब्धता है, विभिन्न क्षेत्रों में इनके कौशल को विकसित कर, भारत आज पूरे विश्व को श्रमबल उपलब्ध करा सकने की क्षमता रखता है और भारतीय सनातन संस्कृति को वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ, पूरे विश्व में फैला सकता है ताकि विभिन्न देशों में हो रहे संघर्षों को कम अथवा समाप्त किया जा सके।

-प्रहलाद सबनानी

(चिंतन-मनन)

जीव परमेश्वर की परा शक्ति

जीव परमेश्वर की परा प्रकृति (शक्ति) है। अपरा शक्ति तो पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि तथा अहंकार जैसे विभिन्न तत्वों के रूप में प्रकट होती है। भौतिक प्रकृति के ये दोनों रूप-स्थूल (पृथ्वी आदि) तथा सूक्ष्म (मन आदि) परा शक्ति के ही प्रतिफल हैं। जीव जो अपने विभिन्न कार्य के लिए अपरा शक्तियों का विदोहन करता रहता है, स्वयं परमेश्वर की परा शक्ति है और यह वही शक्ति है जिसके कारण सारा

संसार कार्यशील है। इस दृश्य जगत में कार्य करने की तब तक शक्ति नहीं आती, जब तक परा शक्ति अर्थात जीव द्वारा यह गतिशील नहीं बनाया जाता। शक्ति का नियंत्रण सदैव शक्तिमान करता है, अत- जीव सदैव भगवान द्वारा नियंत्रित होते हैं। जीवों का अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है।

वे कभी भी सम शक्तिमान नहीं, जैसा कि बुद्धिहीन मनुष्य सोचते हैं। श्रीमद्भागवत में जीव तथा भगवान के अन्तर को इस प्रकार बताया गया है- 'हे परम शात! यदि सारे देहधारी जीव आप ही की तरह शात एवं सर्वव्यापी होते तो वे आपके नियंत्रण में न होते। किन्तु यदि जीवों को आपकी सूक्ष्म शक्ति के रूप में मान लिया जाए, तब वे सभी आपके परम नियंत्रण में आ जाते हैं। अत- वास्तविक मुक्ति आपकी शरण में जाना है और इस शरणागति से वे सुखी होंगे।

परमेश्वर कृष्ण एकमात्र नियन्ता हैं और सारे जीव उन्हीं के द्वारा नियंत्रित हैं। सारे जीव उनकी पराशक्ति हैं, क्योंकि उनके गुण परमेश्वर के समान हैं, किन्तु वे शक्ति की मात्रा के विषय में समान नहीं हैं। स्थूल व सूक्ष्म अपरा शक्ति का उपभोग करते हुए परा शक्ति (जीव) को अपने वास्तविक मन तथा बुद्धि की विस्मृति हो जाती है। इसका कारण जीव पर जड़ प्रकृति का प्रभाव है। माया के प्रभाव में अहंकार सोचता है, मैं ही पदार्थ हूं और सारी भौतिक उपलब्धि मेरी है किंतु जब वह सारे भौतिक विचारों से मुक्त हो जाता है, तो उसे वास्तविक स्थिति प्राप्त होती है। गीता जीव को कृष्ण की अनेक शक्तियों में से एक मानती है और जब यह शक्ति भौतिक कल्मष से मुक्त हो जाती है, तो पूर्णतया कृष्णभावनाभावित या बंधनमुक्त हो जाती है।

भारत के लिए मौजूदा तेलीय पदार्थ संकट,ऊर्जा आयात पर अत्यधिक निर्भरता देश की आर्थिक स्थिरता के संकट की चेतावनी व ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अवसर भी प्रदान करता है।

पश्चिम एशिया की जंग, मध्य-पूर्व संकट- भारत की रसोई तक पहुँचा

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को एक बार फिर अस्थिर कर दिया है। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष भर नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है।खाड़ी क्षेत्र में युद्ध के कारण दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक,स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बाधा उत्पन्न हो गई है। यही मार्ग विश्व के बड़े हिस्से में तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करता है।इस मार्ग में व्यवधान का असर भारत के ईंधन बाजार पर सीधा पड़ा है। एलपीजी टैंकरों के फंस जाने,कच्चे तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचने और गैस आपूर्ति में अनिश्चितता के कारण भारत के ऑटो- एलपीजी तथा औद्योगिक गैस बाजार में भारी दबाव पैदा हो गया है,ऐसे में घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है. नई दरों के अनुसार घरेलू एलपीजी सिलेंडर 60 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 115 रुपए महंगा हो गया है।स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि सरकार को 5 मार्च 2026 को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 लागू करना पड़ा।सामान्य परिस्थितियों में यह कानून कम ही इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन मौजूदा संकट ने इसे फिर से सक्रिय करने के लिए सरकार को मजबूर कर दिया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि दरअसल यह संकट केवल ऊर्जा बाजार का नहीं बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा और आम नागरिकों की दैनिक जरूरतों से जुड़ा हुआहै।भारत में करोड़ों परिवार रसोई गैस पर निर्भर हैं और औद्योगिक उत्पादन भी ऊर्जा आपूर्ति से सीधे जुड़ा हुआ है।ऐसे में पश्चिम एशिया की जंग भारत की रसोई और उद्योग दोनों के लिए सटीक गंभीर चुनौती बनकर सामने आई है।

साथियों बात अगर हम भारत की ऊर्जा निर्भरता-आयात पर आधारित संरचना को समझने की करें तो भारत दुनियाँ की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इसके साथ-साथ ऊर्जा की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। लेकिन देश की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि घरेलू स्तर पर तेल और गैस का उत्पादन सीमित है। भारत अपनी कुल तेल जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है।एलपीजी के मामले में भी स्थिति लगभग यही है। देश में हर साल लगभग 3 करोड़ 13 लाख टन एलपीजी की खपत होती है,जबकि घरेलू उत्पादन करीब 1 करोड़ 28 लाख टन ही है। इसका मतलब है कि लगभग 58 प्रतिशत एलपीजी आयात पर निर्भर है।इस आयात का लगभग 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते भारत तक पहुंचता है। यह वही समुद्री मार्ग है जो ईरान और ओमान के बीच स्थित है और खाड़ी क्षेत्र से निकलने वाले तेल और गैस का प्रमुख रास्ता माना जाता है।जब इस मार्ग में युद्ध के कारण बाधा आई तो एलपीजी टैंकरों की आवाजाही रुक गई। परिणाम स्वरूप भारत में गैस आपूर्ति की स्थिति अचानक अस्थिर हो गई।सरकार के पास मौजूद बफर स्टॉक के आधार पर देश लगभग 25 से 30 दिन तक एलपीजी की जरूरत पूरी कर सकता है, लेकिन अगर आपूर्ति लंबे समय तक बाधित रहती है तो संकट और भी बहुत गंभीर हो सकता है। साथियों बात अगर हम कतर की एलएनजी सुविधा पर हमला और आपूर्ति संकट को समझने की करें तो, ऊर्जा संकट को और गहरा करने वाली एक अन्य घटना कतर की एलएनजी सुविधा पर हुए ड्रोन और मिसाइल हमले थे। कतर दुनियाँ के प्रमुख गैस निर्यातकों में से एक हैऔर भारत के लिए भी एलएनजी का महत्वपूर्ण स्त्रोत है।हमले में कतर की एलएनजी सुविधा को भारी नुकसान पहुंचा, जिसके बाद भारत की कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी ने कतर से गैस आपूर्ति पर फोर्स मैजर घोषित कर दिया। इसका मतलब यह हुआ कि अनुबंध होने के बावजूद गैस की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी गई।इस घटना ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा के सामने एक नया संकट खड़ा कर दिया।एलएनजी और एलपीजी दोनों की आपूर्ति प्रभावित होने लगी, जिससे ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ गई।ऐसी स्थिति में सरकार के सामने दोहरी चुनौती थी एक ओर घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करना और दूसरी ओर बाजार में जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकना। साथियों बात अगर हम आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955- संकट में सरकार का सबसे बड़ा हथियार इसको समझने की करें तो, ऊर्जा संकट से निपटने के लिए सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 को लागू किया। यह कानून भारत में आवश्यक वस्तुओं केउत्पादन वितरण और व्यापार को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया था।इस अधिनियम के तहत सरकार को यह अधिकार मिलता है कि वह किसी भी जरूरी वस्तु के उत्पादन,स्टॉक,वितरण और कीमतों पर नियंत्रण स्थापित कर सकती है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम जनता को आवश्यक वस्तुएं उचित कीमत पर और पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों।इस कानून को अक्सर सरकार का ब्रह्मास्त्र कहा जाता है, क्योंकि इसके तहत सरकार को असाधारण अधिकार मिलते हैं। वह कंपनियों और व्यापारियों को निर्देश दे सकती है कि वे कितना उत्पादन करें, कितना स्टॉक रखें और किस कीमत पर बिक्री करें। पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पाद इस कानून के तहत शुरू से ही शामिल रहे हैं। हालांकि तेल क्षेत्र में इसका इस्तेमाल बहुत कम होता है। यही कारण है कि 2026 में एलपीजी संकट के दौरान इसका उपयोग एक बड़ा और असामान्य कदम माना जा रहा है। साथियों बात अगर हम सरकार ने यह कानून क्यों लागू किया? इसको समझने की करें तो सरकार के इस कदम के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं।सबसे पहला कारण गैस आपूर्ति में संभावित रुकावट है। खाड़ी देशों से होने वाली गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा युद्ध के कारण प्रभावित हो गया है। अनुमान है कि भारत को मिलने वाली लगभग 60 प्रतिशत गैस आपूर्ति पर इसका असर पड़ सकता है।दूसरा कारण जमाखोरी और मुनाफाखोरी को रोकना है। जब भी बाजार में किसी आवश्यक वस्तु की कमी की आशंका होती है तो कुछ व्यापारी अधिक लाभ कमाने के लिए उसका स्टॉक जमा करने लगते हैं। इससे कृत्रिम कमी पैदा हो जाती है और कीमतें बढ़ जाती हैं।तीसरा कारण घरेलू उपयोग को प्राथमिकता देना है। सरकार ने रिफाइनरियों को निर्देश दिया है कि वे प्रोपेन और ब्यूटेन जैसे गैस घटकों का इस्तेमाल अन्य उत्पादों के बजाय एलपीजी उत्पादन के लिए करें। इससे घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। इन सभी कदमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में गैस की आपूर्ति सामान्य बनी रहे और आम लोगों को संकट का सामना न करना पड़े। साथियों बात अगर हम एलपीजी उत्पादन और वितरण पर सरकार का नियंत्रण को समझने की करें तोआवश्यक वस्तु अधिनियम लागू होने के बाद सरकार ने एलपीजी उत्पादन और वितरण प्रणाली में कई बदलाव किए हैं।रिफाइनरियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने उत्पादन का बड़ा हिस्सा घरेलू एलपीजी जरूरतों को पूरा करने में लगाएं। इसके अलावा व्यापारियों और वितरकों के लिए स्टॉक लिमिट तय की जा सकती है।अगर कोई व्यापारी या कंपनी तय सीमा से अधिक स्टॉक जमाकरती है तो प्रशासन उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकता हैइस कानून के तहत अधिकारियों को यह अधिकार है कि वे गोदामों की जांच करें और जरूरत पड़ने पर स्टॉक जब्त कर लें।इस व्यवस्था का उद्देश्य बाजार में पारदर्शिता बनाए रखना और आपूर्ति श्रृंखला को संतुलित करना है।आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रावधान है।इस कानून की धारा 7 के अनुसार अगर कोई व्यक्ति या संस्था जमाखोरी, कालाबाजारी या अवैध व्यापार में शामिल पाई जाती है तो उसे 3 महीने से लेकर 7 साल तक की जेल हो सकती है। इसके साथ ही भारी जुर्माना भी लगाया जा सकता है।इस सख्त प्रावधान का उद्देश्य यहसुनिश्चित करना है कि बाजार में कोई भी व्यक्ति या संस्था संकट की स्थिति का फायदा उठाकर अनुचित लाभ बिलकुल भी न कमा सके। साथियों बात अगर हम 2022 के बाद पहली बार इतना बड़ा कदम इसको समझने की करें तो, तेल क्षेत्र में आवश्यक वस्तु अधिनियम का इस्तेमाल बहुत कम होता है। इससे पहले 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान इसे सीमित रूप से लागू किया गया था।उस समय सरकार ने रिफाइनरियों को निर्यात रोककर घरेलू बाजार में आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए थे।लेकिन 2026 में एलपीजी उत्पादन के लिए सीधे निर्देश देना एक असाधारण कदम माना जा रहा है।विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम इस बात का संकेत है कि सरकार ऊर्जा संकट को लेकर गंभीर है और घरेलू उपभोक्ताओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है। साथियों बात अगर हम गैस सिलेंडर बुकिंग नियमों में बदलाव को समझने की करें तो ऊर्जा संकट के बीच सरकार ने गैस सिलेंडर बुकिंग के नियमों में भी बदलाव किया है। पहले उपभोक्ता किसी सिलेंडर की डिलीवरी के 21 दिन बाद नया सिलेंडर बुक कर सकते थे,लेकिन अब इस अवधि को बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है सरकार का कहना है कि यह बदलाव जमाखोरी को रोकने और वितरण प्रणाली को संतुलित बनाए रखने के लिए किया गया है।हालांकि कुछ परिवारों में गैस की खपत अधिक होती है, इसलिए यह चिंता भी सामने आई है कि अगर सिलेंडर 25 दिन से पहले खत्म हो जाए तो क्या होगा ऐसे में उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध विकल्प अगर किसी परिवार में गैस सिलेंडर जल्दी खत्म हो जाता है तो उपभोक्ता अपनी गैस एजेंसी या डिस्ट्रीब्यूटर से संपर्क कर सकते हैं। कई मामलों में एजेंसी विशेष अनुमति देकर जल्दी बुकिंग की सुविधा प्रदान कर सकती है। इसके अलावा उपभोक्ता अतिरिक्त शुल्क देकर इमरजेंसी सिलेंडर भी प्राप्त कर सकते हैं। जिन परिवारों में गैस की खपत अधिक है उनके लिए डबल सिलेंडर कनेक्शन लेना एक बेहतर विकल्प हो सकता है।इस व्यवस्था में एक सिलेंडर खत्म होने के बाद दूसरा तुरंत इस्तेमाल किया जा सकता है और इस दौरान नया सिलेंडर बुक करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। साथियों बात अगर हम ऊर्जा संकट और भारत की दीर्घकालिक रणनीति को समझने की करें तो मौजूदा संकट ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत को ऊर्जा सुरक्षा के लिए दीर्घकालिक रणनीति अपनानी होगी।सरकार पहले से ही कई कदम उठा रही है। इनमें रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का निर्माण, वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों का विकास और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना शामिल है।भारत सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्त्रोतों पर भी तेजी से काम कर रहा है। इसके अलावा जैव ईंधन और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे विकल्पों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।इन सभी प्रयासों का उद्देश्य तेल और गैस आयात पर निर्भरता को धीरे-धीरे कम करना है। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक राजनीति का नया समीकरण बना है,पश्चिम एशिया का मौजूदा संकट यह दिखाता है कि वैश्विक राजनीति और ऊर्जा सुरक्षा एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है बल्कि इसका असर दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ रहा है।भारत के लिए यह स्थिति एक चेतावनी भी है और एक अवसर भी।चेतावनी इसलिए क्योंकि ऊर्जा आयात पर अत्यधिक निर्भरता देश की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकती है।अवसर इसलिए क्योंकि यह संकट ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज कदम उठाने का मौका भी देता है।आवश्यक वस्तु अधिनियम का उपयोग करके सरकार ने फिलहाल गैस संकट को नियंत्रित करने की कोशिश की है।लेकिन दीर्घकालिक समाधान तभी संभव है जब भारत ऊर्जा स्त्रोतों में विविधता लाए और घरेलू उत्पादन तथा नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता दे। यदि ऐसा किया जाता है तो भविष्य में किसी भी वैश्विक संकट का प्रभाव भारत की रसोई और उद्योग पर सीमित रहेगा और देश अपनी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बना।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। कमजोर लेवाली से गुरूवार को अनाज मंडी में चना घटाकर बोला गया। मसूर में तेजी बनी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत रहा। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य रहा। सूखे मेवों में तेजी की धारण रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार नये चने की आवकों का समय पक गया है। जल्द ही आवकें जोर पकड़ेगी। चने में बाजार 555-5600 रू. प्रति क्विंटल पर कमजोर रहे। मसूर में मजबूती देखी गयी। खाद्य तेलों में व्यापार वाली बात नहीं है। किराना जिंसों में सूखे मेवों में सुर्खी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4130-4170, खोपरा गोला 325-380, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 265-275, मीडियम 280-295, बेस्ट 300-310, हल्दी निजामाबाद 275-277, सांगली 283-285, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 880-920, सिंगापुरी 825-840, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1500-1700, बेस्ट 1700-1800, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल- सींगदाना 1680-1700, मुम्बई 1720, राजकोट तेलिया 2670-2680, सोया साल्वेंट 1335-1340, सोया रिफाइंड 1400-1410, कपास्या 1340, धूलिया 1350, कड़ी 1350,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1675-1680, मुम्बई पाम 1380-1390, मुम्बई सोया 1430,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2275, देवास-उज्जैन 2275, खंडवा-बुरहानपुर 2250, अकोला 3525 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6200-6500, रायडा 5300-5700, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5550-5600, एवरेज 5350-5400, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5750-5800, एवरेज 5600-5650, मूंग देशी 8100-8200, पाला 8200-8300, चमकी 8300-8400, नायलोन 8300-8400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 268000, चाँदी (99) 267000, टंच 266500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 160700,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 92.20 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 31 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.32 पर पहुंच गया। पश्चिमी एशिया में जारी संघर्ष के कारण विदेशी पूंजी की निकासी, वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और डॉलर के मजबूत रुख से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों में सत्र की कमजोर शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.25 पर खुला। फिर और गिरावट के साथ 92.32 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे कम है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.01 पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कामजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 829 अंक टूटकर 76,034 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 228 अंक फिसलकर 23,639 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में इस गिरावट का एक कारण ब्रेंट क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचने के कारण भी आया है। इससे भी निवेशकों में घबराहट का माहौल है। आज बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकर पिछले सत्र के लगभग 450 लाख करोड़ रुपये से घटकर 440 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इससे निवेशकों के एक ही सत्र में 10 लाख करोड़ रुपये डूब गये। आज कारोबार के दौरान निफ्टी की कंपनियों में से सबसे ज़्यादा बढ़त कोल इंडिया के शेयरों में रही। इसमें 5.23 फीसदी की बढ़त रही जबकि एनटीपीसी में 2.81 फीसदी की बढ़त जबकि पावर ग्रिड में 1.61 फीसदी की बढ़त आई। जियो फाइनेंशियल

सर्विसेज में 1.47 फीसदी जबकि अडानी एंटरप्राइजेज में 1.39 फीसदी की बढ़त आई। वहीं निफ्टी की कंपनियों में सबसे ज़्यादा गिरावट महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में रही। इसमें 4.33 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा क्वालिटी वॉल्स में 3.95 फीसदी जबकि आयशर मोटर्स में 3.92 फीसदी की गिरावट रही। मारुति सुजुकी में 3.61 फीसदी और बजाज फाइनेंस में 3.42 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो, ऑटो इंडेक्स 3 फीसदी से अधिक, एफएमसीजी में 1.7 फीसदी और प्राइवेट बैंक में 1.6 फीसदी गिरावट रही जबकि पावर और एनर्जी सेक्टर में 2.5फीसदी और 2फीसदी की बढ़त रही। ऑयल गैस, मेटल और कैपिटल गुड्स में मामूली 0.5फीसदी की तेजी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.4फीसदी गिरा और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.7फीसदी नीचे आया। वहीं आज सुबह भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स सुबह 76,369 अंकों के स्तर पर खुला पर खुलते ही इसमें गिरावट बढ़ने लगी। इसी तरह निफ्टी 50 भी 23,674.85 अंकों पर खुला।

एसबीआई और एमयूएफजी बैंक ने वित्तीय साझेदारी पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और जापान का एमयूएफजी बैंक ने रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह समझौता मुख्य रूप से विलय और अधिग्रहण (एमएंडए), विमानन और रियल एस्टेट फाइनेंस क्षेत्रों पर केंद्रित है। दोनों बैंक भारतीय मिड-कॉर्पोरेट्स और एमएसएमई को जापानी कॉर्पोरेट नेटवर्क से जोड़ने में सहयोग करेंगे। एसबीआई ने बताया कि नए आरबीआई दिशानिर्देशों के तहत उसकी ऋण देने की अधिकतम सीमा लगभग 94,000 करोड़ रुपए है। साझेदारी के तहत दोनों बैंक एमएंडए एडवाइजरी, ट्रेड फाइनेंस और रिटेल बैंकिंग सॉल्यूशंस पर सहयोग करेंगे। इसके अलावा, जापानी कॉर्पोरेट-आधारित संभावित आयात-निर्यात लेन-देन की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। एसबीआई की भारतीय बाजार में गहरी पकड़ और एमयूएफजी के वैश्विक नेटवर्क का संयोजन इस साझेदारी को खास बनाता है। दोनों बैंक अपनी पूरक क्षमताओं का उपयोग करके सीमा-पार पूंजी प्रवाह को आसान बनाएंगे। इससे न केवल नए वित्तीय अवसर उत्पन्न होंगे, बल्कि भारत और जापान की अर्थव्यवस्थाओं में स्थायी विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि बैंक जापानी ऋणदाताओं के साथ एमएंडए फाइनेंसिंग पर चर्चा कर रहा था। एमयूएफजी बैंक के भारत और श्रीलंका क्षेत्रीय कार्यकारी ताकुया सेनो ने कहा कि भारत विश्व स्तर पर सबसे आकर्षक विकास बाजारों में से एक है। साझेदारी के माध्यम से, एमयूएफजी भारत में इनबाउंड निवेश और भारतीय कॉर्पोरेट्स के आउटबाउंड विस्तार दोनों का समर्थन करेगा।

तेल, गैस के बाद भारत के सामने खड़ा हो रहा ये नया संकट.....दवा उद्योग पर दबाव

नई दिल्ली। एजेंसी। ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद पश्चिम एशिया में युद्ध का पैमाना बढ़ता जा रहा है। प्रमुख जलमार्गों के प्रभावी रूप से बंद होने और सप्लाई चेन में आई दिक्कतों से कच्चे तेल और गैस के दाम आसमान छू रहे हैं। इस बीच अब एक और संकट ने दस्तक दे रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस जंग का असर भारत के दवा उद्योग पर भी पड़ना शुरु हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत की फार्मास्यूटिकल सप्लाई चेन पर दबाव बढ़ रहा है, इससे दवा बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल यानी रॉ मैटेरियल की कीमत लगातार बढ़ रही है। एक रिपोर्ट में फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री से जुड़े अधिकारियों के हवाले से बताया है कि 'की स्टार्टिंग मटेरियल' (केएसएम) और 'एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट्स' (एपीआई) की कीमतें बढ़ने लगी हैं। पिछले हफ्ते वैश्विक तनाव, डॉलर में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति में आ रही रुकावटों की वजह से कीमत 5 से 100 फीसदी तक बढ़ गई है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर युद्ध इस तरह चलता रहा तब इन अहम रॉ मैटेरियल की कमी भी हो सकती है। जानकार ने बताया, दवाओं की कमी हो सकती है, क्योंकि ट्रेडर रॉ मटेरियल के लिए कोई ऑर्डर नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा, सॉल्वेंट की कीमतें बढ़ी हैं। इसके अलावा छोटे व्यापारी और सप्लायर भी कीमतों में और बढ़ा कर युद्ध की स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि भारत अपनी जरूरतों का लगभग 65 से 70 प्रतिशत एपीआई, इंटरमीडिएट्स और जरूरी सामान चीन से आयात करता है।

क्यों बढ़ गई कीमतें?

जानकारों के मुताबिक इसकी सबसे बड़ी वजह अनिश्चिताओं के बीच डॉलर का मजबूत होना है। बता दें कि फार्मास्यूटिकल उद्योग में ज्यादातर कच्चे माल का ट्रेड डॉलर में होता है। इसके बाद डॉलर मजबूत होते ही आयात की लागत अपने आप बढ़ जाती है। वहीं एक और वजह सॉल्वैंट्स की कॉस्ट में बढ़ोतरी है। कुछ मामलों में, पिछले कुछ दिनों में सॉल्वैंट्स की लागत 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ गई है।

मेष- आज का दिन आपको अपनी सेहत पर थोड़ा अधिक ध्यान देने की सलाह दे रहा है, क्योंकि किसी पुरानी बीमारी के दोबारा उभरने की संभावना बन सकती है। ऐसे में लापरवाही बिल्कुल न करें और समय पर आराम भी लें। भाई-बहनों का सहयोग आपको पूरा मिलेगा, जिससे कई रुके हुए काम भी धीरे-धीरे पटरी पर आते दिखाई देंगे। यदि लंबे समय से कोई परेशानी आपको परेशान कर रही थी, तो अब उसके कम होने के संकेत मिल रहे हैं। परिवार में किसी सदस्य से आपने जो वादा किया था, उसे पूरा करने का समय भी आ सकता है।

वृषभ- आज का दिन आपको अपने व्यवहार और वाणी पर संयम रखने की सलाह दे रहा है। किसी से भी बात करते समय शब्दों का चयन बहुत सोच-समझकर करें, क्योंकि छोटी-सी बात भी बड़ा विवाद बन सकती है। आज अपने खर्चों पर भी विशेष ध्यान दें और उनका सही लेखा-जोखा रखें, नहीं तो अनावश्यक खर्च आपके बजट को बिगाड़ सकते हैं। किसी बात को लेकर झगड़े या विवाद में पड़ने से बचें, क्योंकि मामला कानूनी रूप भी ले सकता है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आ सकता है। लंबे समय बाद किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई में थोड़ा उतार-चढ़ाव आ सकता है, लेकिन यदि वे अपनी मेहनत जारी रखें तो जल्द ही अच्छे परिणाम भी मिलेंगे। आज आप अपने किसी मित्र की मदद के लिए आगे आ सकते हैं, जिससे आपके संबंध और मजबूत होंगे।

कर्क- आज का दिन आपको धैर्य और समझदारी के साथ काम लेने की सलाह दे रहा है। आपका गुस्सैल स्वभाव आपको अनावश्यक विवादों में डाल सकता है, इसलिए अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना बहुत जरूरी होगा। जीवनसाथी यदि काम या किसी निर्णय को लेकर आपको कोई सलाह दें, तो उसे नजरअंदाज न करें, बल्कि गंभीरता से उस पर विचार करें। परिवार के साथ आप किसी मांगलिक या शुभ कार्यक्रम में भी शामिल हो सकते हैं, जिससे घर का माहौल खुशियों से भर जाएगा।

सिंह- आज आप दोस्तों के साथ कुछ समय हंसी-मजाक और मौज-मस्ती में बिताएंगे, जिससे पुरानी यादें भी ताजा हो सकती हैं। हालांकि आपको अपने जरूरी कामों को टालने से बचना होगा, क्योंकि लापरवाही बाद में परेशानी का कारण बन सकती है। अपनी आय के स्रोतों को बढ़ाने के लिए आप कोई महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए कुछ नया और रचनात्मक करने का अवसर लेकर आ सकता है। आपके मन में काम को लेकर कई नए विचार आएंगे, जिन्हें यदि आप अपने व्यवसाय या कार्य में लागू करें तो अच्छा लाभ मिल सकता है। आप अपने किसी सहकर्मी से भी काम को लेकर सलाह ले सकते हैं।

तुला- आज आपको वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। यदि किसी काम को लेकर आप लंबे समय से परेशान चल रहे थे, तो आज उसके पूरा होने के संकेत मिल सकते हैं। हालांकि आज किसी को धन उधार देने से बचना ही बेहतर रहेगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की छवि मजबूत हो सकती है और नए लोगों से आपकी पहचान भी बढ़ेगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके जीवन में भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आ सकता है। पिछले कुछ समय से जो तनाव या चिंता आपको परेशान कर रही थी, उसमें भी अब सुधार दिखाई देगा। परिवार के वरिष्ठ सदस्य आपको काम या जीवन से जुड़ी कोई महत्वपूर्ण सलाह दे सकते हैं, जो आपके लिए लाभदायक साबित होगी।

धनु- आज यदि कामकाज को लेकर कुछ परेशानियां चल रही थीं, तो उनके दूर होने के संकेत मिल रहे हैं। अपनी मेहनत और लगन के बल पर आप एक अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं। पुराने लेन-देन को समय रहते निपटाना आपके लिए बेहतर रहेगा। यदि किसी शारीरिक समस्या से आप लंबे समय से परेशान थे, तो अब उसमें भी राहत मिल सकती है।

मकर- आज का दिन आपके लिए धन और समृद्धि में वृद्धि का संकेत दे रहा है। कहीं यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। व्यापार में भी आपको अच्छी सफलता मिल सकती है और नए लोगों से आपकी पहचान बढ़ेगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सामान्य से मध्यम फल देने वाला रहेगा। यदि जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर मतभेद चल रहा था, तो आज वह दूर हो सकता है और रिश्ते में फिर से मधुरता आएगी। आज आपका मन हल्का-फुल्का और मौज-मस्ती के मूड में रहेगा। आप परिवार के साथ कहीं घूमने-फिरने का कार्यक्रम भी बना सकते हैं। हालांकि माता जी की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है।

मीन- आज आप अपनी जरूरतों को पूरा करने में अच्छा-खासा खर्च कर सकते हैं। आपका मनमौजी स्वभाव कभी-कभी परिवार के सदस्यों के साथ वाद-विवाद का कारण भी बन सकता है, इसलिए थोड़ा संयम रखना जरूरी होगा। किसी भी काम में जल्दबाजी दिखाने से बचें और सोच-समझकर ही कदम उठाएं।

शब्दजाल - 8196

शब्द जाल में 10 अभिनेताओं के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

शा	स	दौ	जॉ	न	अ	ब्रा	ह	म	ल्ली	क
ग	ह	ह	ग	ला	अ	जै	जी	ग	झ	क
स	क	रु	म	ह	झ	की	ना	ण	घ	को
ल	इ	ल	ख	हैं	प	श्रॉ	ला	र	ला	न
मा	श्क	ल	प	खा	रा	फ	गी	ण	ग	म
न	दा	ल	श	सं	न	ही	रं	व	ला	स
वि	वे	क	ओ	बे	रॉ	य	दे	या	ज	न्नी
अ	मि	ता	भ	ला	गु	य	रा	य	प	दे
ऋ	र	ल	प	व	ज	ना	ल	ओ	के	ओ
क	ति	ल	प	अ	या	दि	व्य	ब	स	ल
ज	जं	क	प	ख	सं	ज	य	द	त्त	म

शाहरुख खान, सलमान, ऋतिक, विवेक ओबेरॉय, सन्नी देओल, जॉन अब्राहम, अजय देवगन, अमिताभ, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ

शब्दजाल - 8195 का हल

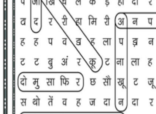

दैनिक पंचांग

13 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

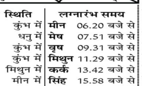

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.20 बजे से
चंद्र	धनु में	मेष	07.51 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.31 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.29 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.42 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.58 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.10 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.21 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.36 ब.से
राहुकाल	10.30 से 12.00 बजे तक	धनु	00.52 बजे से
		मकर	02.57 बजे से
		कुंभ	04.43 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 72 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि नवमी 06.30 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 03.03 बजे रात्र को समाप्त।
योग व्यतीपात 10.32 बजे को समाप्त।
करण गर 06.30 बजे तदनन्तर वणिज 19.25 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 23.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 03° 01'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872647
जूलियन दिन 2461112.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 23

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55	से	07.23 बजे तक	रोग	05.38	से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23	से	08.51 बजे तक	काल	07.11	से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51	से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43	से	10.15 बजे तक
काल	10.19	से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15	से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47	से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47	से	01.19 बजे तक
रोग	01.15	से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19	से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43	से	04.10 बजे तक	चर	02.51	से	04.23 बजे तक
चर	04.10	से	05.38 बजे तक	रोग	04.23	से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7140

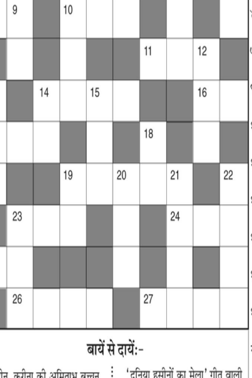

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-३
२. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-२,३
३. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-३
४. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२,२
५. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-३
९. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-३
१३. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-२
१५. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-२
१९. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-२
२०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२२. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-२
२. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-२,३
६. करणनाथ, मनीषा, नताशा की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-२
७. 'बाहर है प्रॉब्लम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-३
११. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१६. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-३
१९. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-३,२
२३. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२४. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सताए से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२७. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 7139

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः राजा की उदारता

राजा जनक को राजमार्ग पर आना था, इसलिए उसे खाली कराया जा रहा था। सैनिक इस कार्य में तत्परता से जुटे थे। संयोगवश उस समय वहां से ऋषि अष्टावक्र गुजर रहे थे। जब सैनिकों ने उन्हें राजमार्ग से हटने को कहा तो उन्होंने साफमना कर दिया। जब सैनिक उनसे इसके लिए प्रार्थना करने लगे तो वह बोले, 'मेरी बात राजा तक पहुंचा देना कि अपनी सुविधा के लिए वह यह बहुत गलत काम कर रहे हैं। राजा का कार्य प्रजा को सुख-सुविधा देना है कष्ट देना नहीं। एक विद्वान व न्यायप्रिय राजा होते हुए उन्हें यह कार्य शोभा नहीं देता।' उनकी यह बात सुनते ही उन्हें बंदी बना लिया गया और राजा जनक के सामने पेश किया गया। जनक ने अष्टावक्र की पूरी बात सुनी। फिर उन्होंने राजदरबार में उपस्थित लोगों से कहा, 'हम ऋषिवर के साहस की प्रशंसा करते हैं। इन्होंने हमारे गलत कार्य की जानकारी देकर हम पर उपकार किया है। ये अपराधी नहीं हैं। बल्कि इन्होंने तो हमें सचाई की राह दिखाई है। यह एक साहसी सत्पुरुष हैं। इसलिए इन्हें दंड नहीं बल्कि पुरस्कार मिलना चाहिए। हम ऋषिवर के अनुसार अपने आचरण में सुधार लाने को तैयार हैं। भविष्य में हमसे ऐसी गलती दोबारा न हो इसलिए हम आज से इन्हें राजगुरु का पद सौंपते हैं। आगे से ये राजकाज से संबंधित प्रमुख कार्यों के बारे में हमें सलाह देंगे। मैं उम्मीद करता हूं कि भविष्य में भी राजगुरु केवल सचाई और न्याय पक्ष का ही समर्थन करेंगे।' इसके बाद उन्होंने अष्टावक्र को प्रणाम किया। अष्टावक्र ने उन्हें गले से लगा लिया।

सूडोकु नवताल- 7449

★★★★★ कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7448 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 8664

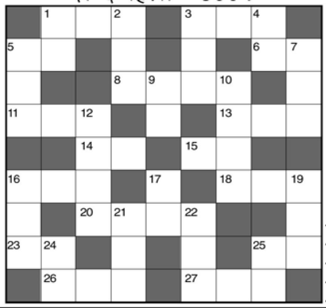

बाएँ से दाएँ

1. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
3. ध्वज, झंडा-3
5. माहिर, होशियार-2
6. बेल, लतिका-2
8. अस्वीकृत करना-4
11. अदृश्य-3
13. फटकार, धिक्कार-3
14. अधर, होठ-2
15. सलाह, सुझाव-2
16. आश्रय-3
18. अनुमान, अंदाज-3
20. आलता, माहुर-4
23. नासिका-2
25. रहस्य-2
26. रेखा, लाइन्-3
27. परिमूल्य-3

ऊपर से नीचे

1. लाख, सौ हजार-2
2. बारीक, सूक्ष्म-3
3. तीन घंटे का समय-3
4. समय, वक्त-2
5. कोतवाल-3
7. बल, जोर, दम-3
9. श्रवणेंद्रिय-2
10. जो लायक न हो-4
12. कृष्ण के बड़े भाई-4
16. दर्पण, शीशा-3
17. नौका -2
19. आसान, सरल-3
21. उपस्थित-3
22. रस से भरा-3
24. बीता हुआ दिन-2
25. रजनी, निशा-2

शब्द पहेली -8663 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खुशियों की बारात पर चढ़ी स्कार्पियों वाहन

दुल्हा-दुल्हन सहित दर्जन भर बारातियों को लिया चपेट में

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम देवलगांव में एक ऐसा हादसा घटित हुआ जिसमें शादी कर घर लौट रहे दुल्हा दुल्हन एवं बारातियों पर एक नशेडी वाहन चालक ने लापरवाही पूर्वक स्कार्पियों वाहन चलाते हुये दुल्हा दुल्हन समेत लगभग 1 दर्जन लोगो को वाहन के नीचे रौंद दिया, गनिमत रही कि इस घटना मे कोई जन हानि नही हुई लेकिन दुल्हा दुल्हन समेत एक दर्जन लोगो को चोटे आई है वही विवाह के पश्चात होने वाला आशीर्वाद समारोह को रोकना पड़ गया। घटना के संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार लांजी थाना क्षेत्र के ग्राम देवलगांव निवासी संजय पिता जनार्दन पारधी की शादी 11 मार्च को ग्राम मिरिया में संपन्न हुई थी। 12 मार्च को जब बारात वापस देवलगांव पहुंची तो घराती और बराती दूल्हा.दुल्हन के सामने नाच.गा रहे थे। इसी दौरान बारात में शामिल स्कार्पियो वाहन क्रमांक एमपी 50 बीसी 0975 जो दूल्हा-दुल्हन के पीछे चल रहा था, अचानक अनियंत्रित हो गया। बताया जा रहा है कि वाहन चालक शंकर मेश्राम का वाहन से नियंत्रण छूट गया और स्कॉर्पियो ने दूल्हा-दुल्हन समेत करीब एक दर्जन लोगों को टक्कर मार दी। वाहन लोगों को रौंदते हुए आगे निकल गयाए जिससे मौके पर अफ रा-तफ री मच गई। हादसे के बाद गुस्साए घरातियों और बारातियों ने चालक की जमकर पिटाई कर दी और बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

आक्रोशित लोगों ने स्कॉर्पियो वाहन में भी तोड़फोड़ कर दी। सूत्रों के अनुसार वाहन चालक के साथ-साथ कुछ बाराती भी शराब के नशे में बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यही लापरवाही इस हादसे की बड़ी वजह बनी।

दुल्हन को गंभीर चोटे, दूल्हा भी घायल

हादसे में घायल दुल्हन रानू पारधी के चेहरे, होंठ सहित शरीर के कई हिस्सों में चोट आई है। वहीं दूल्हा संजय पारधी को दोनों पैरों में चोट लगी है। इसके अलावा संध्या पारधी, चित्ररेखा, दीपिका, भूमेश्वरी, दीक्षा और दिशा सहित अन्य लोग भी घायल हुए हैं। सभी घायलों को तत्काल सिविल अस्पताल लांजी लाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। गंभीर रूप से घायल संध्या पारधी को ज्यादा चोट लगने के कारण जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

आशीर्वाद समारोह पर भी पड़ा साया

ग्राम देवलगांव में 12 मार्च को होने वाला आशीर्वाद समारोह भी इस घटना के बाद फीका पड़ गया है। खुशियों के इस मौके पर अचानक हुए हादसे से पूरे गांव में मायूसी का माहौल बन गया है और समारोह होने की संभावना कम बताई जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में शादी-विवाह के दौरान शराबखोरी का चलन लगातार बढ़ रहा है। कई बार यही नशा खुशी के माहौल को हादसों में बदल देता है। देवलगांव की यह घटना भी एक बार फि र यह सवाल खड़ा करती है कि क्या कुछ पल की मौज-मस्ती के लिए लोगों की जान जोखिम में डालना सही है।

नगर परिषद में महिला सफाई मित्रों के लिए हुआ ज्ञानवर्धन कार्यशाला का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशानुसार अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) अंतर्गत स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन में महिलाओं के नेतृत्व, योगदान एवं उपलब्धियों को रेखांकित करने हेतु 08 से 14 मार्च 2026 तक निकाय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत स्वच्छता तथा अपशिष्ट प्रबंधन में सलग्न महिलाओं की ज्ञानवर्धन कार्यशाला का आयोजन तथा जनजागरूकता कार्यक्रम एवं सफाई मित्र सुरक्षा शिविर एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाना है तथा महिला सफाई मित्रो से संगोष्ठि/संवाद का कार्यक्रम आयोजित कर महिला सफाईमित्रों एवं महिला स्वयंसेवको को सम्मानित करना है। इसी क्रम में मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर वाहने के निर्देशन पर कार्यालय नगर परिषद् सभा कक्ष में महिला सफाई मित्रों को सफाई सुरक्षा उपकरण के उपयोग एवं सुरक्षा तथा कचरा संग्रहण एवं सुरक्षित निपटान के संबंध में बताया गया। तथा संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मध्यप्रदेश इंदौर द्वारा नगर निगम, नगरपालिकाओ/नगर परिषद् में कार्यरत स्वच्छता/सीवर/नाला सफाई कार्य से संबंधित श्रमिकों की कार्यस्थल पर सुरक्षा, कल्याण एवं स्वास्थ्य के संबंध में एक वर्चअल बैठक (वी.सी.) का आयोजन भी किया गया था, जिसमें सीवर, सैप्टिक टैंक

सफाई एवं नाली सफाई में कार्यरत सफाई मित्रों को सुरक्षा संबंधि जानकारी से अवगत कराया गया। इस कार्यशाला में मुख्य रूप से स्वच्छता नोडल अमित नगपुरे, स्वच्छता प्रभारी संतोष भार्गव, स्वच्छता सहायक उत्तम रामटेक्कर एवं सुपरवाईजर विनोद तिवारी, नेकराम रामटेक्कर तथा समस्त सफाई मित्र नगर परिषद लांजी सम्मिलित हुये।

एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल के 4 छात्रों का अखिल भारतीय सैनिक स्कूल के लिए चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी विकासखंड के भानेगांव स्थित स्व. श्री महेश कुशले शिक्षा एवं जनकल्याण समिति द्वारा संचालित एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल से अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश

परीक्षा 2026 में कक्षा छठी और नौवीं के लिए 4 छात्रों का चयन हुआ है। चयनित छात्रों में कक्षा पांचवीं से अस्मिता दीपक ठवरे पारडी और समर्थ विनोद ठवरे पारडी, तथा कक्षा आठवीं से धारिता ओंकार बिसेन चंगेरा व सृष्टि मनोज कुमार अवसरे मोहझरी शामिल हैं। पूर्व वर्षों में भी इसी स्कूल से सैनिक स्कूल के लिए 7 छात्र चुने जा चुके हैं। इन छात्रों ने नियमित परिश्रम और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह सफलता हासिल की, जिससे माता-पिता, स्कूल और शिक्षकों का मान बढ़ा। संस्था संचालक आशाराम कुशले ने बताया कि स्कूल प्रतिवर्ष सैनिक स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय, इंस्पायर अवॉर्ड व विज्ञान मंथन जैसी प्रतियोगिताओं में छात्रों का चयन कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सफलता पर स्कूल संचालन समिति के अध्यक्ष बलराम बड़घैया, उपाध्यक्ष सुभाष कुशले, सचिव राजाराम कुशले, संचालक आशाराम कुशले, प्रधानाध्यापिका ममता कुशले, पालक संघ समिति के पदाधिकारी डॉ. प्रकाश बेदरे, विजय पटले, प्रकाश पटले, रोहितलाल बिलधैया, भुमेश्वर तुरकर, गणेश बाहे, दुलीचंद कावड़े, खुशराज राहंगडाले, महिला संघ समिति की पदाधिकारी सविता मिसारे, योगिता राहंगडाले, अल्का भरे, सुजाता रामटेके, वर्षा पटले, सीमा इनवाती, कविता कुशले, पदमा बिहोने के साथ मार्गदर्शक शिक्षक रोहित चंदेल, सुभम मेश्राम, नरेंद्र कटरे, सुरेंद्र देवाहे, शिक्षिकाएं रानू दखने, भागरता ठाकरे, हेमलता बिसेन, नगमा पटले, मोनिका कर्राहे, यशोदा कलपुरे, कार्यालय स्टाफ कमलेश ठाकरे, सुनिता नखाते, सीमा येरपुड़े व समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्रों को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

राज्य स्तरीय छात्रवृत्ति परीक्षा में बिसोनी स्कूल की साक्षी वैध ने हासिल की 692वीं रैंक

पद्मेश न्यूज। लांजी। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय राष्ट्रीय मेरिट कम मींस छात्रवृत्ति

परीक्षा 2025-26 के परिणाम घोषित हो चुके हैं। शासकीय माध्यमिक विद्यालय बिसोनी (संकुल- पीएम श्री शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय लांजी) की कक्षा आठवीं की छात्रा कु. साक्षी वैध ने अपने कठिन परिश्रम और शिक्षकों के विशेष मार्गदर्शन से इस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर राज्य स्तर पर 692वीं रैंक हासिल की।इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर एसएमसी अध्यक्ष प्रेमलाल पोर्रे, उपाध्यक्ष सीमा मेश्राम, समस्त एसएमसी सदस्यगण, प्रधानपाठक के.सी. गुरदे, वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षक एल.आर. पीपरे, एनएमएस परीक्षा मार्गदर्शक शिक्षक जे.एल. लिल्हारे, आर.के. कुशले, डी.के. कारसर्पे, एम.के. सोनवाने, एस.के. बोरकर, सीमा चौके, प्रियंका सोनवाने, संगीता रहमतकर एवं समस्त स्टाफ ने साक्षी एवं उनके पिता श्री रमेश वैध सहित पूरे परिवार को हार्दिक बधाई दी। सभी ने साक्षी के उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाएं प्रेषित कीं।

मंडई टेकरी में गूंजा मां काली का जयकारा

अभिषेक-हवन कर व छप्पन भोग लगाकर मनाया वार्षिकोत्सव

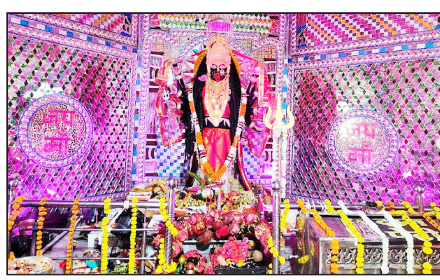

पद्मेश न्यूज। लांजी। धर्मनगरी लांजी की आस्था स्थली मंडई टेकरी स्थित मां काली मंदिर में गुरुवार 12 मार्च को मां काली जी की प्रतिमा स्थापना का 10वां वार्षिकोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। प्रात:काल से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और मां काली के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: 6 बजे मां काली के पवित्र अभिषेक से हुई, जिसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ षोडशोपचार पूजन-अर्चन संपन्न कराया गया। दोपहर में दुर्गा सप्तशती के दशांश भाग का हवन-पूजन कर मां काली को छप्पन भोग अर्पित किए गए और पूर्णाहुति के साथ समस्त श्रद्धालुओं ने माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पावन अवसर पर मां काली घाट जनकल्याण समिति मंडई टेकरी, सद्भावना मित्र मंडल लांजी और शारदा महिला मंडल सहित अनेक धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों ने सेवा भाव से आयोजन को सफल बनाया। पुजारी पंडित ईश्वरी प्रसाद तिवारी एवं अन्य वैदिक ब्राह्मणों ने पूरे अनुष्ठान को विधि-विधान से संपन्न कराया। वार्षिकोत्सव के अवसर पर क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे भी मंदिर पहुंचे और माता काली की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ बैठकर महाप्रसाद वितरण में सेवा भाव से भाग लिया। विधायक कर्राहे ने बड़ी शालीनता और सौम्यता के साथ श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित करते हुए कहा कि मां काली की कृपा से यह धाम निरंतर आस्था का केंद्र बन रहा है। उन्होंने सभी भक्तों से इस पुण्य कार्य में अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि समिति द्वारा मंदिर परिसर में साल दर साल विभिन्न विकास कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे यह स्थल पूरे क्षेत्र की धार्मिक पहचान बनता जा रहा है। इस अवसर पर समिति के संरक्षक गिरधारीलाल अग्रवाल, अध्यक्ष योगेश रामटेक्कर, विधायक राजकुमार कर्राहे, नितिन पशीने, मधुकर आसटकर, रूपचंद रामटेक्कर, सचिन अग्रवाल, कैलाशपुरी गोस्वामी, देवानंद कुर्वे, राजा महिमेहरो, सतीश दुरुगकर, राजू मोहारे, विशाल दुग्गड़, बबलु शिवालिया, हुकुमचंद जुझार, योगेंद्र बबली मिश्रा, डॉ. राजेश रणदिवे, मोनू पशीने, अंकित अग्रवाल, मुकेश देवगड़े, गजानन बड़घैया, अंकित शर्मा, रोशन आसटकर, संतोष भार्गव, कमलेश बड़घैया, टेकचंद बिहोने, देवेश ऐड़े, ओमप्रकाश आसटकर सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मंदिर परिसर में हो रहे निरंतर विकास कार्य

मां काली घाट जनकल्याण समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि मंदिर परिसर को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। आज मां काली मंदिर धर्मनगरी लांजी के प्रमुख धार्मिक स्थलों में अपनी अलग पहचान बनाने में सफल हो रहा है। मंदिर प्रांगण के प्रवेश द्वार पर देवादिदेव महादेव की विशाल प्रतिमा तथा बजरंगबली हनुमान की भव्य प्रतिमा श्रद्धालुओं को दूर से ही आकर्षित करती है। यहां आने वाले भक्त माता के दर्शन के साथ इन दिव्य प्रतिमाओं के भी दर्शन कर आध्यात्मिक आनंद का अनुभव करते हैं।

महिला मंडल ने अर्पित किए छप्पन भोग

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी नगर के महिला मंडलों ने विशेष श्रद्धा के साथ छप्पन भोग की व्यवस्था की। शारदा महिला मंडल की पदाधिकारी श्रीमती उषादेवी पशीने सहित अन्य महिला सदस्यों ने अपने-अपने घरों से विविध प्रकार के व्यंजन, मिठाइयां और प्रसाद बनाकर मंदिर पहुंचाया। हवन-पूजन और आरती के पश्चात विधि-विधान से मां काली को छप्पन भोग अर्पित कर समस्त महिलाओं ने माता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

भक्ति में झूमे श्रद्धालु, भजन संध्या ने बांधा समां, बड़ी संख्या में भक्तों ने लिया महाप्रसाद

संध्याकाल में आयोजित संगीतमय भजन संध्या ने पूरे वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। लज्जावंती देवी जागरण ग्रुप के कलाकारों—सोहनलाल बड़मे, श्रुति चौहान, रामू ठाकुर, विक्की बामनकर और शैलेश वैष्णव ने देवी भजनों की मधुर प्रस्तुति दी, जिस पर श्रद्धालु देर रात तक भक्ति में झूमते रहे। हवन-पूजन के उपरांत शाम 6 बजे से महाप्रसाद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। समिति के पदाधिकारी एवं स्वयंसेवकों ने व्यवस्था संभालते हुए भक्तों को ससम्मान प्रसाद परोसा।

सोम कंपनी के मैनेजर ने बुजुर्ग को वृद्धावस्था पेंशन के नाम धोखाधड़ी

बुजुर्ग के नाम मोबाइल सिम खरीद शराब तस्करी में किया दुरुपयोग

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी स्थित सोम शराब कंपनी के मैनेजर शैषनाथ यादव पर वृद्ध बुजुर्ग मयाराम गोटाफोडे (70 वर्ष) के साथ धोखाधड़ी कर उसके नाम का मोबाइल सिम खरीदने और उसे शराब तस्करी में इस्तेमाल करने का आरोप लगा है। बुजुर्ग ने थाना

प्रभारी को शिकायत सौंपकर जांच और कार्यवाही की मांग की है।अशिक्षित मयाराम गोटाफोडे नीमटोला वार्ड नंबर 15 के निवासी हैं और पिछले दो वर्षों से सोम शराब कंपनी की आमगांव मार्ग स्थित दुकान पर झाड़ू-पोछा का काम करते हैं। शिकायत के अनुसार, मैनेजर शैषनाथ यादव ने उन्हें वृद्धावस्था पेंशन बनवाने के बहाने जीप से बस स्टैंड लांजी स्थित ऑनलाइन दुकान में दो बार ले गए। वहां दुकानदार ने मयाराम की फोटो खींचकर उनके नाम का सिम जारी किया। मयाराम का दावा है कि शैषनाथ ने इस सिम का दुरुपयोग छत्तीसगढ़ राज्य में शराब सप्लाई के अवैध कारोबार में किया। राजनांदगांव पुलिस ने हाल ही में सोम कंपनी की शराब से जुड़ी तस्करी में वाहन और व्यक्तियों को पकड़ा, जहां सिम की जांच पर मयाराम का नाम सामने आया। 11 मार्च को छग पुलिस लांजी पहुंची और मयाराम से पूछताछ की। बुजुर्ग ने स्पष्ट किया कि वे मोबाइल चलाना नहीं जानते और न ही फोन रखते हैं। ग्रामीणों की उपस्थिति में छग पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया, लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस को सूचित किया। मयाराम ने शिकायत में शैषनाथ पर धारा 420 (धोखाधड़ी) जैसे अपराध का आरोप लगाते हुए कहा कि गरीब-अशिक्षित व्यक्ति के साथ यह जघन्य खिलवाड़ है। थाना प्रभारी ने शिकायत प्राप्त कर जांच करने की बात कही है।

लांजी न्यायालय में 14 को राष्टीय लोक अदालत-आपराधिक, सिविल व बैंक मामलों का होगा त्वरित निपटारा

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्टीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देश पर जिला न्यायालय बालाघाट में 14 मार्च 2026 (शनिवार) को राष्टीय लोक अदालत का आयोजन होगा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण के नेतृत्व में तथा न्यायाधीश सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय लांजी में भी विशेष खंडपीठ गठित की गई है।जिला स्तर पर कुल 20 खंडपीठों का गठन किया गया है, जिसमें लांजी व्यवहार न्यायालय की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की खंडपीठ नंबर 14 शामिल है। लोक अदालत में लंबित आपराधिक शमनीय मामले, सिविल विवाद, बैंक रिकवरी, मोटर दुर्घटना दावे, चेक बाउंस (नीगोशिएबल

इंस्ट्रूमेंट एक्ट), वैवाहिक, श्रम, राजस्व व विद्युत बिल संबंधी प्रकरणों का आपसी समझौते से निपटारा होगा। प्रीलिटिगेशन मामले जैसे बैंक लोन, जल/संपत्ति कर व चेक बाउंस के भी समाधान संभव होंगे।तहसील विधिक सेवा समिति लांजी ने अपील जारी कर कहा है कि पक्षकार अपने वकील के माध्यम से 14 मार्च को जिला या तहसील न्यायालय में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट या तहसील विधिक सेवा समिति लांजी के कार्यालय में संपर्क करें।

राज्य स्तरीय छात्रवृत्ति परीक्षा में सहेकी की मानवी गुरदे का चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति परीक्षा 2025-26 के परिणाम में ईपीईएस शासकीय माध्यमिक विद्यालय सहेकी (संकुल- शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मनेरी) की कक्षा आठवीं की छात्रा कुमारी मानवी गुरदे का चयन हो गया है। पिता धर्मराज गुरदे की बेटी मानवी ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल कर पूरे विद्यालय और परिवार का मान बढ़ाया है।विद्यालय परिवार ने कु. मानवी, उनके परिवार और गुरुजनों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाएं की हैं। परीक्षा परिणाम अभी-अभी घोषित हुआ है, जिसमें छात्रा की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन, माता-पिता के स्नेह और आशीर्वाद का पूर्ण योगदान रहा। इस चयन से कु. मानवी को कक्षा नौवीं से बारहवीं तक प्रतिवर्ष 12,000 रुपये की छात्रवृत्ति प्राप्त होगी।के.सी. गुरदे, प्रधानपाठक शासकीय माध्यमिक शाला बिसोनी (संकुल- कन्या लांजी) ने कहा, बिटिया की सफलता विद्यालय परिवार के लिए गौरव का विषय है। ईपीईएस एमएस सहेकी की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे 1.25 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1836 करोड़ रुपये की राशि अंतरित

लाडली बहनों के खातों में पहुंचेगी योजना की 34वीं किश्त

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को ग्वालियर जिले के शबरी माता मंदिर घाटीगाँव में आयोजित सम्मेलन में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख से अधिक बहनों के बैंक खातों में 1836 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे। यह राशि योजना की 34वीं किश्त के रूप में बहनों को प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी क्रम में योजना के अंतर्गत नवंबर माह से मासिक सहायता में 250 रुपये की वृद्धि की गई है, जिससे अब पात्र हितग्राही बहनों को प्रतिमाह 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है।

प्रदेश में जून 2023 से प्रारंभ हुई यह योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान का नया आधार बनी है। जून 2023 से फरवरी 2026 तक योजना के तहत 33 किश्तों का नियमित अंतरण किया जा चुका है। इस अवधि में 54,140 करोड़ रुपये की राशि बहनों के खातों में सीधे अंतरित की गई है।

प्रदेश सरकार अब योजना से जुड़ी महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि उन्हें कौशल उन्नयन, रोजगार और स्व-रोजगार के अवसरों से भी जोड़ा जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार और समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

इन कार्यों का करेंगे भूमि-पूजन व लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव लाड़ली बहना सम्मेलन में ग्वालियर जिले के अंतर्गत लगभग 122 करोड़ लागत के 54 कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण करेंगे। इनमें लगभग 62 करोड़ के 19 कार्यों का लोकार्पण और लगभग 60 करोड़ रुपये लागत के 35 कार्यों का भूमि-पूजन शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा जिन कार्यों का लोकार्पण किया जायेगा उनमें लगभग 40 करोड़ की लागत से सांदिपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुलैथ का भवन और 9.11 करोड़ की लागत से डाडा खिरक तिघरा मार्ग पर सांक नदी पर नव निर्मित उच्च स्तरीय पुल शामिल हैं। इसके अलावा उप स्वास्थ्य केंद्र बन्हेरी तथा ग्वालियर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में नव निर्मित सड़कें शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा जिन कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे उनमें आईएसबीटी के समीप 6.17 करोड़ की लागत से बनने जा रहे 100 सीटर श्रमिक विश्रामगृह एवं 12.16 करोड़ की लागत से अंबेडकर धाम के द्वितीय चरण में बाबा साहब के जीवन पर आधारित संग्रहालय का निर्माण प्रमुख है। इसके अलावा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न स ड़ कें, आयुर्वेदिक महाविद्यालय में ॉमी विभाग के लिए बनने जा रहे हॉल, छात्रावास व भितरवार में लगभग 4 करोड़ की लागत से बनने जा रहे नवीन शॉपिंग कांप्लेक्स का निर्माण शामिल है।

कर्मचारियों के स्वास्थ्य बीमा के लिए अब समिति बनी

भोपाल। प्रदेश के 12 लाख से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए राज्य सरकार समग्र स्वास्थ्य योजना बना रही है। इसको लेकर कई दौर की बैठक के बाद अब अपर मुख्य सचिव स्तर के अफसरों की एक समिति का गठन किया गया है। यह समिति अपनी रिपोर्ट राज्य शासन को पेश करेगी। इसके बाद योजना में बदलाव के साथ कैबिनेट में अनुमोदन के लिए इसे रखा जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस समिति के गठन के लिए जारी निर्देश में कहा गया है कि समिति के अध्यक्ष अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग होंगे। समिति में अपर मुख्य सचिव वित्त, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग सदस्य होंगे जबकि आयुक्त लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा समिति के सदस्य-सचिव होंगे।

निर्देशों में कहा गया है कि राज्य के कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के लिए प्रस्तावित समग्र स्वास्थ्य योजना के अंतिम प्रारूप, नीति निर्धारण के साथ ही कर्मचारी और पेंशनर्स संगठनों से परामर्श करने का काम समिति द्वारा किया जाएगा। इसके बाद योजना के प्रस्तावित खाका को मंत्रि-परिषद के समक्ष अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। यह समिति प्रस्तावित योजना के सभी आवश्यक मामलों पर डिस्कसन कर रिपोर्ट तैयार करेगी। इसमें योजना के लिए पात्रता, कवरेज, वित्तीय माडल, क्रियान्वयन संरचना तथा कर्मचारियों के सुझावों को शामिल कर योजना दस्तावेज समिति तैयार एनकरेगी, जिसे मंत्रि-परिषद के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

पहले भी हो चुकी हैं कई बैठकें

कर्मचारियों और पेंशनर्स को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दिलाने को लेकर राज्य सरकार पहले भी कई दौर की बैठकें कर चुकी है। इसको लेकर कर्मचारी संगठनों के साथ भी बैठक कर सुझाव लिए जा चुके हैं। अब एक बार फिर सरकार ने इसके लिए समिति का गठन कर दिया है। इस समिति की रिपोर्ट की समय सीमा तय नहीं की गई है।

प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं घरेलू एलपीजी सिलेंडर - खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि प्रदेश में घरेलू एलपीजी सिलेंडर, पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, पीएनजी की सुचारू रूप से वितरण हो रहा है। इनकी पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता है एवं लगातार आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा ने बताया है कि वाणिज्यिक एलपीजी गैस उपयोग के लिए शैक्षणिक संस्थान एवं चिकित्सकीय संस्थान को छूट दी गई है, जो जारी रहेगी, जिससे शैक्षणिक गतिविधि एवं चिकित्सकीय व्यवस्था निर्बाध रूप से जारी रह सके।

एलपीजी की जमाखोरी एवं कालाबाजारी रोकने के लिए जिलों

भोपाल में 30-31 मार्च को युवा विधायकों का सम्मेलन

भोपाल। भोपाल में 30 और 31 मार्च को राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के युवा विधायक जुटेंगे। भोपाल में विधानसभा के विधान परिषद भवन में युवा विधायक सम्मेलन में तीन राज्यों के युवा विधायक दो दिनों तक संसदीय प्रणाली पर विचार मंथन होगा। विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा ने बताया कि युवा विधायक सम्मेलन की तैयारी चल रही है। करीब 70 से 80 युवा विधायक इस सम्मेलन में शामिल होंगे। राजस्थान और छत्तीसगढ़ से इस सम्मेलन में शामिल होने वाले युवा विधायकों की लिस्ट मांगी है। विधानसभा सचिवालय की मानें तो भोपाल में होने वाले युवा विधायक सम्मेलन में करीब 45 साल से कम उम्र के विधायक शामिल होंगे। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर और प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा इस सम्मेलन की तैयारियों पर बारीकी से नजर बनाए हुए हैं।

सिंहस्थ से पहले 7500 पुलिस आरक्षकों की भर्ती

22000 पद खाली, पीएचक्यू ने राज्य सरकार को भेजा प्रस्ताव

भोपाल। मध्य प्रदेश में पुलिस बल की कमी को दूर करने के लिए पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने राज्य सरकार को बड़ा प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव के अनुसार प्रदेश में खाली पड़े 22,500 पुलिस आरक्षक पदों में से पहले चरण में 7,500 आरक्षकों की भर्ती की जाएगी। यह भर्ती सिंहस्थ से पहले कराने की योजना बनाई गई है, ताकि बड़े धार्मिक आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जा सके।

सूत्रों के मुताबिक पुलिस मुख्यालय ने वर्ष 2026 में 7,500 आरक्षकों की भर्ती का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेज दिया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलते ही भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। प्रदेश में सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन से पहले पुलिस बल में रिक्त पदों को भरना प्राथमिकता माना जा रहा है।

अंतिम चरण में है 2025 की भर्ती परीक्षा

इस बीच पुलिस भर्ती-2025 की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। लिखित परीक्षा और शारीरिक दक्षता परीक्षा पूरी हो चुकी है और अब अंतिम परिणाम का इंतजार है। पुलिस मुख्यालय का मानना है कि नई भर्ती के साथ-साथ हर साल होने वाली नियमित नियुक्तियों से बल में रिक्त पदों की संख्या धीरे-धीरे कम की जा सकेगी। पुलिस विभाग के अनुसार हर वर्ष करीब 4 हजार पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हो जाते हैं, जिससे लगातार नए पद खाली होते रहते हैं।

भर्ती बोर्ड गठन के बाद तेज होगी प्रक्रिया

नई भर्ती के लिए बोर्ड गठन की प्रक्रिया भी जारी है। पुलिस मुख्यालय ने इस प्रस्ताव को राज्य सरकार के पास विचार के लिए भेजा है। बोर्ड के गठन के बाद कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2026 आयोजित कराई जा सकती है।

2027 तक पूरी करने का लक्ष्य

सिंहस्थ अप्रैल 2028 में प्रस्तावित है। इसे देखते हुए पुलिस मुख्यालय का लक्ष्य है कि अगस्त 2027 तक भर्ती प्रक्रिया पूरी कर ली जाए, ताकि नए चयनित आरक्षकों का प्रशिक्षण भी समय पर पूरा हो सके। प्रदेश की पुलिस प्रशिक्षण संस्थाओं में वर्तमान में लगभग 8 हजार प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण देने की क्षमता है, जिससे बड़ी संख्या में नए आरक्षकों को प्रशिक्षित किया जा सकेगा।

विनोद / 12 मार्च 26

वित्त विभाग में उलझा शिक्षकों का वेतनमान

- चतुर्थ क्रमोन्नत समयमान वेतनमान का 2 लाख शिक्षकों को इंतजार

भोपाल (ईएमएस)। चतुर्थ क्रमोन्नत समयमान वेतनमान का इंतजार कर रहे मप्र के करीब 2 लाख शिक्षकों की स्थिति आसमान से गिरे खजूर में अटके जैसी हो गई है। दरअसल, मौजूदा साल की शुरुआत में कैबिनेट ने चतुर्थ क्रमोन्नत समयमान वेतनमान मुद्दे पर अपनी हरी झंडी दे दी थी। कैबिनेट में प्रस्ताव पारित होने के बाद सामान्य प्रशासन ने अपना अनुमोदन कर दिया। लेकिन अब वित्त विभाग में यह फाइल उलझी हुई है। अब शिक्षकों को इंतजार है कि वित्त विभाग में उलझी फाइल कब सुलझेगी और उन्हें बड़ी सौगात मिलेगी।

गौरतलब है कि प्रदेश में पदोन्नतियों पर प्रतिबंध लगने के कारण तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हर विभाग में 35 साल की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों को चतुर्थ समयमान देने की घोषणा की थी। स्कूल शिक्षा विभाग में भी प्रक्रिया शुरू हुई। सीधी भर्ती के पदों पर तो यह लाभ दे दिया गया, लेकिन पदोन्नति पर पहुंचने वाले शिक्षक इससे वंचित रह गए थे। ऐसे करीब दो लाख शिक्षक हैं, जो इस लाभ की पात्रता रखते हैं। शिक्षकों के संघों ने इस मामले में लगातार प्रयास किया। इसके बाद पिछले साल सितंबर माह में शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने राज्यपाल की मौजूदगी में घोषणा की थी कि शिक्षकों को चतुर्थ क्रमोन्नत समय मान वेतनमान दिया जाएगा। इस घोषणा के 3 महीने उपरांत मामला कैबिनेट में पहुंचा। मौजूदा साल की शुरुआत में सरकार की मंत्री परिषद ने इस मुद्दे पर अपनी हरी झंडी दी थी। कैबिनेट में प्रस्ताव पारित होने के बाद सामान्य प्रशासन ने अपना अनुमोदन कर दिया। अब वित्त विभाग में यह फाइल उलझी हुई है। अब इस मामले में स्कूल शिक्षा विभाग का कहना है कि आगे की क्या प्रक्रिया है, यह स्थिति सामान्य प्रशासन विभाग ही बता सकता है। इस मामले में स्कूल शिक्षा विभाग के उप सचिव प्रमोद सिंह का कहना है कि शिक्षकों को मिलने वाले चतुर्थ क्रमोन्नत समयमान में क्या स्थिति है। इस मामले में वह अभी कुछ नहीं बता सकते हैं, क्योंकि यह आदेश जारी करने का विशेषाधिकार तो सामान्य प्रशासन विभाग का है। वहीं मप्र शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष क्षत्रवीर सिंह राठौर का कहना है कि जब कैबिनेट में प्रस्ताव पारित हो गया। हर पहलुओं का परीक्षण कर लिया गया तो आदेश जारी होना चाहिए। सामान्य प्रशासन से फाइल अनुमोदित होकर वित्त विभाग पहुंची है, लेकिन यहां अनुशंसा नहीं हो पाई है।

शिक्षकों को चतुर्थ समयमान वेतनमान देने के लिए राज्य सरकार ने 322 करोड का प्रावधान किया है। कारण भी है कि शिक्षकों की संख्या डेढ़ लाख से ऊपर है जिन्हें चतुर्थ समयमान वेतनमान दिया जाना है। जानकारी है कि इस मामले की फाइल जीएडी से अनुमोदित होकर वित्त विभाग पहुंच चुकी है। यहीं पर मामला उलझा हुआ है। इस सुविधा में एक शिक्षक को तीन से लेकर 5000 का मासिक लाभ मिलना है। इस मामले में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ पत्राचार भी कर चुका है, लेकिन अभी तक अधिकारी इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे कि आदेश जारी किए जाएं। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब मामला कैबिनेट में जाने के पूर्व पूरी गणना कर ली गई थी, इसके बाद आदेश में विलंब क्यों हो रहा है? वित्त में इसका जवाब अधिकारी भी नहीं दे पा रहे है। शिक्षकों की चिंता इस बात को लेकर है कि शिक्षकों का लगातार रिटायरमेंट हो रहा है। पांच सौ ऐसे शिक्षक है, जिनकी मौजूदा वर्ष में सेवानिवृत्ति है। इन टीचरों का कहना है कि समय से यह लाभ मिलना चाहिए।

शिवराज, वीडी और भूपेंद्र सिंह अदालत से बरी

- मानहानि का केस में विशेष कोर्ट ने किया दोषमुक्त

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को अदालत ने बरी कर दिया है। उनके साथ खजुराहो सांसद वीडी शर्मा और भाजपा विधायक भूपेंद्र सिंह को भी विशेष कोर्ट ने दोषमुक्त किया है।

दरअसल जबलपुर के एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट डीपी सूत्रकर की अदालत ने तीनों बड़े नेताओं को मानहानि केस से मुक्त किया है। राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने मानहानि का केस दायर किया था। प्रकरण में अंतिम फैसले के पहले परिवादी विवेक तन्खा की ओर से मानहानि का प्रकरण वापस लेने का आवेदन प्रस्तुत किया गया था। विवेक तन्खा के आवेदन को स्वीकार करते हुए एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट ने भाजपा नेताओं को बरी किया है।

ओबीसी आरक्षण से जुड़ा केस

4 जनवरी 2022 को राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा की ओर से मानहानि का प्रकरण दायर किया गया था। पंचायत चुनाव के दौरान ओबीसी आरक्षण से जुड़े केस की विवेक तन्खा अदालत में पैरवी कर रहे थे। ओबीसी आरक्षण से जुड़े केस में विवेक तन्खा की पैरवी को लेकर तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान ने बयान दिया था। इस बयान को अपमानजनक और छवि को नुकसान पहुंचाने वाला करार देते हुए विवेक तन्खा ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था। विवेक तन्खा की ओर से सिविल और क्रिमिनल मानहानि केस दर्ज करवाते हुए 10 करोड़ के हर्जाने की मांग की थी।

मप में अब बिना लाइसेंस के नहीं बेच सकते दूध

दूध ले जाने वाले उपकरणों की भी होगी निगरानी

भोपाल। मप्र में अब डेयरी सहकारी समितियों को छोड़कर सभी दूध उत्पादकों और दूध विक्रेताओं को लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। राज्य सरकार ऐसे सभी दुग्ध उत्पादकों और विक्रेताओं के पंजीकरण की प्रक्रिया भी शुरू करेगी। इसके साथ ही दूध संग्रह, परिवहन में उपयोग होने वाले उपकरणों और भंडारण व्यवस्था की जांच के निर्देश भी दिए गए हैं। सरकार का मानना है कि इससे मिलावटी दूध और दुग्ध उत्पादों पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। राज्य में ऐसे दूध उत्पादकों और विक्रेताओं की पहचान की जाएगी जो अभी तक पंजीकृत नहीं हैं। इसके अलावा दूध से जुड़ी गतिविधियों की निगरानी की मासिक रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी।

मप्र देश के प्रमुख दुग्ध उत्पादक राज्यों में शामिल है। यहां देश के कुल दूध उत्पादन का करीब 9 प्रतिशत यानी लगभग 213 लाख टन दूध का उत्पादन होता है। राज्य में सांची दूध प्रमुख डेयरी ब्रांड है और ग्रामीण क्षेत्रों में दूध संग्रह को बढ़ावा देने के लिए 381 नई सहकारी समितियां भी कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। इस दिशा में पिछले वर्ष नेशनल डेयरी डव्लपमेंट बोर्ड के साथ अनुबंध भी किया गया था। जानकारी के अनुसार प्रदेश में कुल दूध उत्पादन का लगभग 48 प्रतिशत हिस्सा भैंस के दूध का है। वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 652 से 707 ग्राम प्रतिदिन रही। प्रदेश सरकार ने दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना भी शुरू की है। इस योजना के तहत 25 गायों की यूनिट स्थापित करने पर 10 लाख रुपए तक की प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान है।

केंद्र ने भी मांगी दूध उत्पादन की रिपोर्ट

दूध उत्पादन और बिक्री को लेकर केंद्र सरकार भी सक्रिय हो गई है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (स्न्सस्न्ड्ढ) ने दूध उत्पादकों और विक्रेताओं के लिए पंजीकरण या लाइसेंस अनिवार्य करने संबंधी नई एडवाइजरी जारी की है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि डेयरी सहकारी समितियों के सदस्यों को छोड़कर सभी दूध उत्पादकों और विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा मानकों के तहत पंजीकरण या लाइसेंस लेना होगा। एफएसएसएआई के अनुसार कुछ दूध उत्पादक और विक्रेता बिना पंजीकरण या लाइसेंस के खाद्य व्यवसाय चला रहे हैं, जो खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन है। इसलिए ऐसे सभी व्यक्तियों को अपने कारोबार को जारी रखने या शुरू करने से पहले एफएसएसएआई के साथ अनिवार्य रूप से पंजीकरण या लाइसेंस लेना होगा। केंद्र ने दूध उत्पादन की रिपोर्ट भी मांगी है।

राज्य और केंद्र शासित प्रदेश भी रखें ध्यान

प्राधिकरण ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्रों में दूध कारोबारियों की निगरानी बढ़ाएं और यह सुनिश्चित करें कि सभी के पास आवश्यक पंजीकरण या लाइसेंस हो। साथ ही दूध संग्रह और परिवहन में उपयोग होने वाले उपकरणों तथा भंडारण व्यवस्था की समय-समय पर जांच भी की जाए। एफएसएसएआई ने राज्यों को विशेष पंजीकरण अभियान चलाकर ऐसे दूध उत्पादकों और विक्रेताओं की पहचान करने को भी कहा है जो अभी तक पंजीकृत नहीं हैं। इसके अलावा दूध से संबंधित गतिविधियों की निगरानी और अनुपालन की रिपोर्ट हर महीने 15 और 30 या 31 तारीख तक प्राधिकरण को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

राजधानी में गैस सिलेंडर को लेकर मचा हाहाकार

- कॉग्रेस ने गैस एजेंसी पर किया विरोध प्रदर्शन

भोपाल। इन दिनो देश सहित राजधानी भोपाल में भी घरेलू गैस सिलेंडरो को लेकर काफी मारामारी चल रही है। जहाॅ गरीब परिवारो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं भोपाल शहर की कई गैस एजेंसियों ने बुकिंग लेना ही बंद कर दिया और ताले लगा दिये है। जिससे आम लोगो की परेशानी बढ़ गई है। यह आरोप लगाते हुए कॉग्रेस नेता मो. शावर ने परेशान परिवारो की समस्या का समाधान करने के लिये प्रदीप गैस एजेंसी के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। मो शावर ने कहा की रोज कमाकर खाने वाले गरीब परिवारो को सिलेंडर के लिए 25 दिन का समय दिया जा रहा है, उनके बाद सिलेंडर दिया जाएगा जिससे लोगों में भारी आक्रोश है। उन्होनें मांग की है की आम जनता और लाड़ली बहनों को दिए जाने वाले सिलेंडर के लिए सरकार तत्काल व्यवस्था करें जिससे आम लोग और ग़रीब परिवारों को राहत मिल सके। इस दौरान गुस्साये कार्यकर्ताओ ने मोदी है तो मुमकिन है और जनता त्रस्त..सरकार मस्त जैसे नारे भी लगाये। प्रदर्शन में कांग्रेस नेता मो शावर, मुज़ाहिद सिदिक्की, आसिफ़ अली ज़ैनुल ख़ान, अंकित साहू, सेफ़ कुरैशी, दिलीप शिवारे, मनोज मिश्रा, रफीक ख़ान, राशिद ख़ान, नज़ीर ख़ान आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जल संरक्षण के लिए करें नवाचार, जल स्त्रोतों की सुरक्षा के हों प्रबंध - मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के माध्यम से प्रदेश की जल-संस्कृति को पुनर्जीवित करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन की वह महती आवश्यकता है जिसे हमें भावी पीढ़ियों को उपलब्ध कराने के लिये सहेजकर रखना है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि इस अभियान में जल संरक्षण की पारंपरिक पद्धतियों के साथ नवीन तकनीकी नवाचारों को अपनाया जाए और प्रदेश के प्रत्येक जल स्त्रोत की सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ.

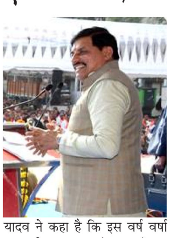

यादव ने कहा है कि इस वर्ष वर्षा जल की एक-एक बूंद का संचयन और संरक्षण ही हमारा परम ध्येय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 19 मार्च से पूरे प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत होगी।

भविष्य की चुनौतियों का समाधानः जल-समृद्ध मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों के बीच जल-सुरक्षा ही विकास का मूल मंत्र है। जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रदेश जल संरचनाओं की नदियों, तालाबों, बावड़ियों और कुओं का पुनरुद्धार एक मिशन मोड में किया जायेगा।

जन-भागीदारी से बनेगा जन आंदोलन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपील की है कि जल गंगा संवर्धन अभियान से जन-जन को जोड़कर एक जन-आंदोलन का रूप दिया जाए। उन्होंने समाज के हर वर्ग, स्वयंसेवी संस्थाओं और युवाओं से इस पुनीत कार्य में आगे बढ़कर श्रमदान करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब समाज का हर व्यक्ति जल संरचनाओं की सुरक्षा का प्रहरी बनेगा, तभी हम परम वैभवशाली और जल-समृद्ध मध्यप्रदेश के स्वप्न को साकार कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि अभियान में प्रत्येक जिले में जल स्त्रोतों के आसपास स्वच्छता सुनिश्चित की जाए और जल गुणवत्ता परीक्षण के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

ऐजूकेशन के नाम पर ली गई जमीन को जालसाजी से निजी नाम पर कराया ट्रॉसफर

- ईओडब्ल्यू ने दो महिलाओ, सहकारिता विभाग के अधिकारी सहित 6 के खिलाफ दर्ज की एफआईआर
- एक महिला आरोपी की हो चुकी है मौत, 46 हजार वर्गफीट से अधिक है जमीन

भोपाल। ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ) भोपाल ने शैक्षणिक भूमि को गलत तरीके से निजी नाम पर ट्रांसफर कराये जाने की शिकायत में जॉच के बाद के जीशान अली सहित अन्य आरोपियो के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है। आरोपियो ने साजिश पूर्वक सहकारी समितियों के जरिए 46,600 वर्गफीट जमीन निजी नाम से करायी है।

- 46 हजार 600 वर्गफीट जमीन को लेकर किया फर्जीवाड़ा

ईओडब्ल्यू द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार मिली शिकायत के आधार पर ग्राम नरेला शंकरी स्थित शैक्षणिक प्रयोजन हेतु आरक्षित भूमि के अवैध हस्तांतरण से संबंधित मामले की जांच की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया था, कि सहकारी समितियों और उनसे जुड़ी संस्थाओं के माध्यम से शैक्षणिक उपयोग के लिए आरक्षित भूमि को योजनाबद्ध तरीके से निजी नाम पर दर्ज कराया गया है। जांच में सामने आया की ग्राम नरेला शंकरी स्थित खसरा नबंर 243 के अंश भाग की लगभग 46,600 वर्गफीट जमीन जो कि संबंधित सहकारी संस्था के स्वीकृत अभिन्यास (नक्शा) के अनुसार शैक्षणिक प्रयोजन के लिए आरक्षित थी, का अवैध रूप से ट्रांसफर किया गया।

- इनके खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

जांच में पाए गए तथ्यों के आधार पर के आधार पर आरोपी जीशान अली पिता शमीमुद्दीन, स्व. निकहत शमीम, नाजनीन अली पत्नी जीशान अली,आर.के. कातुलकर

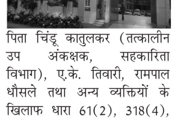

पिता चिंडू कातुलकर (तत्कालीन उप अंकक्षक, सहकारिता विभाग), ए.के. तिवारी, रामपाल धौसले तथा अन्य व्यक्तियों के खिलाफ धारा 61(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2) तथा ,भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला कायम कर आगे की जॉच की जा रही है।

आईपीएल 2026 के पहले चरण में सभी टीमें खेलेंगी चार-चार मैच - बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपील 2026 के पहले चरण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। पहले चरण में सभी टीमें चार-चार मैच खेलेंगी। बोर्ड ने इस बार पूरा कार्यक्रम इसलिए जारी नहीं किया है क्योंकि तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। बोर्ड के अनुसार विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा के बाद ही अगले चरण का कार्यक्रम जारी किया जाऐगा जिससे मैच की तारीखों का चुनाव तिथियों से टकराव न हो। बीसीसीआई के अनुसार आईपीएल का ये 19 वां सत्र 28 मार्च से शुरु होगा। इसमें पहला मुकाबला मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होगा। यह मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। पहले चरण में 10 स्थलों बेंगलुरु, मुंबई, गुवाहाटी, न्यू चंडीगढ़, लखनऊ, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली, अहमदाबाद और हैदराबाद में 20 मैच खेले जाएंगे। इस दौरान कुल 4 डबल हेडर (एक दिन में दो) मैच होंगे।

सत्र के दौरान, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बेंगलुरु में पांच और रायपुर में दो घरेलू मैच खेलेगी। वहीं पंजाब किंग्स न्यू चंडीगढ़ में चार और धर्मशाला में तीन घरेलू मैच खेलेगी, जबकि राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में तीन और जयपुर में चार घरेलू मैच खेलेगी।

आईपीएल 2026 आरसीबी के मैच

शनिवार, 28 मार्च - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद - बेंगलुरु
रविवार, 5 अप्रैल - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स - बेंगलुरु
शुक्रवार, 10 अप्रैल - राजस्थान रॉयल्स औररॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - गुवाहाटी
रविवार, 12 अप्रैल - मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - मुंबई

चेन्नई सुपर किंग्स

सोमवार, 30 मार्च - राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स ङ्क गुवाहाटी
शुक्रवार, 3 अप्रैल - चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स ङ्क चेन्नई
रविवार, 5 अप्रैल - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स ङ्क बेंगलुरु
शनिवार, 11 अप्रैल - चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स ङ्क चेन्नई

लखनऊ सुरपरजायंट्स

बुधवार, 1 अप्रैल - लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स ङ्क लखनऊ
रविवार, 5 अप्रैल - सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स - हैदराबाद
गुरुवार, 9 अप्रैल - कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स ङ्क कोलकाता
रविवार, 12 अप्रैल - लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटन्स ङ्क लखनऊ

राजस्थान रॉयल्स

सोमवार, 30 मार्च - राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स - गुवाहाटी
शनिवार, 4 अप्रैल - गुजरात टाइटन्स और राजस्थान रॉयल्स - अहमदाबाद
मंगलवार, 7 अप्रैल - राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस - गुवाहाटी
शुक्रवार, 10 अप्रैल - राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - गुवाहाटी

मुम्बई इंडियंस

रविवार, 29 मार्च - मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स - मुंबई
शनिवार, 4 अप्रैल - दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस ङ्क दिल्ली
मंगलवार, 7 अप्रैल - राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस ङ्क गुवाहाटी
रविवार, 12 अप्रैल - मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - मुंबई

कोलकाता नाइटराइडर्स

रविवार, मार्च 29 - मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स - मुंबई
गुरुवार, 2 अप्रैल - कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद - कोलकाता
सोमवार, 6 अप्रैल - कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स ङ्क कोलकाता
गुरुवार, 9 अप्रैल - नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स -कोलकाता

सनराइजर्स हैदराबाद

शनिवार, 28 मार्च - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद - बेंगलुरु
गुरुवार, 2 अप्रैल - कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद - कोलकाता
रविवार, 5 अप्रैल - सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स - हैदराबाद
शनिवार, 11 अप्रैल - पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद ङ्क मुल्लानपुर

गुजरात टाइटंस

मंगलवार, 31 मार्च - पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटन्स ङ्क मुल्लानपुर
शनिवार, 4 अप्रैल - गुजरात टाइटन्स और राजस्थान रॉयल्स ङ्क अहमदाबाद
बुधवार, 8 अप्रैल - दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटन्स ङ्क दिल्ली
रविवार, 12 अप्रैल - लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटन्स ङ्क लखनऊ

पंजाब किंग्स

मंगलवार, 31 मार्च - पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटन्स ङ्क मुल्लानपुर
शुक्रवार, 3 अप्रैल - चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स ङ्क चेन्नई
सोमवार, 6 अप्रैल - कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स ङ्क कोलकाता
शनिवार, 11 अप्रैल - पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद ङ्क मुल्लांपुर

दिल्ली कैपिटल्स

बुधवार, 1 अप्रैल - लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स ङ्क लखनऊ
शनिवार, 4 अप्रैल - दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस ङ्क दिल्ली
बुधवार, 8 अप्रैल - दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटन्स ङ्क दिल्ली
शनिवार, 11 अप्रैल - चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स ङ्क चेन्नई

नमन अवॉर्ड्स में शुभमन सहित दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों का भी सम्मान करेगा बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) 15 मार्च को नई दिल्ली में एक विशेष समारोह में शुभमन गिल, राहुल द्रविड़ सहित कई क्रिकेटरों को नमन अवार्ड देकर सम्मानित करेगा। शुभमन को जहां क्रिकेटर ऑल द ईयर वहीं पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट में दिये अहम योगदान के लिए कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

शुभमन गिल

इस समारोह में टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल को क्रिकेटर ऑल द ईयर का अवार्ड दिया जाएगा। शुभमन ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाए थे। इसके अलावा उनकी कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-2 से बराबरी पर रही थी।

अयुष म्हात्रे

वहीं अपनी कप्तानी में भारतीय टीम को अंडर-19 विश्वकप जिताने के लिए कप्तान अयुष म्हात्रे को लाला अमरनाथ अवॉर्ड दिया जाएगा। यह पुरस्कार घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले ऑलराउंडर को दिया जाता है।

राहुल द्रविड़

पूर्व कप्तान और कोच रहे राहुल द्रविड़ भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे अच्छे बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। अपनी शानदार बल्लेबाजी के कारण उन्हें भारत की दीवार के नाम से जाना जाता है। वह संन्यास के बाद कोच के तौर पर भारतीय टीम को आगे बढ़ाते रहे। वह नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के भी प्रमुख रहे हैं।

मिताली राज

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व महिला कप्तान मिताली राज को भी इस दौरान लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

एमसीए

वहीं मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) को घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट एसोसिएशन का पुरस्कार दिया जाएगा।

आईपीएल के शुरुआती मुकाबले अपने नये घरेलू मैदान में खेलेगी पंजाब किंग्स

चंडीगढ़। इस माह के अंत में शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) क्रिकेट टूर्नोमेंट में पंजाब किंग्स की टीम अपने शुरुआती चरण के दो मैच मुल्लांपुर के अपने घरेलू मैदान में खेलेगी। ये मुकाबले महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। ये मुकाबले टूर्नामेंट के पहले चरण के 20 मैचों का हिस्सा हैं।

31 मार्च को गुजरात से होगा पहला मुकाबला

पंजाब की टीम मुल्लांपुर स्टेडियम में इस सत्र का पहला मुकाबल 31 मार्च को गुजरात टाइटंस से खेलेगी। पंजाब किंग्स के प्रशंसकों के लिए यह मुकाबला विशेष रहेगा क्योंकि टीम अपने नए घरेलू मैदान पर सत्र की शुरुआत करेगी।

11 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से होगा दूसरा मैच

वहीं पंजाब दूसरा मुकाबला 11 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलेगी। घरेल मैदान प होने वाले इन दोनों ही मुकाबलों के लिए क्रिकेट प्रशंसक उत्साहित हैं।

पहले चरण में कुल 20 मुकाबले आयोजित खेले जाएंगे। वहीं बचे हुए मैचों का कार्यक्रम बाद में जारी होगा।

द हंड्रेड लीग में भारत की ऋचा घोष सबसे महंगी खिलाड़ी बनी

लंदन । यहां हुई द हंड्रेड की नीलामी में महिला क्रिकेटर ऋचा घोष सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी बनी हैं। ऋचा को मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने पाउंड 50,000 (लगभग 61 लाख रुपये) में खरीदा है। ऋचा अब भारतीय स्टार ओपनर स्मृति मंधाना के साथ खेलती नजर आएंगी। वहीं मंधाना को पहले ही 90,000 पाउंड (करीब 1.1 करोड़ रुपये) में टीम से जोड़ लिय गया था। भारत की ही दीप्ति शर्मा को सबसे पहले नीलामी में आधारमूल्य पर ही सनराइजर्स लीड्स ने उनके बेस प्राइस 27,500 पाउंड (लगभग 34 लाख रुपये) में खरीदा।

वहीं भारत की ही शैफाली वर्मा और राधा यादव को किसी टीम ने शामिल नहीं किया।

वहीं भारत की ही जेमिमा रोड्रिग्स को भी मंधाना की तरह पहले ही शामिल कर लिया गया था। उन्हें सदर्न ब्रेव ने 60,000 पाउंड (लगभग 74 लाख रुपये) में अपनी टीम में शामिल किया है। इस तरह लीग में भारत की मंधाना, जेमिमा और ऋचा खेलती दिखाई देंगी।

वहीं भारत की ही यास्तिका भाटिया, पूजा वस्त्राकर, काश्वी गौतम, शिखा पांडे, श्रेयंका पाटिल, अरुंधति रेड्डी, नंदानी शर्मा, आशा शोभना, राधा यादव; इन खिलाड़ियों को किसी ने नहीं खरीदा। वहीं पाकिस्तान की महिला खिलाड़ियों को कोई खरीदारी नहीं मिला है।

पाक की दो खिलाड़ी फातिमा सना और सादिया इकबाल को किसी भी टीम ने नहीं लिया।

इस नीलामी में न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन और ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी सबसे महंगी खिलाड़ी रहीं। दोनों को पाउंड 210,000 (लगभग 2.59 करोड़ रुपये) में खरीदा गया। सोफी डिवाइन वेल्श फायर, बेथ मूनी को ट्रेंट रॉकेट्स। वहीं इंग्लैंड की ऑलराउंडर डैनी गिब्सन को सनराइजर्स लीड्स ने पाउंड 190,000 (लगभग 2.34 करोड़ रुपये) में खरीदा। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका की ऑलराउंडर नादिन डी क्लर्क को लंदन स्पिरिट ने पांउड 170,000 (लगभग 2.1 करोड़ रुपये) में खरीदा।

सैमसन की जगह पर बुमराह को मिलना था प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट - डिविलियर्स

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज ए बी डिविलियर्स ने कहा है कि आईसीसी टी20 विश्वकप में संजू सैमसन की जगह पर जसप्रीत बुमराह को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड मिलना चाहिये था। उन्होंने कहा, संजू सैमसन प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे पर मुझे लगा कि उनके और बुमराह के बीच बहुत ही कम अंतर था।

डिविलियर्स ने बताया कि बुमराह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, जो उन्हें इस पुरस्कार के लिए सबसे बड़ा दावेदार बनाता था। उन्होंने जोर देते हुए कहा, मेरे लिए खेल के कुछ ऐसे महत्वपूर्ण क्षण और महत्वपूर्ण ओवर थे जो बुमराह ने फेंके, जिनके कारण भारतीय टीम को जीत मिली। इससे मुझे लगा कि शायद उन्हें इस पुरस्कार में और अधिक महत्व मिलना चाहिए था या उन्हें इसके और करीब होना चाहिए था।

डिविलियर्स के अनुसार, विशेष रूप से सेमीफाइनल और फाइनल जैसे बड़े दबाव वाले मैचों में बुमराह ने जबरदस्त गेंदबाजी कर विरोधी टीम पर दबाव बनाये रखा। उन्होंने बुमराह को अपने पूरे करियर में सामना किए गए शीर्ष तीन गेंदबाजों में से एक करार दिया।

वहीं डिविलियर्स ने सैमसन की भी प्रशंसा की, जिन्होंने अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के साथ मिलकर भारतीय बल्लेबाजी को बेहतर बनाया। उन्होंने कहा कि सैमसन ने तब सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जब उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, खासकर सेमीफाइनल और फाइनल जैसे नॉकआउट मुकाबलों में। डिविलियर्स ने सैमसन के करियर के उतार-चढ़ाव और इसमें सचिन तेंदुलकर की मेंटर के रूप में भूमिका का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सैमसन के पास वह फायरपावर है जिसने टीम के संतुलन मिला जिससे वह बड़े स्कोर बनाने में सफल रही।

जोकोविच को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचें ड्रेपर, मेदवेदेव से होगा मुकाबला

इंडियन वेल्स । अमेरिका के जैक ड्रेपर ने यहां खेले जा रहे बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट में उलटफेर करते हुए पांच बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच को हरा दिया। ड्रेपर ने पहला सेट हारने के बाद अच्छी वापसी करते हुए चौथे दौर में जोकोविच को 4-6, 6-4, 7-6 (5) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब क्वार्टर फाइनल में ड्रेपर का सामना रुस के दानिल मेदवेदेव से होगा। इससे पहले मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में एलेक्स मिशेलसन को 6-2, 6-4 से हराया। ड्रेपर के खिलाफ मुकाबले के तीसरे सेट में जोकोविच 6-5 से आगे थे पर इसके बाद ड्रेपर ने जबरदस्त वापसी करते हुए मैच टाईब्रेकर तक पहुंचा दिया। ड्रेपर ने कहा कि वह सर्बियाई स्टार के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार थे।

युवराज को बाहर किये जाने में धोनी की नहीं थी भूमिका - संदीप पाटिल

मुम्बई। चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष संदीप पाटिल ने खुलासा किया है कि ऑलराउंडर युवराज सिंह को बाहर किये जाने के पीछे तत्कालीन कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की कोई भूमिका नहीं थी। पाटिल के अनुसार ये कहना कि धोनी ने युवराज को बाहर कराया गलत है। पाटिल के इस खुलासे युवराज के पिता योगराज सिंह को करारा जवाब मिला है जो हमेशा आरोप लगाते रहे हैं कि उनकी बेटे का करियर धोनी ने समाप्त कर दिया था। पाटिल का कहना है कि धोनी ने कभी भी किसी भी बैठक में युवराज को हटाने के लिए नहीं कहा था।

पाटिल ने एक कार्यक्रम में कहा, 'धोनी ने कभी भी यह नहीं कहा कि युवराज को टीम से बाहर करो। साथ ही कहा कि मैं यह बात रिकॉर्ड के आधार पर कह रहा हूं।' पाटिल ने कहा कि धोनी को चयन समिति पर पूरा भरोसा था। उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं कहा। वही युवराज के पिता योगराज कई बार इस आरोप लगाते रहे हैं कि उनकी बेटे को बाहर किये जाने के पीछे धोनी था। योगराज ने कहा था, 'मैं धोनी को कभी माफ नहीं करूंगा. वह बहुत बड़े क्रिकेटर हैं, मैं उन्हें सलाम करता हूं, लेकिन उन्होंने मेरे बेटे के साथ जो किया, वह माफ करने लायक नहीं है अब सारी बातें सामने आ रही हैं और इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।' वहीं पाटिल ने योगराज के आरोपों को लेकर कहा कि एक पिता का अपने बेटे के लिए भावुक होना सामान्य बात पर है पर में उनसे कहूंगा कि वह गलत व्यक्ति पर आरोप लगा रहे हैं।

एफआईएच विश्व कप क्वालीफायर आज इटली से खेलेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

हैदराबाद। भारतीय महिला हॉकी टीम शुक्रवार को एफआईएच विश्व कप क्वालीफायर में इटली के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम अब तक पूल बी में तीन मैचों में सात अंक के साथ ही नंबर एक स्थान पर है। वहीं इटली पूल ए में दूसरे स्थान पर रही! भारतीय टीम की ओर से फॉरवर्ड नवनीत कौर ने अब तक सबसे अधिक चार चार गोल किये हैं और टीम को उनसे इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद इस मैच में भी रहेगी। दूसरी ओर इटली की फेडरिका कार्टा ने भी अब तक तीन गोल किये है और उनसे भारतीय टीम को सावधान रहना होगा। आंकड़ों पर नजर डालें भारतीय टीम का पलड़ा भारी है। भारतीय टीम ने साल 2012 से अब तक एक दूसरे के खिलाफ सात बार खेली है जिनमें से उसे पांच बार जीत मिली है वहीं एक बार ही इटली जीती है जबकि एक मैच बराबरी पर रहा है। भारतीय टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 में जगह बनाना हमारी के लिये बड़ी बात है। खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने साथ ही कहा, हम यहां सिर्फ क्वालीफाई करने नहीं आए हैं। हम मैच दर मैच प्रदर्शन में सुधार करके टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं।

सूर्यकुमार ने अभिषेक से कहा था, 8 बार शून्य पर आउट हुआ तो भी पारी शुरु करेगा

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर मुश्किल दौर से गुजर रहे खिलाड़ियों का बचाव करते रहे हैं। इसी का परिणाम है कि टीम को खिताबी जीत मिल रही है। टी20 विश्कप में सूर्या ने खराब दौर से गुजर रहे युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का हौंसला बढ़ाया था। अभिषेक तीन मैच में लगातार शून्य पर आउट होने के कारण भारी दबाव में थे और उन्हें बाहर किये जाने की मांग उठ रही थी पर सूर्यकुमार ने किसी भी बात पर ध्यान नहीं दिया। इसी कारण अभिषेक ने फाइनल में 18 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। सूर्यकुमार के अनुसार उन्होंने इस बल्लेबाज से कहा था कि कि अगर वह 9 में से 8 मैचों में भी खाता नहीं खोल पाएगा तो भी उसे फाइनल में पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाएगा। इसी कारण अभिषेक का आत्मविश्वास बना रहा और वह निडर होकर फाइनल खेलने उतरे। अभिषेक के लिए टूर्नामेंट की शुरुआत खराब रही थी। शुरुआत में पेट दर्द के कारण वह पहले मैच से बाहर रहे। इसके बाद के मैचों में वह तीन बार शून्य पर आउट हुए। इसी कारण पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने भी उन्हें फाइनल से बाहर करने को कहा था। गावस्कर का कहना था कि अभिषेक अपनी गलतियों से नहीं सीख रहे हैं और एक ही गलती को दोहरा रहे हैं। हालांकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिर भी उन्हें फाइनल में मौका दिया और अभिषेक ने उनके भरोसे को सही साबित करते हुए 18 गेंदों में ही टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ दिया था।सूर्यकुमार ने कहा, ऋमैंने उससे कहा था, 'इस विश्व कप में 9 गेम हैं, भले ही आप उनमें से आठ में विफल हो जाएं, फिर भी मैं गारंटी लेता हूं कि आप फाइनल में पहली गेंद खेलोगे।'

कार्यालय नगरपालिका परिषद बालाघाट, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/एफ-/आ.नि.सू./रा.शा./न.पा.प.बाला/2026/15514 बालाघाट,दिनांक 12-03-2026

द्वितीय ई निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदाये आंमत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण WWW.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एव EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01	2026_UAD_483327_2	बस स्टेण्ड शुल्क वसूली (प्राईवेट बसो से वसूली)	दिनांक 01/04/2026 से 31/03/2027 तक सरकारी बोली-12,86,900=00	नि.प्र.मूल्य- 2,000/- EMD: 3,21,800/-	16-03-2026

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन **WWW.mptenders.gov.in** की वेबसाईड पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बालाघाट

मिडिल ईस्ट में जंग... अमेरिका-इजराइल की रणनीति पर भारी पडने़ लगा ईरान... हिजबुल्लाह ने इजराइल पर दागीं 150 मिसाइलें, 24 घंटे में 179 लोग घायल, ईरान अमेरिकी ठिकानों पर कर रहा ताबड़तोड़ हमले...

एफबीआई की चेतावनी-अमेरिका पर भी ईरानी हमले का खतरा

अमेरिका जल्द खत्म करेगा जंग!

-ट्रंप-नेतन्याहू ने ईरान की ताकत का नहीं लगा पाए अंदाजा, तेल सप्लाई ठप होगी सोचा नहीं था

-अमेरिका और इजराइल जमीनी सैन्य कार्रवाई करने की रणनीति को लेकर अभी असमंजस में

वॉशिंगटन/तेल अवीव/तेहरान। मिडिल ईस्ट में चल रही अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग में अमेरिका-इजराइल की रणनीति लगभग विफल हो गई है। इजराइल को ईरान के साथ-साथ पड़ोसी देश लेबनान के उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह की चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है। ईरान समर्थक हिजबुल्लाह ने इजराइल पर 150 मिसाइलें दागीं। इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम ने ज्यादातर रॉकेट और मिसाइलों रोक दिया, लेकिन कुछ जगहों पर मलबा गिरने से आग लग गई। इसी बीच इजराइल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अलग-अलग हमलों में देश भर में पिछले 24 घंटे में 179 लोग घायल हुए हैं। जबकि जंग शुरू होने के बाद से अब तक कुल 2,745 लोग घायल हो चुके हैं। उधर अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने कैलिफोर्निया के पुलिस विभाग को चेतावनी दी है कि ईरान, अमेरिका के पश्चिमी तट पर जवाबी हमला कर सकता है।

अमेरिका और इजराइल लगातार दो हफ्ते से ईरान में एयरस्ट्राइक कर रहे हैं, इसके बावजूद ईरान की सत्ता अभी भी काफी मजबूत है और उसके जल्द गिरने का कोई खतरा नहीं है। यह बात अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में सामने आई है। एक सूत्र के मुताबिक कई खुफिया रिपोर्टों में एक जैसा आकलन किया गया है कि ईरान की सरकार गिरने की स्थिति में नहीं है और वह अभी भी देश की जनता पर कंट्रोल बनाए हुए है। वहीं, तेल की कीमतों में इजाफे की वजह से राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संकेत दिया है कि अमेरिका जल्द जंग खत्म कर सकता है। हालांकि अगर ईरान के कट्टरपंथी नेता सत्ता में बने रहते हैं तो युद्ध खत्म करने का रास्ता निकालना आसान नहीं होगा।

ईरान की मौजूदा सरकार गिरेगी यह तय नहीं

खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के हमलों के पहले ही दिन ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी, लेकिन इसके बावजूद वहां की धार्मिक नेतृत्व वाली व्यवस्था अभी भी एकजुट बनी हुई है। इजराइल के एक सीनियर अधिकारी ने भी रॉयटर्स से कहा कि सीक्रेट मीटिंग्स में भी यही बात निकल कर सामने आई है कि फिलहाल ईरान की मौजूदा सरकार गिरने की कोई संभावना नहीं है। सूत्रों ने यह भी कहा कि जमीन पर हालात बहुत तेजी से बदल रहे हैं और आने वाले समय में ईरान के अंदर की स्थिति अलग दिशा में जा सकती है।

लीडरशिप का ईरान पर कंट्रोल

अमेरिका और इजराइल ने युद्ध शुरू होने के बाद ईरान के कई ठिकानों को निशाना बनाया है। इनमें एयर डिफेंस सिस्टम, परमाणु ठिकाने और टॉप लीडरशिप से जुड़े लोग शामिल हैं। ट्रम्प प्रशासन ने इस युद्ध के अलग-अलग कारण बताए हैं। युद्ध शुरू करते समय ट्रम्प ने ईरान की जनता से कहा था कि वे अपनी सरकार को खुद बदल दें। हालांकि बाद में उनके सीनियर अधिकारियों ने कहा कि ईरान की सरकार को हटाना इस ऑपरेशन का मकसद नहीं है। हमलों में खामेनेई के अलावा कई सीनियर अधिकारी और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कई बड़े कमांडर भी मारे गए हैं। यह ईरान की एक शक्तिशाली पैरामिलिट्री फोर्स है, जो देश की अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से को कंट्रोल करती है।

ईरान में अमेरिकी सैनिक जंग लडने़ जाएंगे यह साफ नहीं

इस हफ्ते ईरान के सीनियर शिया धर्मगुरुओं की संस्था 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' ने खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता घोषित कर दिया है। एक अन्य सूत्र के मुताबिक इजराइल का इरादा यह है कि मौजूदा ईरानी शासन का कोई हिस्सा भी सत्ता में न बचा रहे। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि अमेरिका और इजराइल का मौजूदा ऑपरेशन सरकार को कैसे गिरा पाएगा। सूत्रों का कहना है कि इसके लिए संभवतः जमीनी सैन्य कार्रवाई करनी पड़ेगी, जिससे ईरान के अंदर लोग सडक़ों पर उतरकर विरोध कर सकें। ट्रम्प प्रशासन ने अभी तक ईरान में अमेरिकी सैनिक भेजने की संभावना से भी इनकार नहीं किया है।

ईरानी कुर्द के पास लडने़ की ताकत नहीं

हालांकि अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों में यह शक जताया गया है कि ईरानी कुर्द समूह लंबे समय तक ईरानी सुरक्षा बलों से लडने़ की क्षमता नहीं रखते। दो सूत्रों के मुताबिक उनके पास न तो पर्याप्त हथियार हैं और न ही पर्याप्त संख्या में लड़ाके। सूत्रों के मुताबिक हाल के दिनों में ईरानी कुर्द समूहों ने वॉशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों और सांसदों से हथियार और बख्तरबंद वाहन देने की मांग की है। लेकिन ट्रम्प ने शनिवार को कहा कि उन्होंने ईरानी कुर्द समूहों को ईरान में भेजने का विचार फिलहाल खारिज कर दिया है।

ईरान में मौजूद सत्ता को गिराना आसान नहीं

एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की खुफिया एजेंसियों की एक सीक्रेट रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर अमेरिका, ईरान पर बड़े पैमाने पर सैन्य हमला भी करे, तब भी वहां की मौजूदा सत्ता को गिराना आसान नहीं होगा। यह आकलन नेशनल इंटेलिजेंस काउंसिल की रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की सैन्य और धार्मिक नेतृत्व वाली व्यवस्था इतनी मजबूत है कि उसे हटाना मुश्किल होगा। यह रिपोर्ट अमेरिका और इजराइल की तरफ से 28 फरवरी को ईरान पर हमला शुरू करने से करीब एक हफ्ते पहले तैयार की गई थी। इसमें अलग-अलग संभावनाओं का आकलन किया गया था, जैसे कि अगर ईरान के शीर्ष नेताओं को निशाना बनाया जाए या सरकार और संस्थानों पर बड़ा हमला किया जाए।

ईरान में विपक्षी ताकतों के सत्ता में आने की संभावना कम

रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद भी वहां की सत्ता व्यवस्था टूटने के बजाय तय प्रोसेस के तहत नया नेतृत्व चुन लेगी और सरकार चलती रहेगी। खुफिया आकलन में यह भी कहा गया कि ईरान की बिखरी हुई विपक्षी ताकतों के सत्ता में आने की संभावना बहुत कम है। नेशनल इंटेलिजेंस काउंसिल अमेरिका की 18 खुफिया एजेंसियों के सीनियर एक्सपर्ट्स का एक ग्रुप है, जो मिलकर ऐसी सीक्रेट रिपोर्ट तैयार करते हैं। व्हाइट हाउस ने इस पर सीधे टिप्पणी नहीं की है और यह भी साफ नहीं किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को सैन्य अभियान शुरू करने से पहले इस रिपोर्ट की जानकारी दी गई थी या नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को दी जमानत

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर आतंकी वित्तपोषण मामले में एक अहम घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि जमानत की विस्तृत शर्तें जल्द जारी की जाएंगी और यह साफ किया कि शाह की रिहाई इन शर्तों के अनुपालन पर निर्भर होगी। बेंच ने शाह की ओर से वरिष्ठ वकील द्वारा प्रस्तुत प्रतिवादों को सुनने के बाद यह आदेश दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बेंच ने कहा कि उनकी जमानत की शर्तों और नियमों को निर्दिष्ट करने वाला औपचारिक लिखित आदेश जल्द जारी किया जाएगा। कोर्ट के मुताबिक शर्तों समेत विस्तृत आदेश जल्द ही जारी किया जाएगा। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के एक प्रमुख अलगाववादी नेता शब्बीर शाह पर आतंकी वित्तपोषण और घाटी में अलगाववादी गतिविधियों को कथित वित्तीय सहायता देने से जुड़े आरोप लगे हैं।

सुनवाई के दौरान पीठ ने मुकदमे में कई अनियमितताओं की ओर इशारा किया और शाह की लंबी कैद पर चिंता जताई। 4 सितंबर, 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने शाह को इस मामले में अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था और एनआईए को नोटिस जारी कर दिल्ली हाईकोर्ट के 12 जून, 2025 के उस आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें उन्हें राहत देने से इनकार किया गया था।

बता दें 2017 में एनआईए ने शांति भंग करने के लिए पत्थरबाजी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और केंद्र सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने की साजिश रचने के आरोप में 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। शाह पर जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी आंदोलन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप था। हवाला लेनदेन के माध्यम से धन प्राप्त करने और नियंत्रण रेखा पार व्यापार के माध्यम से धन जुटाने का आरोप था, जिसका कथित तौर पर विध्वंसक और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इस्तेमाल किया गया था।

बिजली के मीटर बनाने वाली फैक्ट्री में आग, दो दर्जन से ज्यादा झुलसे, 250 की बची जान

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित सेक्टर-4 से एक दर्दनाक खबर सामने आई है, जहाँ गुरुवार सुबह एक बड़ी फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। यह आग कैपिटल पावर सिस्टम लिमिटेड कंपनी में लगी, जहाँ बिजली के मीटर बनाने का काम किया जाता है। हादसे के वक्त फैक्ट्री के अंदर करीब 250 कर्मचारी मौजूद थे, जिसमें से करीब दो दर्जन लोग झुलस गए। जिससे वहां अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां और थाना फेस-1 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल की तीन गाड़ियां तुरंत राहत कार्य में जुट गईं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, इस अग्निकांड में दो दर्जन से ज्यादा लोग झुलस गए हैं, जिन्हें आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एहतियात के तौर पर पुलिस ने आसपास के पूरे इलाके को खाली करा लिया है ताकि जान-माल का अधिक नुकसान न हो।

बालाघाट जिला 31 जुलाई तक जल अभावग्रस्त घोषित, पानी के दुरुपयोग पर सख्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में लगातार गिरते भू-जल स्तर और आगामी ग्रीष्म ॠतु में संभावित पेयजल संकट को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मृणाल मीना ने संपूर्ण बालाघाट जिले को 13 मार्च से 31 जुलाई 2026 तक जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित कर दिया है। यह आदेश म.प्र. पेयजल परिक्षण अधिनियम 1986 (संशोधित 2002) के तहत जारी किया गया है।

गर्मी के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों के हैंडपंप और अन्य पेयजल स्त्रोतों का जलस्तर तेजी से घट रहा है। निजी नलकूपों के अधिक गहराई तक खनन और पानी के अत्यधिक दोहन से शासकीय जल स्त्रोत प्रभावित हो रहे हैं, जिससे आने वाले समय में पेयजल संकट की स्थिति बन सकती है।

जारी आदेश के अनुसार अब कलेक्टर या अधिकृत अधिकारी की अनुमति के बिना किसी भी सार्वजनिक जल स्त्रोत—जैसे नदी, नाला, बांध, जलाशय, कुएं आदि से सिंचाई या औद्योगिक उपयोग के लिए पानी नहीं लिया जा सकेगा। साथ ही बिना अनुमति के नए नलकूप खनन, गहरीकरण या सफाई पर भी प्रतिबंध रहेगा। नल-जल योजनाओं में मोटर पंप लगाकर पानी खींचने की शिकायतों को देखते हुए ऐसे मामलों में मोटर पंप जब्त करने के निर्देश ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों को दिए गए हैं। इसके अलावा जल संरक्षण और पानी के अपव्यय को रोकने के लिए मुनादी एवं प्रचार-प्रसार के माध्यम से जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। कलेक्टर श्री मीना ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति या संस्था के खिलाफ म.प्र. पेयजल परिक्षण अधिनियम के तहत 2 वर्ष तक की सजा या 2000 रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं। साथ ही यह कृत्य भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के अंतर्गत भी दंडनीय होगा।

बालाघाट
शुक्रवार 13 मार्च 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

कार की चपेट में आने से तीन भैंसों की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गोंदिया-सिवनी फोरलेन से गुजरने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी लोगों को फोरलेन पर सुरक्षित आवागमन की पूरी जानकारी नहीं है। कई ग्रामीणों को यह भ्रम है कि फोरलेन पर दोनों ओर से आना-जाना किया जा सकता है। जबकि इसमें एक ओर से ही वाहन चलाए जाते हैं। ऐसे में तेज रफ्तार वाहनों के बीच मवेशियों को सड़क पार कराना या ले जाना जोखिम भरा साबित हो रहा है।इसी तरह की एक घटना किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम नेवरगांव के पास फोरलेन पर सामने आई। जहां कार की चपेट में आने से तीन भैंसों की मौत हो गई। जबकि एक भैंस घायल हो गई। हादसे में कार भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम नेवरगांव निवासी भागचंद चौहान कृषक हैं। 11 मार्च की शाम करीब 6:30 बजे वे अपनी छह भैंसों को खेत से घर लेकर जा रहे थे। जब वे भैंसों को लेकर फोरलेन पर पहुंचे थे। तभी गोंदिया की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने मवेशियों को चपेट में ले लिया । इस दुर्घटना में चार भैंसें कार की चपेट में आ गईं। जिनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई और एक भैंस घायल हो गई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद कार चालक वाहन को घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गया।भागचंद चौहान की रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने कार क्रमांक एमपी 22 सीबी 1866 के अज्ञात चालक के खिलाफ धारा 281, 325 भारतीय न्याय संहिता तथा धारा 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच की जा रही है।

उधारी के पैसे वसुलने युवक का किया अपहरण

पुलिस ने 24 घंटे में आरोपियों को गिरफ्तार कर अपहृत व्यक्ति को छुड़ाया

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी थाना अन्तर्गत पुलिस चौकी सुलसुली के ग्राम पंचायत घोटी में एक सनसनीखेज अपहरण का मामला सामने आया है जहां अपहरण कर्ताओं के द्वारा अपने उधारी के पैसे वसुलने के लिये एक युवक का अपहरण कर उसे पडोसी राज्य छत्तीसगढ जिला धमतरी ले जाया गया, घटना की सूचना मिलते ही लांजी पुलिस ने पुरे मामले को गंभीरता से लेते हुये सायबर टीम एवं मुखबिर टीम का अलर्ट कर महज 24 घंटे के भीतर अपहृत युवक को सकुशल अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छुडाया गया तथा पुरे मामले में शामिल आरोपियों को जिनमे एक महिला भी शामिल है इन्हे हिरासत में लेकर लांजी थाना लाकर आवश्यक कार्यवाही की गई।

कटंगनाले से किया अपहरण, 10 लाख की उधारी वसुलना था

इस पूरे मामले में लांजी एसडीओपी ओमप्रकाश (भापूसे) के द्वारा प्रेसवार्ता लेकर जानकारी में बताया गया कि 11 मार्च 2026 को प्रातः 09 बजे लांजी सालेटेकरी मार्ग पर ग्राम घोटी अन्तर्गत कटंगनाले के पास कुछ लोग चौपहिया सफेद तुफान वाहन से आये जिनमें 4 लोग सवार थे इन लोगो के द्वारा योजना बद्ध तरीके से घोटी निवासी 35 वर्षीय केशोप्रसाद धामने के साथ गाली गलौज कर उसका अपहरण कर जबरन उसे वाहन मे बिठाकर छत्तीसगढ़ ले जाया गया। यह पूरा मामला रूपये पैसो और ब्याज के लेन देन से संबधित बताया जा रहा था। घटना की जानकारी जैसे ही लांजी पुलिस को लगी उन्हाने अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक 70/26 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक आदित्या मिश्रा के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्श कांत शुक्ला और एसडीओपी लांजी ओमप्रकाश के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उनि. दीप सिंह परमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस टीम छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले पहुंची, जहां से अपहृत केशोप्रसाद धामने को सकुशल दस्तयाब कर लिया गया और मुख्य आरोपी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उनि दीप सिंह परमार के नेतृत्व में एएसआई महेश बिसेन, प्रधान आरक्षक पवन मर्सकोले, आरक्षक चेतन सोनी, आरक्षक आशुतोष राजपूत, आरक्षक सुजीत पाल और आरक्षक पवन ठाकुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पूछताछ में सामने आई साजिश, आरोपी गिरफ्तार...

पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी जितेंद्र कुमार उर्फ जीत साहू ने बताया कि वर्ष 2023 में उसने अपनी मंगेतर ज्योति बिल्हारे के साथ मिलकर केशोप्रसाद धामने को ब्याज पर तकरीबन 10 लाख रुपए दिए थे। जब पैसे वापस नहीं मिले तो दोनों ने वसूली के लिए अपहरण की योजना बनाई। योजना के तहत ज्योति बिल्हारे ने फोन कर जितेंद्र को लांजी बुलाया और अपने साथियों के साथ मिलकर कटंगनाला के पास से केशोप्रसाद का अपहरण कर लिया। उक्त मामले में लांजी पुलिस द्वारा आरोपी जितेंद्र कुमार उर्फ जीत साहू (35) निवासी ग्राम खैरोटी थाना मगर रोड जिला धमतरी (छत्तीसगढ़), योगेश साहू (40) निवासी ग्राम कातलबोर कुर्ग (छत्तीसगढ़), ज्योति बिल्हारे निवासी ग्राम घोटी चौकी सुलसुली थाना लांजी को हिरासत में लिया है। वहीं मामले में उपयुक्त चौपहिया तुफान वाहन एवं वाहन मालिक या चालक की तलाश लांजी पुलिस के द्वारा की जा रही है। उक्त आरोपियो के विरूद्ध अपराध क्रमांक 70/2026 धारा 127 (2), 140 (2), 296 (बी), 115 (2), 351 (3) बीएनएस के तहत सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश किया गया है।

शादी का झांसा देकर युवती से बनाए शारीरिक संबंध

अपराध दर्ज होने के बाद फरार आरोपी दीपक की तलाश जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती ने एक युवक के विरुद्ध शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाई। खैरलांजी पुलिस ने इस 26 वर्षीय युवती द्वारा की गई रिपोर्ट पर दीपक पिता लेखराम मंदरेले ग्राम कुम्हली थाना खैरलांजी निवासी के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू की है। अपराध दर्ज होने के बाद यहआरोपी फरार है इसकी तलाश की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह युवती खैरलांजी में रहकर बालाघाट के एक कॉलेज में बी एड की पढ़ाई कर रही है। 15 अगस्त 2025 को इस युवती की मुलाकात दीपक मंदरेले ग्राम कुम्हली निवासी से हुई थी। दीपक ने इस युवती को शादी करने का पक्का वादा किया था और उसके आधार पर यह युवती उससे संबंध बनाने के लिए राजी हुई थी। 17 अगस्त 2025 से 19 जनवरी 2026 तक दीपक ने इस युवती को अपने घर कुम्हली ले जाकर और शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाएं थे। 18 फरवरी 26 को 1:30 बजे कॉलेज की पार्किंग में दीपक ने आकर युवती से शादी करने से साथ इंकार कर दिया और अश्लील गालियां देते हुए,शादी करने दबाव डालने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। जिससे यह युवती परेशान और डर गई थी । उसने दीपक से संपर्क अपना बातचीत करना चाहती थी। पर संपर्क नहीं हो पा रहा था। जिसके बाद यह युवती परेशान होकर के रिपोर्ट करने खैरलांजी पुलिस थाना पहुंची।खैरलांजी पुलिस ने इस युवती द्वारा की गई रिपोर्ट पर दीपक मंदरेले के विरुद्ध के साथ इस युवती के साथ शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने और अश्लील गालियां देकर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। अपराध दर्ज होने की भनक लगते ही दीपक मंदरेले फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई-चार लोग घायल

हट्टा थाने के मोहगांव नर्मदा टोला के पास हुई दुर्घटना, तीन घायल जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना अंतर्गत ग्राम सुसवा रोड पर स्थित मोहगांव नर्मदाटोला के पास दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से दोनों मोटरसाइकिल में सवार चार लोग घायल हो गए ।जिनमे अत्यधिक चोट लगने से तीन घायल को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। तीनों घायल जिनमे जग्गू पिता रामचंद्र नागेश्वर 50 वर्ष, श्री चंद पिता तेजूलाल सिघनधुपे 55 वर्ष ग्राम सुसवा थानां किरनापुर, इंद्रराज पिता पेंडारी देशमुख 32 वर्ष ग्राम साल्हे किरनापुर निवासी हैं वहीं इस दुर्घटना में बिंदा प्रसाद पिता दुलीचंद वराडे 56 वर्ष ग्राम सुसवा निवासी को मामूली चोट आई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी लोग खेती मजदूरी करते हैं। इंद्रराज ग्राम साल्हे निवासी अपने ससुराल ग्राम सुसवा आया था 12 मार्च को इंद्रराज देशमुख और बिंदा प्रसाद दोनों मोटरसाइकिल में अपने ग्राम सुसवा से अपने किसी काम से हट्टा आ रहे थे। और जग्गू नागेश्वर अपने साथी श्री चंद सिंघन्धुपे के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम कुंडे मोहगांव से अपने घर सुसवा लौट रहे थे। शाम 5:00 बजे करीब ग्राम मोहगांव नर्मदा टोला के पास दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई।जिससे दोनों मोटरसाइकिल में सवार चारों लोग घायल हो गए। सभी घायलों को प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। जिनमे उक्त तीन घायल को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस दुर्घटना में बिंदा प्रसाद को मामूली चोटें आई है। जिला अस्पताल पुलिस ने दोनों पक्षों का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना हट्टा भिजवा दी है।

जिला अस्पताल में बेहोशी की हालत में भर्ती एक व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला अस्पताल में बेहोशी की हालत में भर्ती एक व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई मृतक नेमन पिता सुरपत धुर्वे 45 वर्ष ग्राम सूजी थाना मलाजखंड निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेमन धुर्वे अपने परिवार के साथ मजदूरी करता था। जिसके परिवार में पत्नी समली बाई के अलावा दो बेटे हैं। 10 मार्च की रात्रि में नेमन धुर्वे अपने घर में अकेला था।जिसकी मां खेत रखवाली करने चली गई थी और पत्नी समली बाई गांव में ही शादी के कार्यक्रम में शामिल होने चली गई थी। रात करीब 12:00 बजे समली बाई घर लौटी उस समय उसका पति नेमन धुर्वे घर में नहीं था ।जो घर से थोड़ी दूर बाड़ी तरफ गिरे हुए थे और बेहोशी का हालत में था। जिसे उठाकर घर में लाये और दूसरे दिन 11 मार्च को सुबह बिरसा के शासकीय अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां अधिक तबीयत खराब होने पर नेमन धुर्वे को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान 12 मार्च को सुबह 8:00 बजे नेमन धुर्वे की मौत हो गई ।जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। इस व्यक्ति की किस वजह से मोत हुई, अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होने की संभावना है। जिला अस्पताल पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कर हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना मलाजखंड भिजवा दी है। इस मामले की आगे जांच मलाजखंड पुलिस द्वारा की जा रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

किराये से देना है
लालबर्रा बालाघाट हाईवे रोड पर ग्राम बकोड़ा में श्री सांई फ्यूल पेट्रोल पंप से लगा हुआ 50×55=2750 फुट में बना हाल जिसमें वर्तमान में गुरूकृपा हाईवे रेस्टोरेंट संचालित हो रहा है। इस रेस्टोरेंट को मैं आजाद पटेल (किरायेदार) अपने कुछ पारिवारिक कारणों से 31 मार्च को छोड़ रहा हूँ। रेस्टोरेंट संचालित करने हेतु किराये से लेने हेतु ई छुक व्यक्ति संपर्क करें।
सुविधाएं - पार्किंग, लेट-बाथ, पानी की पर्याप्त व्यवस्था, रेस्टोरेंट संचालित करने हेतु पूरा सेटअप उपलब्ध है।
-संपर्क सूत्र-
दीपक शर्मा - 7875129343
आजाद पटेल - 7067934672

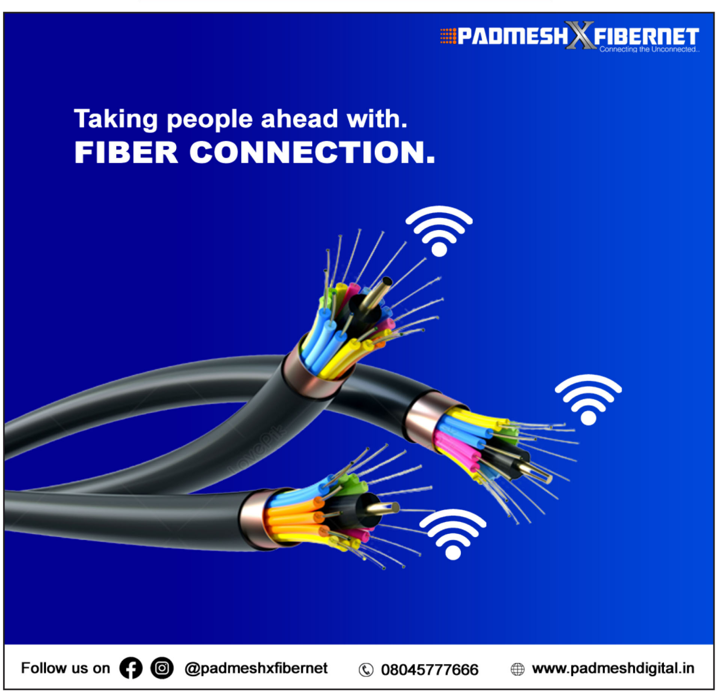

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट